खबरों के 67 साल, खबरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump. com

पत्र नहीं मित्र

संपर्क करें :—> jabdesh1@yahoo.com

देशबन्धु

जबलपुर, सोमवार 27 नवम्बर 2023 | वर्ष –68 | अंक –18 | पृष्ठ –12 | मूल्य – 3.00 रु.

■ सुरंग में जीवन, तो ...
■ ये विधानसभा फैसला.. 04

■ चीन में फैली बीमारी खतरनाक, बढ़ते ...
■ तुर्किए ने इराक में पीकेके के ठिकानों... 09

■ पपीता की खेती की जानकारी
■ गुलाब की खेती कैसे करें 11

■ धोनी खेलेंगे अगला ...
■ भारतीय बल्लेबाजों... 10

सार संक्षेप

असम और हरियाणा में महसूस किए गए भूकंप के झटके

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में रविवार (26 नवंबर) को भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक पहला भूकंप सुबह 4 बजे हरियाणा के सोनीपत में महसूस किया गया। जबकि दूसरा भूकंप का केंद्र असम के दरंग में जमीन से 22 किलोमीटर अंदर रहा है। यह सुबह 7:36 बजे महसूस किए गए हैं और रिक्टर स्केल पर इसकी भी तीव्रता तीन आंकी गई है। हालांकि कहीं से भी जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। जानकारी के मुताबिक रविवार को असम और हरियाणा में आए भूकंप के झटके अन्य राज्यों में महसूस नहीं किए गए हैं। इसकी तीव्रता इतनी कम थी कि इसका प्रभाव बहुत अधिक नहीं रहा है। असम के दरंग और हरियाणा के सोनीपत में ही भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। कुछ देर के लिए घबराकर लोग घरों से बाहर निकल आए थे लेकिन कहीं से नुक़सान की कोई खबर नहीं है।

जम्मू–कश्मीर के उरी में लश्कर के 3 आतंकी बंधे

श्रीनगर। रविवार सुबह उरी में झूला फुट ब्रिज के पास सुरक्षाबलों की जॉइंट नाका चेकिंग के दौरान लश्कर–ए–तैयबा के 3 आतंकी पकड़े गए। सर्च के दौरान इनके पास से 3 चीनी ग्रेनेड और ढाई लाख रुपए कैश भी मिला है। उरी पुलिस स्टेशन में इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। इसके अलावा कश्मीर के शोपियां में अंसार गजवत–उल–हिंद के एक आतंकवादियों के मददगार को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई–पेपर epaper.deshbandhump.com वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

चूहा-सुनती हो- शहडोल में रेत माफिया ने अब पटवारी को ट्रेक्टर से कुचलकर मार डाला।
चुहिया- हां प्रिये- यह हिम्मत केवल माफिया की नहीं, बल्कि उसके पीछे सहारा देने वाले शासन-प्रशासन के कुछ मजबूत हाथों की ताकत है।

रेत माफिया ने शहडोल में पटवारी को ट्रैक्टर से कुचलकर मार डाला

मैहर जिले से सोन नदी आए थे रेत का उत्खनन करने

आधीरात को पेट्रोलिंग के दौरान हुई हत्या

कमलनाथ ने कहा - प्रदेश में माफिया राज

शहडोल, देशबन्धु। रेत माफिया के दुस्साहस का परिणाम शहडोल जिले में यह हुआ कि एक पटवारी की जान चली गई। अवैध रेत का उत्खनन और परिवहन करने वाले माफिया ने बीती रात ट्रैक्टर से कुचलकर पटवारी की हत्या कर दी। घटना बीती अर्धरात्रि जिले के देवलोंद थाना क्षेत्र की है।

पुलिस ने इस मामले में हत्या की धारा के तहत प्रकरण दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। शहडोल जिले में हो रहे रेत के अवैध उत्खनन को लेकर जिला कांग्रेस के नेता तो प्रशासन पर हमलावर थे ही, अब इस घटना के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने ट्वीट कर राज्य की भाजपा सरकार को जमकर आधे हाथों लिया है। कमलनाथ ने कहा कि प्रदेश में भाजपा शासन के दौरान माफिया राज चल रहा है और लगभग हर दिन ऐसे जघन्य अपराध हो रहे हैं।

पटवारी प्रसन्न सिंह की जीवित अवस्था का चित्र

कुचल कर मौके से हो गए फरार–घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार ब्यौहारी के खड्डा हल्का में पदस्थ पटवारी प्रसन्न सिह अपने कुछ सहयोगी साथियों के साथ बीती रात देवलोंद थाना क्षेत्र अंतर्गत पेट्रोलिंग कर रहे थे। जब वे गोपालपुर सोन नदी पहुंचे तो उन्हें एक ट्रैक्टर रेत ले जाता हुआ नजर आया। पटवारी प्रसन्न सिंह व उनके साथियों ने जब ट्रैक्टर चालक को रोका तभी ट्रैक्टर चालक ने प्रसन्न सिंह पर ट्रैक्टर चढ़ाकर उन्हें बुरी तरह से कुचल दिया। घटना के बाद ट्रैक्टर लेकर चालक मौके से फरार हो गया। ट्रैक्टर से कुचल जाने के कारण पटवारी प्रसन्न सिंह की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

घटना रात्रि लगभग 12 बजे की है। ऐसी चर्चा व्याप्त है की सोन नदी के उसे पर मैहर जिला है और करीब होने के कारण मैहर के रेत माफिया सोन नदी को छलनी करते हुए रेत का उत्खनन कर रहे थे और फिर वह इस रेत का परिवहन कर उसे मैहर और उसके आसपास के क्षेत्र में बिक्री करते थे।

दो आरोपी गिरफ्तार– शहडोल के पुलिस अधीक्षक कुमार प्रतीक ने घटना के संबंध में बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने रात में ही विवेचना शुरू कर दी और सुबह ट्रैक्टर और चालक की शिनाख्त कर ली गई। पुलिस अधीक्षक श्री प्रतीक ने बताया कि >>शेष पृष्ठ 2 पर

कलेक्टर बोलीं - लगातार सामने आ रहे अवैध रेत उत्खनन के मामले

घटना के संबंध में कलेक्टर वंदना वैद्य ने बताया कि अवैध रेत उत्खनन के लगातार मामले सामने आ रहे थे और शिकायतें मिल रही थी। इसी को देखते हुए 23 नवंबर को राजस्व, खनिज विभाग और पुलिस की टीम ने उस क्षेत्र का निरीक्षण किया था। कलेक्टर ने बताया कि 24 व 25 नवंबर को अवैध रेत की जप्ती भी की गई। उन्होंने बताया कि 24 नवंबर को 225 घन मीटर और 25 नवंबर को 250 घन मीटर रेत जब्त की गई। कलेक्टर ने बताया कि रात 8:30 बजे तक एसडीएम ब्यौहारी, जिला खनिज अधिकारी और पुलिस के जवान ने मौके पर मौजूद रहकर कार्रवाई पूरी की। उन्होंने बताया कि पटवारी प्रसन्न सिंह अन्य तीन पटवारी के साथ रात में मौके का मुआयना करने गए थे तभी ट्रैक्टर से कुचलना की यह घटना हो गई।

संविधान दिवस पर बोले चीफ जस्टिस चंद्रचूड़

अदालतों में जाने से नहीं डरे जनता

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड ने रविवार को संविधान दिवस के मौके पर कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अब तक 'लोगों की अदालत' के तौर पर काम किया है और नागरिकों को न तो कोर्ट आने से डरना चाहिए और न ही उन्हें इसे अंतिम उपाय के तौर पर देखना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में संविधान दिवस से जुड़े कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए सीजेआई चंद्रचूड ने कहा कि जिस तरह संविधान लोकतांत्रिक संस्थानों और प्रक्रियाओं के जरिए हमें राजनीतिक मतभेदों को खत्म करने में मदद करता है। उसी तरह कोर्ट की प्रणाली हमें स्थापित सिद्धांतों और प्रक्रियाओं के जरिए कई तरह की असहमतियों को सुलझाने में मदद करती है। इसलिए हम कह सकते हैं कि कोर्ट में हर केस संवैधानिक शासन का विस्तार है। इस कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के भाषण से हुई। कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस संजीव किशन कौल, जस्टिस संजीव खन्ना मौजूद रहे। इसके अलावा कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने 'लोगों की अदालत' के तौर पर काम किया

चीफ जस्टिस ने अपने संबोधन में कहा, पिछले सात दशकों में सुप्रीम कोर्ट ने लोगों की अदालत के तौर पर काम किया है। हजारों लोग इस संस्थान में न्याय पाने के भरोसे के साथ इसके दरवाजे तक आए हैं। उन्होंने कहा कि नागरिक कोर्ट में अपनी निजी आजादी, जवाबदेही, गैरकानूनी गिरफ्तारी, बंधुआ मजदूरों के अधिकारों की रक्षा, आदिवासी अपनी जमीन की सुरक्षा के लिए, मैला ढोने जैसी सामाजिक बुराइयों को खत्म करने के लिए और यहां तक कि साफ हवा हासिल करने के लिए दखल देने की उम्मीद के साथ तक आते हैं।

चिट्ठी-पत्रियों का भी लिया गया संज्ञान- सीजेआई ने कहा कि यह केस सिर्फ कोर्ट के लिए आंकड़े नहीं हैं। यह मामले बताते हैं कि लोग सुप्रीम कोर्ट से क्या उम्मीद करते हैं और खुद कोर्ट की नागरिकों को न्याय देने की प्रतिबद्धता दिखाते हैं। सुप्रीम कोर्ट शायद दुनिया की एकमात्र कोर्ट है, जहां नागरिक सिर्फ मुख्य न्यायाधीश को चिट्ठी लिखकर संवैधानिक मशीनरी को चालू करा सकते हैं।

'मन की बात' में बोले मोदी -

भारत में ही शादी करें ताकि देश का पैसा देश में रहे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात का 107वें एपिसोड में देश को संबोधित करते हुए कहा- आज कल कुछ परिवारों विदेशों में जाकर शादी करने का प्रचलन बढ़ रहा है। पीएन ने सवाल किया कि क्या ये जरूरी है क्या? उन्होंने कहा कि अगर हम भारत के लोगों के साथ उत्साह मनाएं तो देश का पैसा, देश में ही रहेगा। लोगों को आपकी शादी में सेवा करने का मौका।

प्रधानमंत्री ने लोगों से कहा कि वह 'वोकल पर लोकल' को प्रमोट करते हुए भारत में ही शादी करें। पीएम ने कहा कि देश में शादियों का सीजन शुरू हो चुका है। कुछ व्यापार संगठनों का अनुमान है कि शादी के इस सीजन में व्यापारी पांच लाख करोड़ रुपये तक का व्यापार कर सकते हैं। पीएम ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि शादियों से जुड़ी खरीदारी करते हुए, कोशिश करें कि आप भारत में बने उत्पादों को ही खरीदें।

इस एपिसोड में मोदी ने देश को संविधान दिवस की शुभकामनाएं दी साथ ही 26/11 के हमले को याद किया।और मुंबई हमले में जान गंवाने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि दी।

एक महीने डिजिटल पेमेंट करने का बनाएं प्लान पीएम ने डिजिटल पेमेंट को लेकर भी लोगों से विशेष अपील की। उन्होंने कहा कि त्योहार के इस सीजन में कैश देकर सामान खरीदने का प्रचलन कम होता जा रहा है। लोग डिजिटल पेमेंट ज्यादा कर रहे हैं। पीएम ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि वह एक प्लान तय करें जिसके तहत वह एक महीने में सिर्फ डिजिटल माध्यम से ही पेमेंट करें।

उत्तरकाशी टनल हादसा ...इंतजार और लंबा हुआ

फंसे मजदूरों को अब दो सप्ताह की अवधि में निकाले जाने की संभावना

अब ऊपर से नीचे की ओर बनाया जा रहा रास्ता

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी टनल हादसे की चुनौतियां हर बीतते दिन के साथ और ज्यादा बढ़ती जा रही हैं। पहले जिस रेस्क्यू को दो से तीन दिनों में पूरा करने की बात हो रही थी, अब सीधे वो तारीख दो- तीन सप्ताह आगे बढ़ चुकी है। बताया जा रहा है कि ऑगर मशीन के जरिए काफी ड्रिलिंग की तो गई, लेकिन अब उसका ड्रिलर टूटकर सुरंग के मलमे में फंस जाने से मुश्किल ज्यादा बढ़ गई है। वहीं अब भारतीय सेना ने भी मोर्चा संभाल लिया है। इस समय रेस्क्यू टीम अब हॉरिजॉन्टल ड्रिलिंग के जरिए मिशन को आगे बढ़ा रही है जा रही है।

अब यह है तैयारी- सिल्कयारा सुरंग

सुरंग में पानी का रिसाव चिंता बढ़ा रहा

बचाव अभियान पर अतिरिक्त सचिव तकनीकी, सड़क और परिवहन महमूद अहमद ने कहा कि- हमें उम्मीद है कि अगले दो दिन बाद से यानी 28 नवंबर से इसकी ड्रिलिंग शुरू होगी। यह एक लंबी प्रक्रिया है, हमारे पास 15 दिनों का लक्ष्य है, हम एक ड्रिफ्ट टनल भी बनाना चाहते हैं, डिजाइन बना लिया गया है और मंजूरी दे दी गई है। >>शेष पृष्ठ 2 पर

तेलंगाना में बोले मोदी- बीआरएस और कांग्रेस एक-दूसरे की कार्बन कॉपी

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तेलंगाना के तुरपान में एक जनसभा के दौरान कहा- छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान, तीनों राज्यों में मतदान हो चुका है और मैंने तीनों राज्यों में देखा है कि इंडिया गठबंधन साफ हो जाएगा। वहां की महिलाएं, वहां के किसान, वहां के जवान कांग्रेस पार्टी को जड़ों से उखाड़ फेंकने वाले हैं। कांग्रेस और बीआरएस दोनों की पहचान भ्रष्टाचार, परिवारवाद, तुष्टीकरण और खराब कानून व्यवस्था से है। ये दोनों पार्टियां एक–दूसरे की कार्बन कॉपी हैं।

राहुल ने कहा- मोदी के दो यार ओवेसी और केसीआर

एंडोला, (एजेंसियां)। उधर तेलंगाना के एंडोला में एक चुनावी रैली में राहुल गांधी ने अपने संबोधन में सत्तारूढ़ दल बीआरएस और भाजपा को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि मोदी के दो यार हैं ओवसी और केसीआर। रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, राज्य के आठ हजार किसानों ने आत्महत्या क्यों की। आपके राज्य के विधायक ही दलित बंधु योजना में कटौती कर रहे हैं। भारत में सबसे भ्रष्ट सरकार तेलंगाना राज्य में ही है। मुझे बताते हुए दुख हो रहा है कि इसका खामियाजा सिर्फ तेलंगाना के लोगों को ही झेलना पड़ा।

अध्ययन — मांसाहरी भोजन से पर्यावरण–स्वास्थ्य को हानि

यूएस समेत दुनिया भर में शाकाहारियों की संख्या बढ़ी

नई दिल्ली। एक तरफ जहां केवल 12 फीसदी अमेरिकी (50 से 65 आयु के) ही देश में हर दिन खाए जाने वाले कुल बीफ का आधा हिस्सा खा जाते हैं, वहीं अमेरिका सहित दुनियाभर के देशों के युवाओं का रुझान शाकाहार की ओर बढ़ रहा है। यह बात एक अध्ययन में सामने आई है। बीफ और मांसाहार पर्यावरण के साथ सेहत के लिए भी नुकसानदेह है।

जर्नल न्यूट्रिएंट्स में प्रकाशित अध्ययन में सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के राष्ट्रीय स्वास्थ्य और पोषण परीक्षा सर्वेक्षण के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इसके अंतर्गत 24 घंटे के दौरान 10 हजार से अधिक वयस्कों के आहार पर नजर रखी गई। शोधकर्ताओं का कहना है कि नवीनतम आहार दिशानिर्देशों के अनुसार हर दिन यह मात्रा चार औंस होनी चाहिए। हर दिन 2,200 कैलोरी का सेवन करने का मतलब, मांस, मुर्गी और अंडे का एक साथ सेवन करना है। 29 वर्ष से कम और 66 वर्ष से अधिक आयु वालों के बड़ी मात्रा में बीफ खाने की संभावना कम थी। इससे

पता चलता है कि युवा पीढ़ी और बुजुर्ग जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में अपर्यावरण को भी खतरा अध्ययन के मुताबिक, ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के लिए बीफ उद्योग सबसे अधिक जिम्मेदार है। यह चिकन की तुलना में आठ से 10 गुना अधिक उत्सर्जन करता है और बीन्स की तुलना में 50 गुना अधिक उत्सर्जन करता है। दुनियाभर की खाद्य प्रणाली हर साल 17 अरब टन ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन करती है।

स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं मांसाहार

अध्ययनकर्ताओं ने पर्यावरण पर इसके असर को देखते हुए मवेशियों के मांस पर गौर किया। इसमें पाई जाने वाली संतृप्त वसा की मात्रा अधिक होती है। यह वसा मानव स्वास्थ्य के लिए अच्छी नहीं है। प्रमुख शोधकर्ता रोज ने कहा कि हम सभी शोधकर्ता इस बात से आश्चर्यचकित थे कि मवेशियों के मांस की इतनी अधिक खपत के लिए कुछ प्रतिशत लोग ही जिम्मेदार हैं।

चीन चिंता का विषय पर वहां भी बदलाव

शोधकर्ताओं के अनुसार, नाना प्रकार के जानवरों का मांस खाने के लिए चीन कुख्यात रहा है, लेकिन गोमांस, सूअर का मांस, भेड़–बकरी और मुर्गी पालन के लिए दुनिया का सबसे बड़ा बाजार लगातार मांस के प्रति सतर्क हो रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने के कारण चीनी युवा शाकाहारी भोजन अपना रहे हैं। इस वजह से दुनिया की दूसरी सबसे अधिक आबादी वाले देश में शाकाहारी रेस्तरां तेजी से बढ़ रहे हैं। सिर्फ शंघाई में जहां 2012 में 49 शाकाहारी रेस्टोरेंट थे वे 2021 में बढ़कर 150 से अधिक हो गए।

डाक पंजीयन क्रमांक एसएसपी जबलपुर/04/2020-2022
www.deshbandhu-mp.com

देश-विदेश

लद्दाख में होगी दक्षिण-पूर्व एशिया की पहली नाइट स्काई सेंचुरी

नई दिल्ली। लद्दाख में शीघ्र ही दक्षिण पूर्व एशिया का पहला नाइट स्काई सेंचुरी (अभयारण्य) होगा। अभयारण्य की स्थापना भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान बेंगलुरु के सहयोग से की जा रही है। यह भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से संबद्ध है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा है कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय और वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की ओर से, हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हानले में नाइट स्काई रिजर्व का उद्घाटन करने का अनुरोध करेंगे।

निसार मिशन पर बड़ी खुशखबरी देगा इसरो

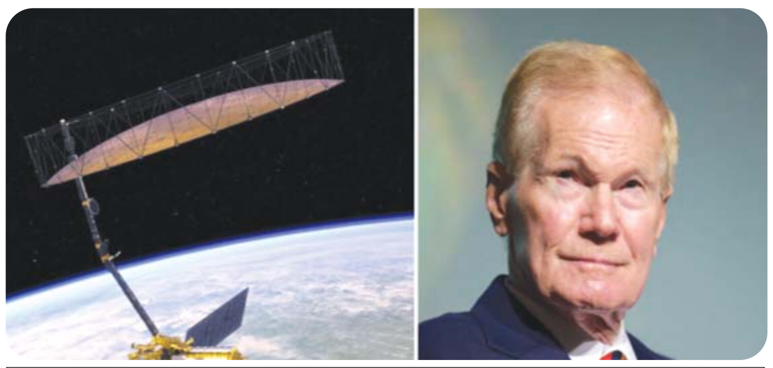

भारत दौरे पर आ रहे नासा प्रमुख

नई ल्ली। भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो जल्द ही निसार मिशन को लेकर बड़ी खुशखबरी दे सकता है क्योंकि नासा प्रमुख बिल नेल्सन भारत की यात्रा करने वाले हैं। निसार मिशन को नासा और इसरो मिलकर 2024 में लॉन्च करने वाले है।

नासा ने आधिकारिक बयान में कहा कि बिल नेल्सन अंतरिक्ष मिशन को लेकर जरूरी बातों के लिए सोमवार को भारत का दौरा करेंगे। नेल्सन के भारत के अलावा संयुक्त अरब अमीरात की भी यात्रा प्रस्तावित है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने एक विज्ञप्ति में कहा कि नेल्सन अंतरिक्ष अनुसंधान से संबंधित क्षेत्रों, विशेष रूप से इसरो के साथ 2024 में लॉन्च होने वाले मिशन को लेकर भारत का दौरा करने वाले हैं। नासा ने अपने बयान में इसरो के साथ पृथ्वी विज्ञान में द्विपक्षीय सहयोग को और गहरा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई है।

नेल्सन भारत दौरे में अंतरिक्ष अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे। नेल्सन की भारत यात्रा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के उस बयान के बाद हो रही है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका और भारत अंतरिक्ष में लंबी उड़ान भरने को तैयार हैं। नेल्सन बेंगलुरु स्थित इसरो के प्रमुख सेंटर समेत कई स्थानों का दौरा करेंगे। इसमें निसार मिशन भी शामिल है।

नेल्सन भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिकों से निसार मिशन को लेकर अहम जानकारियां भी साझा करेंगे। निसार पर दोनों एजेंसियों की तरफ से काम लगभग पूरा हो चुका है। बता दें कि भारतीय एजेंसी इसरो और नासा 2024 में निसार मिशन लॉन्च करने वाले हैं। निसार नासा इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार का संक्षिप्त रूप है। नासा और इसरो के बीच 2024 के लिए निसार मिशन पर सहमति बनी है। इसका उद्देश्य धरती पर नजर रखना है। दोनों एजेंसियां एक ऐसे यान को अंतरिक्ष पर भेजेंगी जो धरती के क्लाइमेट पर नजर रखेगा। इस यान की मदद से जंगलों और वेट लैंड (दलदली जमीन) पर भी नजर रखी जा सकेगी। इसके अलावा मिशन की मदद से प्राकृतक खतरों, भूजल, जलवायु परिवर्तन और कृषि समेत कई विषयों पर विस्तृत अध्ययन किया जा सकेगा।

हमास ने बंधकों का दूसरा जत्था किया रिहा, 13 इजराइलियों समेत 17 लोग गाजा से हुए आजाद

तेलअवीव। इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध के 50 दिन हो चुके हैं। इस संघर्ष में अब तक 12 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। पहले तो गाजा पट्टी में युद्धविराम के दूसरे दिन बंधकों की रिहाई को लेकर देर रात तक असमंजस की स्थिति रही।

लेकिन उससे बाद हमास ने बंधकों के दूसरे बैच की रिहाई की। बंधकों की रिहाई में देरी के कुछ देर बाद इजराइल ने कहा कि 13 इजराइली बंधकों और चार विदेशियों को रिहा कर दिया गया है। यानी कुल 17 लोगों को हमास ने रिहा किया है। इजराइली सेना (आईडीएफ) ने कहा कि गाजा में हमास की कैद से रिहा हुए 13 इजराइली और चार थाई बंधक इजराइल पहुंच गए हैं। इजराइली सेना ने कहा है कि, प्रारंभिक चिकित्सा मूल्यांकन से गुजरने के बाद, जब वे इजराइली अस्पतालों में जाएंगे तो आईडीएफ सैनिक उनके साथ रहेंगे, जहां वे अपने परिवारों के साथ फिर से मिलेंगे।

इजराइली सरकार ने कहा कि गाजा में हमास से छह महिलाएं और सात बच्चों और किशोरों को रिहा किया गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, इजराइल सरकार उन 17 बंधकों का स्वागत करती है, जो आज इजराइल लौट रहे हैं, हमारे 13 नागरिक और चार थाई नागरिक, जो इजराइली क्षेत्र के रास्ते में हैं। उनके परिवारों को जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा सूचित किया गया है कि वे अपने देश आ रहे हैं।

सीजफायर के बीच वेस्ट बैंक में इजरायली सेना ने 6 फिलिस्तीनियों को मार डाला- रिपोर्ट

तेलअवीव। इजरायल और हमास आतंकियों के बीच गुरुवार 23 नवंबर सुबह 10 बजे से सीजफायर चल रहा है। इस बीच हमास ने शर्त के मुताबिक, 42 बंधकों को इजरायल के पास सौंप दिया है। जवाब में इजरायल ने भी करीब 39 फिलिस्तीनियों को हमास के हवाले किया है।

इस बीच रिपोर्ट सामने आई है कि शनिवार देर रात और रविवार तड़के इजरायली रक्षा बलों ने वेस्ट बैंक में एक हमले के दौरान 6 फिलिस्तीनी नागरिकों को मार डाला है। हमास द्वारा संचालित गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसे सीजफायर का उल्लंघन करार दिया है।

फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, शनिवार देर रात और रविवार तड़के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इज़रायली बलों द्वारा एक नाबालिग सहित छह फ़िलिस्तीनियों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हमले में 6 मे से पांच मौतें जेनिन शहर में हुईं और छठी मौत नब्लस शहर के पास एक गांव यत्मा में हुई। मंत्रालय ने कहा कि जेनिन में गोलीबारी के दौरान छह अन्य घायल हो गए।

जवाब में इजरायली सैन्य प्रवक्ता के कार्यालय ने कहा कि वह रिपोर्टों की जांच कर रहा है। आधिकारिक फिलिस्तीनी समाचार एजेंसी ने कहा कि इजरायली सेना ने कई दिशाओं से जेनिन पर हमला किया, गोलियां चलाईं और सरकारी अस्पतालों और रेड क्रिसेंट सोसाइटी के मुख्यालय को घेर लिया था।

सीजफायर के बीच हमास ने दिखाई थी अकड़- हमास और इजरायली सेना आईडीएफ के बीच सीजफायर के दौरान शनिवार को मुश्किल तब हो गई जब हमास दूसरे राउंड में बंधकों को रिहा करने पर आनाकानी करने लगा। हमास ने इजरायल पर समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाया और बंधकों की रिहाई के बदले नई शर्त थोप दी। हालांकि इजरायल की चेतावनी के बाद शनिवार देर रात हमास ने 17 बंधकों की रिहाई की।

आतंकियों ने पकड़े इजरायली 'जासूस', हत्या के बाद शवों को भीड़ ने रौंदा

तेलअवीव। इजरायल और गाजा के बीच चार दिन के युद्धविराम के बीच भी हमले की कई खबरें सामने आ रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वेस्ट बैंक में शनिवार को एक शरणार्थी शिविर में फिलिस्तीनी आतंकियों ने दो लोगों को मार डाला।

उनका आरोप था कि दोनों इजरायल के जासूस थे। दोनों को मारने के बाद भी भीड़ ने शवों के साथ हैवानियत की। शवों को भीड़ ने पैरों तले रौंदा और इसके बाद रस्सी से बांधकर घसीटा। इस सबके बाद दोनों के शवों को बिजली के खंभे से लटका दिया गया। वेस्ट बैंक के एक स्थानीय उग्रवादी संगठन का कहना था कि ये दोनों इजरायली सेना के लिए जासूसी का काम करते थे। फिलिस्तीनी अधिकारियों के मुताबिक वेस्ट बैंक के शरणार्थी शिविर में छापे के बाद तीन आतंकी मारे गए थे। वहीं जिन दो को आतंकियों ने मारा है उनकी पहचान 31 साल के हमजा मुबारक और 29 साल के आजम जौब्रा के रूप में हुई है। आतंकियों की हैवानियत के कई वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल होने लगे। इन दोनों को घेरकर भीड़ गालियां दे रही थी। वहीं एक वीडियो में उनमें से एक ने माना भी कि वह इजरायल की सेना के लिए काम कर चुका है।

इजरायल के एक न्यूज चैनल ने कहा कि वेस्ट बैंक के उग्रवादियों ने चेतावनी दी है कि किसी भी जासूस या फिर धोखेबाज पर दया नहीं दिखाई जाएगी और अगर कोई उसके लड़ाकों की मौत का जिम्मेदार पाया जाता है तो उसे भी मौत की सजा दी जाएगी। इस घटना को लेकर आईडीएफ और हमास की तरफ से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। बता दें कि युद्धविराम के दौरान एक तरफ हमास ने कई बंधकों को रिहा किया है तो वहीं इजरायल ने भी फिलिस्तीनी कैदियों को छोड़ा है। हमास ने 13 इजरायलियों और चार अन्य देश के बंधकों को रिहा किया।

वहीं इजरायल ने भी 39 फिलिस्तीनियों को छोड़ा। इसमें 6 महिलाएं और 33 बच्चे शामिल थे।

पाक सेना ने 'देशद्रोह भड़काने' के लिए सेवानिवृत्त अधिकारियों आदिल राजा, हैदर रज़ा को सज़ा सुनाई

रावलपिंडी, (आईएएनएस)। पाकिस्तानी सेना के दो सेवानिवृत्त अधिकारियों को सेना अधिनियम के तहत देशद्रोह भड़काने और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए दोषी ठहराया गया है और सजा सुनाई गई है।

इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) द्वारा जारी एक बयान में यह बात कही गई है। सेना के मीडिया विंग ने कहा, मेजर (सेवानिवृत्त) आदिल फारूक राजा और कैप्टन (सेवानिवृत्त) हैदर रजा मेहदी, दोनों पाकिस्तानी सेना के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं। उन्हें फील्ड जनरल कोर्ट मार्शल (एफजीसीएम) के माध्यम से दोषी ठहराया गया और सजा सुनाई गई।

सेवानिवृत्त अधिकारियों को पाकिस्तान सेना अधिनियम, 1952 के तहत, कर्तव्यों के निर्वहन से सेना के कर्मियों के बीच राजद्रोह भड़काने और जासूसी से संबंधित आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, 1923 के प्रावधानों के उल्लंघन और राज्य की सुरक्षा और हित के प्रतिकूल कृत्यों के आरोप में सजा सुनाई गई है। बयान में कहा गया है कि सक्षम क्षेत्राधिकार की अदालत ने उचित न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से 7 अक्टूबर और 9 अक्टूबर 2023 को दोनों व्यक्तियों को क्रमश: दोषी ठहराया और फैसला सुनाया। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, मेजर (सेवानिवृत्त) राजा को 14 साल की सश्रम कारावास की सजा दी गई है, जबकि कैप्टन (सेवानिवृत्त) मेहदी को 12 साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई है। आईएसपीआर ने कहा, सजा के अनुसार, 21 नवंबर, 2023 को दोनों अधिकारियों की रैंक जब्त कर ली गई है। कोर्ट-मार्शल किए गए दोनों पूर्व सैनिक इस समय पाकिस्तान से बाहर हैं।

वरिष्ठ पत्रकार मजहर अब्बास ने कहा कि दोनों दोषी अधिकारियों के बारे में सोशल मीडिया के जरिए जनता को बताया गया। अब्बास ने कहा, यदि आप उनके वीलॉग देखें, तो उन्होंने पाकिस्तानी सेना के बारे में बात की, और विशेष रूप से 9 मई के बाद के वीलॉग में प्रतिष्ठान को निशाना बनाया। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि यह उन लोगों के मुकदमे की शुरुआत है जिन्हें 9 मई के बाद सैन्य अदालतों में दोषी ठहराया गया था।

हमास से लड़ने के लिए वापस लौटेगा इजरायलः आईडीएफ

तेल अवीव, (आईएएनएस)। इजरायली सेना के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल हरजी हलेवी ने सैनिकों को लिखे एक लंबे पत्र में

कहा कि गाजा पट्टी में युद्धविराम समाप्त होने के बाद सेना दृढ़ संकल्प के साथ हमास से लड़ने के लिए वापस लौटेगी। आईडीएफ और सैनिक अपने मूल्यों को कायम रखते हुए हमारे लोगों के जीवन की रक्षा के लिए लड़ते हैं। हमने लड़ाई में इस ठहराव के दौरान बंधक बच्चों और माताओं के पहले समूह की रिहाई की रूपरेखा के लिए स्थितियां बनाईं। टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के हवाले से उन्होंने कहा, जब रूपरेखा पूरी हो जाएगी, तो हम बंधकों की निरंतर रिहाई और हमास के पूर्ण विनाश के लिए दृढ़ संकल्प के साथ अपने अभियानों में लौट आएंगे। हलेवी ने कहा, मैं आपमें से कई लोगों से जटिल चुनौतियों का सामना करते हुए, ऊपर और नीचे दोनों जगह लंबे समय तक लड़ने के बाद मिला। प्रत्येक मुठभेड़ में, मैंने आपकी आंखों में उस क्षण की भयावहता, लड़ने की भावना और युद्ध के सभी उद्देश्यों को प्राप्त करने का दृढ़ संकल्प देखा। मैंने सुना है आपने मुझसे कहा था हम तब तक लड़ना चाहते हैं जब तक हम बंधकों को वापस नहीं पा लेते, और इसलिए हम बस यही कर रहे हैं!

ब्रिक्स के सदस्य देश इजरायल के खिलाफ हैं, लेकिन भारत अपने रुख पर कायम है

नई दिल्ली, (आईएएनएस)। ऐसा प्रतीत होता है कि इजरायल-हमास युद्ध पर ब्रिक्स समूह के रुख में भारत अल्पमत के रूप में उभरा है और दक्षिण अफ्रीका समूह के अध्यक्ष के तौर पर इजरायल पर जोरदार हमले की अगुवाई कर रहा है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने वाले दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने मंगलवार को कहा कि इजरायल द्वारा बल के गैरकानूनी उपयोग के माध्यम से फिलिस्तीनी नागरिकों की सामूहिक सजा एक युद्ध अपराध है। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति ने कहा, गाजा के निवासियों को जानबूझकर दवा, ईंधन, भोजन और पानी देने से इनकार करना नरसंहार के समान है।

दक्षिण अफ्रीका ने भी इज़रायल को अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय में घसीटा है जबकि देश की संसद ने इजरायली दूतावास को बंद करने के लिए मतदान किया है। इजरायल ने अपनी ओर से दक्षिण अफ़्रीका से अपने राजदूत को वापस बुला लिया है। चीन, रूस और ब्राज़ील ने भी इज़रायल की आलोचना की, हालाँकि वे दक्षिण अफ़्रीका जितनी दृढ़ता से सामने नहीं आए। भारत एकमात्र ऐसा देश है जो किसी पक्ष की तरफदारी किये बिना आतंकवाद की निंदा करने के अपने संतुलित रुख पर अड़ा रहा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिक्स 'असाधारण बैठक' में शामिल नहीं हुए और उनकी ओर से विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भाग लिया, जो शायद एक संकेत था कि भारत इस मुद्दे पर अपनी ही नीति पर कायम रहेगा। भारत ने पहले गाजा में मानवीय संघर्ष विराम के आह्वान वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव से यह तर्क देते हुए परहेज किया था कि टेक्स्ट में हमास की निंदा नहीं की गई है।

सम्मेलन में अपने भाषण में, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने संघर्ष विराम का आह्वान किया और गाजा में लोगों को इजरायल द्वारा सामूहिक दंड देने की बात कहकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को युद्ध को फैलने से रोकने के लिए कदम उठाने चाहिए। चीन ने पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उस प्रस्ताव पर वीटो कर दिया था जिसमें कहा गया था कि इजराइल को अपनी रक्षा करने का अधिकार है।

In The Court Of IX Civil Judge Class-I, District Court, Jabalpur
Presiding Officer:
मनीष कुमार सिंह
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(EXA /0000070/2022)
अमित कुमार जैन...वादी
Vs
दीपक विश्वकर्मा...प्रतिवादी
Process Id-/ 2023
पेशी दि.:-12/12/2023
प्रेषिती-
(1) दीपक विश्वकर्मा पिता स्व. सुरेश कुमार विश्वकर्मा पता-केअर आफ मानिक विश्वकर्मा म.नं. 1452 विनोबा नगर गुजराती मोहल्ला दुर्गा मंदिर के पास अधारताल जिला जबलपुर म.प्र.

यह कि प्रार्थी अमित कुमार जैन ने आपके विरूद्ध निष्पादन आवेदन पत्र वास्ते व्यवहार वाद में पारित निर्णय डिक्री के निष्पादन बावद के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें यह आज तारीख 09 अक्टूबर 2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
न्यायालय की मुद्रा
टिप्पणी - प्रकाशन हेतु नोटिस के साथ निष्पादन आवेदन पत्र वास्ते व्यवहार वाद में पारित निर्णय डिक्री के निष्पादन बावद की छायाप्रति संलग्न है।
कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।
(मनीष कुमार सिंह)
नवम् व्यवहार न्यायाधीश (वरिष्ठ खण्ड)
जबलपुर (म.प्र.)
र.नं. 1649

In The Court of XXI Civil Judge Class-II, District Court, Jabalpur
Presiding Officer:
फरहान मसूद कुरैशी
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS A/0001125/2023)
दुर्गेश चक्रवर्ती.....वादी
Vs
आम जनता.....प्रतिवादी
Process Id- /2023
पेशी दि.:-21/12/2023
प्रेषिती-
(1) आम जनता पता - आम जनता

यह कि प्रार्थी दुर्गेश चक्रवर्ती ने आपके विरुद्ध सिविल सूट ए दावा वास्ते घोषणा मूल्यांकन के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रुप में निर्भर करते हैं तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। आज तारीख 24 नवंबर 2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
न्यायालय की मुद्रा
टिप्पणी - प्रकाशन एवं उपस्थिति हेतु नोटिस के साथ दावा वास्ते घोषणा मूल्यांकन एवं अन्य दस्तावेजों की छायाप्रति संलग्न।
कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।
(फरहान एम. कुरैशी)
21वें व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड
जबलपुर (म.प्र.)
र.नं. 1645

चीन में फैल रही नई बीमारी से भारत भी अलर्ट, हरकत में आया स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली। चीन में निमोनिया के बढ़ते मामलों ने भारत में भी चिंता बढ़ा दी है। इसके मद्देनजर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र और अस्पताल की तैयारियों के उपायों की तुरंत समीक्षा करने की सलाह दी है।

सभी राज्यों को निर्देश जारी

स्वास्थ्य मंत्रालय हालात पर करीबी नजर रख रहा है, जिससे संकेत मिलता है कि किसी भी तरह की चिंता बढ़ाने की जरूरत नहीं है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को कोविड-19 के संदर्भ में संशोधित निगरानी रणनीति के लिए परिचालन दिशानिर्देश लागू करने के लिए कहा गया है। ऐसे में जिला एवं राज्य अधिकारी (इन्फ्लुएंजा जैसी बीमारी/गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमण) के मामलों पर नजर रखेंगे। ऐसा कहा जा रहा है कि सामान्य कारणों से सांस संबंधी बीमारी में खास तौर से इन्फ्लूएंजा, माइकोप्लाज्मा निमोनिया, जैसे कारणों से वृद्धि होती है।

कुछ मीडिया रिपोर्ट में उत्तरी चीन में बच्चों में श्वसन संबंधी बीमारियों के मामले सामने आने की जानकारी दी गई है। इसे लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार, चीन में पिछले कुछ सप्ताह से सांस लेने से संबंधी बीमारियों के मामले बढ़े हैं। उसने कहा, बच्चों में श्वसन संबंधी बीमारियों के सामान्य कारणों का पता लगाया गया है और किसी असामान्य रोगजनक या किसी अप्रत्याशित क्लीनिकल स्वरूप की कोई पहचान नहीं की गई है।

ड्रोन से भारत भेजा जा रहा मौत का सामान, बीएसफ और पंजाब पुलिस को मिली सफलता

बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स और पंजाब पुलिस ने मिलकर एक ड्रोन पकड़ा है। ड्रोन के साथ ही 5.2 किलो हेरोइन और इटालियन पिस्तौल बरामद की गई है। इस पिस्तौल में दो मैगजीन और साथही 20 कारतूस भी थे। बता दें कि भारत पाकिस्तान सीमा के पास ही अल्लाह बख्श गांव के पास सुरक्षाबलों ने ड्रोन की आवाज सुनी थी। इसी की बुनियाद पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। ड्रोन के जरिए ही ड्रग्स और हथियारों को ड्रॉप किया गया ता। बीएसएफ के प्रवक्ता ने कहा, शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात हमारे जवानों को संदिग्ध ड्रोन दिखाई दिया। इसके बाद अमृतसर के अल्लाह बख्श गांव के पास कुछ गिरने की आवाज आई। बीएसएफ के जवानों ने तुरंत तलाशी शुरू कर दी। उन्होंने कहा, बीएसएफ के जावनों ने जंगली इलाके में भी सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। तलाशी के दौरान उन्हें 1 बड़ा पैकेट मिला जो कि पीले रंग के पेट से लिपटा हुआ था। इसमें 5 छोटे-छोटे पैकेट थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

रेत माफिया.... इस मामले में थाना देवलोंद थाना में धारा 302, 379 भा.द.वि., धारा 4 / 21 खनिज अधिनियम एवं मोटर व्हीकल एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। उन्होंने बताया कि ट्रैक्टर चालक आरोपी शुभम विश्वकर्मा उम्र 22 वर्ष निवासी 22 वर्ष निवासी ग्राम कुंआ थाना रामनगर जिला मैहर को रविवार सुबह गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि ट्रैक्टर भी जप्त कर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि घटना स्थल शहडोल और मैहर जिले की सीमा पर स्थित है और घटना स्थल से मैहर की दूरी बमुश्किल 8 किलोमीटर है। पुलिस ने रविवार को दूसरे आरोपी ट्रैक्टर मालिक नारायण सिंह निवासी मैहर को भी गिरफ्तार कर लिया।

फंसे मजदूरों.... हम इन विभिन्न पक्षों पर काम कर रहे हैं, बड़कोट की ओर से ड्रिलिंग करने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है।बयान में ये भी कहा गया है कि हमने कल से 2-3 और विकल्पों पर काम करना शुरू कर दिया है। हमारे लिए 1-1.2 मीटर व्यास की वर्टिकल ड्रिलिंग करने के लिए कहा है। हमने उन स्थानों की पहचान की है जहां से बेहतर ड्रिलिंग हो सकती है। लगभग 15 मीटर की ड्रिलिंग हो चुकी है। हमने एक जगह की पहचान की है जहां से हमारा अनुमान है कि कुल 86 मीटर की ड्रिलिंग होनी है। यह अगले 2 दिनों में पूरी हो जाएगी। वैसे इस समय सुरंग के प्रवेश द्वार पर लगातार रिस रहे पानी ने भी सभी को चिंता को बढ़ा दिया है। ये अलग बात है कि रेस्क्यू टीम इसे एक सामान्य घटना मान रही है और इसे ज्यादा तवज्जो नहीं दे रही है। पहली प्राथमिकता उस ऑगर मशीन को काटने पर दी जा रही है जो सुरंग में ही फंस चुकी है। ये समझना जरूरी है कि इसी अमेरिकी मशीन ने टनल में काफी दूर तक ड्रिलिंग का काम पूरा किया है। लेकिन अब वो मशीन टनल में फंस चुकी है, लगातार आ रहे सरियों ने उसकी चुनौती को बढ़ा दिया है।

इसी वजह से अब तीन प्लान पर काम किया जा रहा है। पहले प्लान के तहत मैन्युल ड्रिलिंग की जाएगी। इसके जरिए ना सिर्फ मलबे को हटाया जाएगा, बल्कि ऑगर मशीन के उन हिस्सों को भी बाहर निकाला जाएगा जो अभी टनल में फंसे हुए हैं। प्लान बी वर्टिकल ड्रिलिंग को लेकर है जहां पर पहाड़ के ऊपर ही 82 मीटर की खुदाई की जाएगी। इस काम में भी एक मशीन का इस्तेमाल होगा जिसका प्लेटफॉर्म तैयार कर दिया गया है। तीसरे प्लान की बात करें तो रेस्क्यू टीम बड़कोट छोर से भी खुदाई कर रही है। वहां से ड्रिलिंग करने में 12 से 13 दिन लग सकते हैं।

मलबा गिरने की भी आशंका - वर्टिकल ड्रिलिंग के तहत पहाड़ में ऊपर से नीचे की तरफ बड़ा होल करके रास्ता बनाया जाएगा। हालांकि इसमें काफी खतरा है, क्योंकि खुदाई के दौरान बड़ी मात्रा में मलबा गिरने की आशंका है। ड्रिलिंग में कितना समय लगेगा, इस बारे में भी कुछ नहीं कहा गया है। टनल में फोन की लैंडलाइन भी डाली जाएगी। इससे मजदूर अपने परिवार से बात कर सकेंगे।

मैन्युअल ड्रिलिंग के लिए सेना को बुलाया- टनल में फंसे मजदूरों तक पहुंचने के लिए अमेरिकन ऑगर मशीन के जरिए खुदाई करके रेस्क्यू पाइप डाले जा रहे थे। शुक्रवार को मजदूरों की लोकेशन से महज 10 मीटर पहले मशीन की ब्लेड्स टूट गई थीं। इस वजह से रेस्क्यू रोकना पड़ा था। इसके बाद मशीन के बजाय मैन्युअल ड्रिलिंग कराने का फैसला किया गया। मैन्युअल ड्रिलिंग के लिए सेना को बुलाया गया है।

देश-प्रदेश

उवाच

न्याय को सर्वसुलभ बनाने की जरूरत

नईदिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश में सामान्य नागरिकों को न्याय मिलने में आज भी कई तरह की बाधाएं व्याप्त होने की चर्चा करते हुए कहा कि न्याय को सर्वसुलभ बनाना ही इसके उद्येश्यों को पूरा करने का बससे अच्छा तरीका है। श्रीमती मुर्मु ने देश में योग्यता के आधार पर न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए एक अखिल भारतीय न्यायिक सेवा पर विचार किए जाने का भी सुझाव दिया। राष्ट्रपति ने कहा, न्याय का उद्देश्य, इसे सभी के लिए सुलभ बनाकर सर्वोत्तम तरीके से पूरा किया जा सकता है। इससे समानता को भी बल मिलता है।

भाजपा नेताओं ने दिव्यांगजनों के साथ सुनी मोदी के मन की बात

प्रधानमंत्री आमजन के मन की बात करते हैं : शर्मा

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने रेडियो कार्यक्रम के जरिए आम जन के मन की बात करते हैं। इस कार्यक्रम में उन लोगों का जिक्र कर करते है जो बिना प्रसिद्धि के निस्वार्थ भाव से हमेशा देश और समाज के लिए काम करते है। इससे समाज सेवा के प्रति उनका जो जज्बा है उसे प्रोत्साहन मिलता है। श्री शर्मा सहित प्रदेश मीडिया सेंटर में पार्टी के अन्य नेताओं ने दिव्यांग बच्चों के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना।

इस अवसर पर श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री देश की जनता से जो भी आव्हान करते है उसे व्यापक समर्थन मिलता है। प्रधानमंत्री ने दीपावली पर देश वासियों से लोकल फॉर वॉकल खरीदारी का आव्हान किया था, इसके परिणाम यह रहें की दीपावली पर 4 लाख करोड़ से अधिक का लोकल व्यवसाय हुआ। साथ ही देश वासियों ने खरीदारी करते समय मेड इन इण्डिया की और भी विशेष ध्यान दिया। इस अवसर पर प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद व पूर्व मंत्री व विधायक अजय विश्नोई, प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेंद्र शर्मा और प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल सहित कई नेता उपस्थित थे। प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम के पश्चात प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानन्द ने पार्टी नेताओं के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए दिव्यांग बच्चों को गर्म वस्त्र भेंट किये। इस कार्यक्रम में दिव्यांग जनों के लिए इंटर प्रिटेटर उपस्थित थे, जिन्होंने साइन लैंग्वेज के माध्यम से दिव्यांग जनों को प्रधानमंत्री के उद्‌बोधन से अवगत कराया।

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार रमेश शर्मा, ब्रह्म कुमारी परिवार से अभिलाषा दीदी, सरिता दीदी, संगीता दीदी, जितेंद्र भाई, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी जुगल शर्मा, श्रीमती क्षमा त्रिपाठी, मीडिया पैनलिस्ट श्रीमती मंजरी जैन, श्रीमती वंदना मार्तण्ड त्रिपाठी, एड. गुंजन चौकसे, मीडिया विभाग सदस्य सत्येंद्र जैन, डॉ जगदीश चौहान, राजेंद्र दीक्षित, सुशील यादव, डॉ रूप सिंह किरार, अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेटर सोनू गोलकर, अनिमेष भार्गव, राजेश शुक्ला, कपिल भार्गव, भूपेश भार्गव, सत्यम मिश्रा, संतोष धाकड़ सहित दिव्यांग बच्चें उपस्थित थे।

वैदिक बटुकों ने किया वेद पाठ

सुबह सवा दस बजे से करीब एक सैकड़ा से अधिक दिव्यांगजनों की मौजूदगी में वैदिक बटुकों ने वेद पाठ किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मन की बात कार्यक्रम के प्रदेश प्रभारी व पार्टी के प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेंद्र शर्मा और प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री आशीष अग्रवाल ने दीप प्रज्जवलित कर किया। वैदिक बटुकों द्वारा किए गए वेदपाठ ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरा वातावरण आध्यात्मिक हो गया।

आध्यात्म से होती है मनुष्य के कल्याण की बात

कार्यक्रम से पहले अपने उद्‌बोधन में पार्टी के प्रदेश कार्यालय मंत्री और मन की बात कार्यक्रम के प्रदेश प्रभारी डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने कहा कि भौतिक नेत्रों की इतनी क्षमता नहीं कि वे भगवान और आध्यात्मिकता का पूरा दर्शन कर सकें। हर व्यक्ति जब मंदिर या धार्मिक स्थल जाता है तो वह आंखे बंद करके मन से ही भगवान के दर्शन करता है। यही आध्यात्मिक दर्शन है। उन्होंने कहा कि विज्ञान आज जहां तक पहुंचा है, पहुंच रहा है या पहुंचेगा, वह हमारे वेदों के आधार पर ही पहुंचा है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस विज्ञान का चमत्कार है, वह भी बिना वेदों के संभव नहीं है। मनुष्य के कल्याण की बात आध्यात्मिक शक्ति से ही संभव है।

कांग्रेस ने उम्मीदवारों और अभिकर्ताओं को बताईं मतगणना की बारीकियां, कमलनाथ ने कहा-

बिना किसी भय और दबाव के साथ काम करें

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश में हो रहे विधानसभा चुनाव की मतगणना 3 दिसंबर को होगी। मतगणना की बारीकियां से उम्मीदवार और अभिकर्ताओं को अनुभवी नेताओं ने अवगत कराया। प्रशिक्षण देने वाले नेताओं ने हर राउंड पर पूरी सक्रियता, शासकीय कर्मचारियों द्वारा चुनाव ड्यूटी के दौरान पोस्टल वोट के माध्यम के किए गए मतदान की गणना और मतगणना के दौरान आने वाली परेशानियों का सक्रियता, विधिक समस्याओं सहित अन्य मुद्दों पर 230 प्रत्याशियों एवं उनके मतगणना अभिकर्ताओं के साथ चर्चा की।

बैठक दो सत्र में हुई। प्रथम सत्र में रीवा, शहडोल, जबलपुर, ग्वालियर-चंबल संभाग और दूसरे सत्र में इंदौर उज्जैन, नर्मदापुरम, भोपाल और सागर संभाग के प्रत्याशियों की बैठक संपन्न हुई। प्रशिक्षण के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने बैठक में उपस्थित कांग्रेस प्रत्याशियों और अभिकर्ताओं से लाइव चर्चा करते हुए कहा कि मतगणना के समय बिना किसी भय और दबाव के साथ करें। कांग्रेस पार्टी के एक एक कार्यकर्ता ने पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य किया है। कांग्रेस की सरकार बनने पर प्रदेश की नई तस्वीर बनेगी। युवाओं में नई ऊर्जा का संचार होगा, महिलाओं को सम्मान मिलेगा, किसानों का उत्थान होगा और नई पीढ़ी का भविष्य उज्जवल होगा।

उन्होंने कहा कि मतगणना के दिन पूरी निर्भीकता के साथ काम करें, कोई भी समस्या आने पर कांग्रेस प्रत्याशी और चुनाव कार्य में लगे अधिकारियों को सूचित करें, ताकि कानूनी तरीके से उसका निराकरण हो सके। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं चुनाव आयोग कार्य प्रभारी जे.पी. धनोपिया ने मतगणना के दिन की गतिविधियों और चुनाव आयोग द्वारा प्राप्त दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए मतगणना कराए जाने के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि मतदान के दिन जो ईवीएम मशीन सील करके स्टॉग रूम में रखी गई, उसका पूरी तरह निरीक्षण करें, किसी प्रकार की कोई त्रुटि पाये जाने पर निर्वाचन अधिकारी से तुरंत सपर्क कर किसी भी प्रकार की अमानवीय घटना होने की जानकारी निर्वाचन अधिकारी को दें। मतगणना के दौरान मतगणना स्थल पर ले जाई जाने वाली सामग्री अवश्य ले जाये, मतगणना शुरू होते ही मतगणना के हर राउंड और एक-एक मतों पर अपनी पैनी नजर रखें। शासकीय कर्मचारियों द्वारा किए गए पोस्टल वोट की गणना पूरी सतर्कता से कराएं, किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति का प्रवेश इस दौरान वहां नहीं होने दिया जाए।

धनोपिया ने कहा कि मोबाइल एवं अन्य इंटरनेट से संबंधित उपकरण मतगणना स्थल पर ले जाना पूरी तरह से वर्जित है, यदि कोई व्यक्ति इसका पालन नहीं करता या अन्य पार्टी के लोगों द्वारा किसी प्रकार की अमानवीय, असामाजिक घटना को अंजाम दिया जाता है तो पूरी सतर्कता के साथ उसका विरोध करें, शीघ्र ही अपने प्रत्याशी और निर्वाचन अधिकारी को अवगत कराएं। इमरोज खान ने ईवीएम मशीन से संबंधित जानकारी से अवगत कराया। मप्र कांग्रेस विधि एवं मानव अधिकार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अभिभाषक शशांक शेखर ने प्रशिक्षण देते हुए मतगणना के दौरान आने वाली समस्याओं के दौरान कानूनी प्रक्रिया को लेकर विधिक जानकारी से अवगत कराया।

प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं बूथ प्रबंधन समिति के अध्यक्ष महेन्द्र जोशी ने प्रत्याशियों को सुझाव सांझा करते हुए कहा कि मतगणना के दिन काउंटिग एजेंट पूरी सतर्कता बरतें, समय के पूर्व काउंटिग के लिए अपने निर्धारित स्थान पर पहुंच जाएं और मतगणना शुरू होने के पूर्व पूरे संयम और सक्रियता से अपने कार्य को अंजाम दें।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने की वर्चुअल बैठक

मतगणना को लेकर दिए दिशा निर्देश

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में मतगणना के की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी भी अलर्ट है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और लोकसभा सांसद विष्णु दत्त शर्मा ने आज पार्टी प्रत्याशियों, संभाग प्रभारी, जिला अध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी और चुनाव संचालकों के साथ वर्चुअल बैठक की है।

इस दौरान पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानन्द शर्मा और चुनाव प्रबंधन और चुनाव आयोग संबधी कार्यों के राष्ट्रीय संयोजक ओम पाठक ने भी आवश्यक दिशानिर्देश दिए। पार्टी के प्रदेश कार्यालय से हुई इस बैठक में पार्टी के प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल और प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल समेत पार्टी के निर्वाचन आयोग, समन्वय विभाग के प्रदेश संयोजक एस एस उप्पल, विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक मनोज द्विवेदी, सह संयोजक अशोक विश्वकर्मा और अभय प्रताप सिंह मौजूद थे।

संवैधानिक अधिकारों को कुचल रहे भाजपा-आरएसएस

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने संविधान को भारतीय लोकतंत्र की जीवन रेखा बताते हुए कहा है कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश की जनता के संवैधानिक अधिकारों को कुचल रहे हैं। श्री खडगे ने संविधान दिवस पर आज अपने संदेश में कहा भारत का संविधान हमारे लोकतंत्र की जीवन रेखा है। हम 74वें संविधान दिवस को मनाते हुए इसके निर्माताओं के कृतज्ञ हैं और उनके प्रति अत्यंत श्रद्धा से सर नवाते हैं - क्योंकि उन्होंने हमारे संविधान में प्रत्येक भारतीय के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक अधिकारों की गारंटी दी है।

शिवराज ने दी संविधान दिवस की शुभकामनाएं

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य की जनता को संविधान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए आज कहा कि हम सभी देश के सर्वांगीण विकास हेतु संविधान में वर्णित कर्तव्यों को पूर्ण निष्ठा से निभाने का संकल्प लें।

श्री चौहान ने एक्स पर पोस्ट किया, प्रत्येक भारतीय का अभिमान, लोकतंत्र का प्राण है। विश्व बंधुत्व की भावना से दीप्त, भारत का संविधान है। संविधान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि इस पावन अवसर पर हम सभी संवैधानिक मूल्यों व अधिकारों से परिचित हों और देश के सर्वांगीण विकास हेतु संविधान में वर्णित कर्तव्यों को पूर्ण निष्ठा से निभाने का संकल्प लें।

पैरा गेम्स के लिए लोगो, मस्कट और जर्सी लॉच

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने रविवार को पैरा खेलों का पहला एडिशन, लोगो, मस्कट और जर्सी लॉच करते हुए कहा कि 11 दिसंबर को खेलो इंडिया का उद्घाटन होगा। 10 से 17 दिसंबर तक राजधानी दिल्ली के तीन स्टेडियमों, आईजी स्टेडियम, तुगलकाबाद में शूटिंग रेंज और जेएलएन स्टेडियम में सात स्पर्धाओं में पैरा एथलीट प्रतिस्पर्धा करेंगे।

कांग्रेसजनों ने संविधान दिवस मनाया, जयंती पर हरिसिंह गौर को किया याद

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के सभागार में आज कांग्रेसजनों ने भारत गणराज्य के 77 वें संविधान दिवस पर और डॉ. हरिसिंह गौर की 153 वीं जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कांग्रेसजनों ने डॉ. हरिसिंह गौर और संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उनका पुण्य स्कमरण किया।

प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष प्रकाश जैन ने दोनों महान विभूतियों के जीवन पर संक्षिप्त प्रकाश डालते हुए बताया कि डॉ. हरिसिंह गौर ने उच्च शिक्षा प्राप्त कर वरिष्टर की उपाधी प्राप्त की। मप्र की प्रथम युनिवर्सिटी सागर में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के नाम से आज भी विख्यात है जहां देश-विदेश तक के विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा ग्रहण कर विश्व विद्यालय का नाम देश और विदेश में गौरवान्वित किया है।

प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता और कार्यक्रम समन्वयक आनंद तारण ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान की निर्माण किया। हम सभी भारत गणराज्य के संविधान का पालन करते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। भारत देश का संविधान विश्व में सर्वोपरि है। संविधान की मूल भावनाओं का हम सभी आदर और सम्मान करते हैं, जो हमें अपने जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारी लक्ष्मण सिंह, राजीव सिंह, जेपी धनोपिया, सै. साजिद अली, महेन्द्र जोशी, राजकुमार पटेल, गुरमीत सिंह मंगू, दीपचंद यादव, भूपेन्द्र गुप्ता, जितेन्द्र मिश्रा, राजकुमार सिंह, हीरालाल श्रीवास, मुजफ्फर अली, महक राणा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

केरल के माकपा नेता को मानहानि का नोटिस

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में केरल के मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नेता जैक सी थॉमस को मानहानि नोटिस दिया गया है।

वरिष्ठ पत्रकार एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व राष्ट्रीय बौद्धिक संयोजक डॉ. आर बालाशंकर ने गत 19 नवम्बर को एशियानेट टीवी न्यूज चैनल पर चर्चा के दौरान मोदी को 'नराधमन' के रूप में संदर्भित करने के लिए थॉमस को मानहानि का कानूनी नोटिस भेजा है। बालाशंकर ने अपने बयान में कहा कि थॉमस ने न केवल एक उच्च संवैधानिक हस्ती के खिलाफ अप्रिय टिप्पणी की, बल्कि अन्य सम्मानित पैनलिस्ट की ओर से ऐसी टिप्पणियों पर आपत्ति जताने पर भी उन्होंने उस बयान को दोहराना जारी रखा और समाचार एंकर के अनुरोध को भी नजरअंदाज कर दिया। ऑर्गेनाइजर वीकली के पूर्व संपादक बालाशंकर ने कहा कि बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगने में विफल रहने की स्थिति में उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्यवाही शुरू की जाएगी।

तेलंगाना में बीआरएस व कांग्रेस में गुप्त समझौता: शाह

नारायणपेट/तेलंगाना, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने रविवार को तेलंगाना में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति और विपक्षी कांग्रेस के बीच राज्य में दोनों पार्टियों के बीच अपने-अपने हितों की पूर्ति के लिए गुप्त समझौता करने का आरोप लगाया। शाह ने कहा कि मौजूदा चुनाव में, बीआरएस और कांग्रेस के बीच एक गुप्त समझौता हुआ है। कांग्रेस बीआरएस का समर्थन करेगी, जिससे के.चंद्रशेखर राव की मुख्यमंत्री के रूप में वापसी सुनिश्चित होगी। बदले में, बीआरएस लोकसभा चुनावों में कांग्रेस का समर्थन करेगी और पार्टी नेता राहुल गांधी को प्रधानमंत्री उम्मीदवार के रूप में बढ़ावा देगी। उन्होंने नारायणपेट जिले के मकथल में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के लिए डाला गया कोई भी वोट प्रभावी रूप से बीआरएस को फायदा पहुंचाएगा। यदि आप केसीआर को हटाना चाहते हैं, तो भाजपा को वोट दें। आपका वोट न केवल आपके विधायक को चुनता है, बल्कि तेलंगाना के भविष्य को भी आकार देता है। बीआरएस पर अपने 10 साल के शासन के दौरान भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाते हुए, शाह ने मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव द्वारा किए गए 100 बिस्तरों वाले अस्पताल की स्थापना, एक स्वीकृत डिग्री कॉलेज और बेरोजगारी भत्ते का वितरण जैसे वादों को पूरा करने पर सवाल उठाया। शाह ने घोषणा की कि अगर राज्य में हमारी पार्टी सत्ता में आती है तो हम एक पिछड़े वर्ग (नेता) को मुख्यमंत्री नियुक्त करेंगे, मडिगा के लिए लंबवत आरक्षण प्रदान करेंगे और महिलाओं को चार मुफ्त सिलेंडर देंगे। बीआरएस पर एमआईएम के प्रभाव में होने का आरोप लगाते हुए शाह ने एमआईएम चलाने वाले ओवैसियों के डर के कारण तेलंगाना मुक्ति दिवस का आयोजन नहीं करने के लिए मुख्यमंत्री की आलोचना की।

उन्होंने 17 सितंबर को आधिकारिक तौर पर मुक्ति दिवस मनाने, मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत धर्म-आधारित आरक्षण रद्द करने और 22 जनवरी को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सुविधा में राम मंदिर के लिए प्राण प्रतिष्ठा आयोजित करने का वादा किया। उन्होंने तेलंगाना में भाजपा के सत्ता में आने के बाद अयोध्या की मुफ्त यात्रा का भी वादा किया।

नेताओं ने फेसबुक और इंस्टाग्राम पर पिछले 1 माह में 4 करोड़ रुपये खर्च किए

- करप्शनाथ को बूस्ट करने 18 लाख खर्च किए
- भ्रष्टाचार पेज पर 90 हजार खर्च

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में प्रत्याशियों के खर्चे को लेकर चुनाव आयोग जानकारी एकत्रित कर रहा है। इस बीच, सोशल मीडिया के फेसबुक और इंस्टाग्राम पर पिछले एक माह के खर्च राशि का आंकड़ा सामने आया है।

प्रदेश के नेताओं ने दोनों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी पोस्ट को बूस्ट करने 17 अक्तूबर से 15 नवंबर के बीच 4 करोड़ 14 लाख 92 हजार 508 रुपये खर्च किए हैं। इसमें सबसे ज्यादा 62 लाख 62 हजार 897 रुपये की राशि मध्य प्रदेश कांग्रेस ने अपने पेज को बूस्ट करने पर खर्च की है। इसके बाद 50 लाख 72 हजार 350 रुपये की राशि एमपी के मन में मोदी पेज को बूस्ट करने में खर्च की गई। मध्य प्रदेश भाजपा ने अपने पेज को बूस्ट करने 35 लाख 4 हजार 367 रुपये खर्च किए हैं। शुरुआत में भाजपा सोशल मीडिया पर पैसा खर्च करने में आगे थी, लेकिन बाद में भाजपा को कांग्रेस ने पीछे छोड़ दिया।

वहीं, मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में कमलनाथ के खिलाफ बनाए करप्शनाथ पेज को बूस्ट करने के लिए 18 लाख 80 हजार 339 रुपए खर्च किए गए है। वहीं, आकाश विजयवर्गीय टीम नाम के पेज को बूस्ट करने के लिए 16 लाख 66 हजार रुपये, कैलाश विजयवर्गीय मित्र मंडल गांधी नगर इंदौर पेज पर 10 लाख 92 हजार रुपये, जबलपुर उत्तर से विधायक और कांग्रेस प्रत्याशी विनय सक्सेना पेज पर 6 लाख 47 हजार खर्च किए गए। वहीं, निलय डागा ने 3.26 लाख और वी सपोर्ट शिवराज सिंह चौहान पर 3.08 लाख रुपए खर्च किए गए। जबलपुर कैंट से कांग्रेस प्रत्याशी अभिषेक चौकसे ने 2.60 लाख रुपये खर्च किए। शुरुआती दौर में सोशल मीडिया कैंपेन में आगे चल रहे रतलाम से भाजपा प्रत्याशी चैतन्य कश्यप ने 2.38 लाख खर्च किए।

विदिशा से कांग्रेस प्रत्याशी शशांक भार्गव ने 1.70 लाख, भाजपा प्रत्याशी राकेश सिंह ने 1.26 लाख, तराना से कांग्रेस प्रत्याशी महेश परमार ने 1.14 लाख, पाटन से भाजपा प्रत्याशी अजय विश्नोई ने 1.10 लाख रुपये खर्च किए। कमलनाथ ने 1.19 लाख, छिंदवाड़ा से भाजपा प्रत्याशी विवेक साहू ने 1 लाख, घट्टिया से कांग्रेस प्रत्याशी सतीश मालवीय 96 हजार, सतना से भाजपा प्रत्याशी और सांसद गणेश सिंह ने 93 हजार रुपये खर्च किए।

भाजपा और कांग्रेस के अलावा शिवराज और मोदी के नाम पर भी कई पेज बनाए गए हैं। इसमें गोलू शुक्ला ने मोदी फॉर पीएम ऑर्गेनाइजेशन के लिए दो लाख रुपये खर्च किए हैं। वहीं, कांग्रेस मुक्त मध्य प्रदेश पेज पर 1.29 लाख, मध्य प्रदेश मांगे फिर से मोदी पेज पर 1.20 लाख और भाजपा संग मध्य प्रदेश पेज पर 1.18 लाख, मप्र चले मोदी के संग पेज 1.16 लाख, मप्र सीएम रिपोर्ट कार्ड पेज पर 1.54 लाख, मोदीमय मध्य प्रदेश पेज पर 1.55 लाख, भव्य मध्य प्रदेश पेज पर 1.40 लाख, मजबूत बनता मध्य प्रदेश पेज पर 1.39, मेरा मध्य प्रदेश पेज पर 96 हजार, घोटालापति पर 90 हजार, हिंदू विरोधी कांग्रेस पेज पर 90 हजार, शिवराज की लाडली बहना पर 84 हजार, मामा की लाडली पर 82 हजार खर्च किए। शिवराज के दीवाने पेज पर 83 हजार, महाकोशल चले मोदी के साथ पेज पर 82 हजार तो कांग्रेस ने खरगे फैन पेज पर 11 लाख, कमल नहीं कमलनाथ पेज पर 1.30 लाख रुपये, भ्रष्टासुर शिवराज पेज पर 90 हजार, शिवराज के पाप पेज पर 86 हजार रुपये खर्च किए गए।

चंडीगढ़ के बाहरी इलाके में एकत्रित हुए प्रदर्शनकारी

किसानों का दिल्ली जैसा आंदोलन शुरू

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब और हरियाणा के हजारों प्रदर्शनकारी किसान रविवार को अपनी मांगों को लेकर तीन दिवसीय विरोध प्रदर्शन के तहत दोनों राज्यों की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ के बाहरी इलाके में इकट्‌ठा होना शुरू कर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि वे लंबी यात्रा के लिए तैयार होकर आए हैं। उनमें से कई लोग अपने ट्रैक्टर-ट्रेलरों पर सब्जियां, आटे और दाल की बोरियां और खाना पकाने का तेल साथ लाए थे। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के तहत किसान यूनियनों ने किसानों के ऐतिहासिक 'दिल्ली चलो' आंदोलन की तीसरी वर्षगांठ और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी जैसी मांगों को पूरा न करने पर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। इस बार उसने चंडीगढ़ में पंजाब और हरियाणा के राजभवनों के सामने अपना विरोध दर्ज कराने के लिए 'चंडीगढ़ चलो' आंदोलन दिया है।

प्रदर्शनकारी किसान, जिनमें पुरुष और महिलाएं - युवा और बूढ़े दोनों - और ट्रैक्टर-ट्रेलर, कारों और मोटरसाइकिलों पर सवार स्कूल और कॉलेज के छात्र शामिल हैं, पंजाब में मोहाली और हरियाणा में पंचकुला की सीमाओं पर इकट्ठा हो रहे हैं। किसानों के चंडीगढ़ में जबरन प्रवेश को रोकने के लिए दोनों राज्यों और चंडीगढ़ की पुलिस को भारी संख्या में तैनात किया गया है और सीमाएं सील कर दी गई हैं। एसकेएम की समन्वय समिति के सदस्य दर्शन पाल ने मीडिया को बताया, कृषि संघ अपनी मांगें पूरी न होने पर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराने के लिए राजभवन की ओर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, अगर जरूरत पड़ी तो वे आंदोलन को अनिश्चितकाल तक बढ़ाएंगे।

जबलपुर, सोमवार 27 नवम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

सुरंग में जीवन, तो आस्मां में छवि की तलाश

ऐसे वक्त में जब उत्तरकाशी स्थित सिल्क्यारा की धसकी हुई सुरंग में 14 दिनों से 41 मजदूर फंसे पड़े हैं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गगन में लड़ाकू विमान में बैठकर उड़ान भर रहे हैं। पिछले करीब एक हफ्ते से लग रहा था कि अंधेरी सुरंग में मजदूर कभी भी बाहर आ सकते हैं, लेकिन हर गुजरता दिन बेनतीजा साबित हो रहा है। इन सबसे बेपरवाह मोदी के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। एक राज्य से निकलकर दूसरे राज्य में चुनावी रैलियों को सम्बोधित करते हुए राजस्थान में गुरुवार की शाम को प्रचार अभियान थमने के तुरन्त बाद मोदी मथुरा पहुंचे जहां उन्होंने ब्रज रज उत्सव के नाम से आयोजित मीरा जन्मोत्सव में हिस्सा लिया। फिर वे शुक्रवार की अलसुबह कृष्णजन्मभूमि में उस स्थान पर भगवा वस्त्र धारण कर पहुंचे जहां श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। शनिवार को सुरंग में बचाव अभियान इसलिये रुक गया क्योंकि ड्रिलिंग के दौरान ऑगर मशीन की ब्लेड सरियों से टकराकर टूट गई। अब मलबे को हाथ से हटाये जाने की तैयारी है और मजदूरों को बाहर का सूरज देखने के लिये अभी इंतज़ार करना पड़ सकता है।

यह विडंबना ही है कि बचाव अभियान की समीक्षा करने या मजदूरों की खोज-खबर लेने या फिर इस बाबत कोई बात करने की बजाये पीएम की वरीयता लड़ाकू विमान में बैठकर उड़ान भरने की है। वैसे मोदी नामक फिनोमिना में यह कोई आश्चर्यजनक बात नहीं रह गयी है क्योंकि देश उन्हें पिछले तकरीबन साढ़े नौ वर्षों से यही सब करता हुआ देख रहा है। उनके इस कार्यकाल में अनगिनत घटनाएं ऐसी हुई हैं जिनमें प्रधानमंत्री उन्हें नज़रंदाज़ कर या आवश्यक कार्रवाई न कर गैरज़रूरी काम करते हुए दिखे हैं। छोटी-मोटी घटनाओं को एक तरफ कर दें तो 20 जवानों को लील लेने वाले पुलवामा में सीआरपीएफ की टुकड़ी पर आतंकी हमला होने के बावजूद मोदी वन्य जीवन पर शूटिंग करने में व्यस्त थे। जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने कई बार उनसे बात करने की कोशिश की लेकिन वे संचार प्रणाली की पहुंच से बाहर थे। शाम को जब उनसे बात हुई भी तो मोदी ने उनसे चुप रहने के लिये कहा। मणिपुर में उन्हें जाने का कभी भी समय नहीं मिला जो हिंदू मैतेई एवं ईसाई कुकी सम्प्रदायों के परस्पर टकराव से जल रहा है। लगभग आठ महीनों में वहां अनेक हत्याएं हुई हैं। अब भी जारी हैं। हजारों मकान जल गये हैं, बड़ी तादाद में लोग शरणार्थी शिविरों में बसर कर रहे हैं। तो भी वहां जाना तो दूर की बात है, मोदी ने इस बाबत मुंह से तब तक एक शब्द भी नहीं निकाला जब तक कि सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को यह चेतावनी नहीं दे दी कि अगर वह कुछ नहीं करती तो शीर्ष न्यायालय ही कोई कदम उठायेगा।

जिन पांच राज्यों में चुनाव हो रहे हैं उनमें प्रचार के दौरान मोदी ने मुद्दों पर कम बात की और विरोधी दलों के नेताओं पर व्यक्तिगत हमले और उनकी छवि को धूमिल करने के ही अधिक प्रयास किये। मुख्य प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के शीर्ष नेताओं- सोनिया-राहुल-प्रियंका गांधी तथा अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर मोदी अपने खास सिपहसालार केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं स्टार प्रचारकों के साथ विशेष आक्रामक रहे हैं। उनकी छवि पर बड़े हमलों का कारण यह भी है कि मोदी की अपनी छवि लगातार दरक रही है। सिलसिलेवार प्रशासनिक असफलताओं के कारण अब उनकी योग्यता पर सवाल उठने लगे हैं। इनके चलते, प्रमुख प्रदेश राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़, जहां मतदान हो चुका है उन सभी में भाजपा की पराजयों के अनुमान व्यक्त किये जा रहे हैं। तीनों राज्यों में स्थानीय नेतृत्व को दरकिनार कर दिया गया है और चुनाव मोदी के चेहरे पर ही लड़ा गया है। ऐसे में आने वाले समय में मोदी की छवि के पूर्णतः ध्वस्त होने की भी पूरी सम्भावना बताई जा रही है।

इन तमाम परिस्थितियों में मोदी को अपनी छवि को दुरुस्त करने और नये सिरे से निखारने की ज़रूरत है। तेजस के कॉकपिट में बैठकर शून्य में मोदी न जाने किसे हाथ लहरा रहे हैं, लेकिन यह बात तो साफ़ है कि वे अपनी छवि को नयी ऊंचाइयां देने के लिये संघर्षरत हैं जिसे उन्हें अगले वर्ष के मध्य में होने जा रहे लोकसभा चुनावों तक संजोकर रखना होगा। ऐसा न होने पर चुनाव जीतने की बात तो दूर है, उनकी दावेदारी तक को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

इसलिये मोदी को क्रिकेट विश्व कप का अंतिम मुकाबला उन्हीं के नाम पर बने अहमदाबाद के स्टेडियम में कराना पड़ता है जबकि ऐसे आयोजनों के लिये मुम्बई का वानखेड़े या कोलकाता का ईडन गार्डन स्टेडियम अपनी ऐतिहासिकता और खेल सन्दर्भों के कारण कहीं अधिक मुफ़ीद माना जाता है। जैसा कि अब खुलासा हुआ है, विश्व कप जीतने पर ट्रॉफी के साथ मोदी की राजस्थान में भव्य यात्रा निकालने की योजना थी ताकि उसका सियासी लाभ लिया जा सके, लेकिन जिस जीत का श्रेय वे लेना चाहते थे, वह मुकाबला भारत हार गया और वे जनता से मिले नये नाम 'पनौती' को खुद पर चस्पां कर स्टेडियम से बाहर निकले। उनका गुस्सा निर्वाचन आयोग के जरिये राहुल को जारी नोटिस से निकला। बहरहाल, तेलंगाना को छोड़कर, जहां प्रचार मंगलवार को थम जायेगा, सभी जगहों पर (उपरोक्त के अलावा मिजोरम भी) मतदान हो गया है। इसके मद्देनज़र मोदी के पास एक और डबल इंजिन वाले राज्य उत्तराखंड की सुरंग में फंसी 41 ज़िंदगियों के लिये चिंता करने का समय नहीं है। उन्हें आकाश में उड़ान भरकर पहले अपनी छवि को गगनचुंबी बनाना है।

ये विधानसभा फैसला करेंगी कि 2024 किसका होगा

अब कांग्रेस के वापस इंडिया में समाहित होने का समय है। चार राज्यों के चुनाव हो गए हैं। पांचवे तेलंगाना का 30 नवंबर को हो जाएंगे। पांचों राज्यों में कांग्रेस मुख्य रोल में थी। भाजपा केवल तीन राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में थी। बाकी मिजोरम में भाजपा जो अभी सरकार में है वह खत्म हो गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जो सब जगह चुनाव में जाते हैं, स्थानीय निकायों तक के, वे मिजोरम गए ही नहीं। साढ़े 9 साल में यह पहला मौका है जब प्रधानमंत्री किसी राज्य के चुनाव में नहीं गए।

कारण बहुत स्पष्ट मणिपुर था जो करीब 7 महीने से गृह युद्ध की आग में जल रहा है। 200 के करीब लोग मारे जा चुके हैं। जिनमें सेना और सुरक्षा बल के लोग भी शामिल हैं। विपक्ष के नेता राहुल वहां हो आए हैं। मगर प्रधानमंत्री वहां गए ही नहीं। नाराजगी और गुस्सा सिर्फ वहां के लोगों में ही नहीं है मणिपुर के आसपास के इलाकों में भी है।

उसी मणिपुर से मिजोरम की सीमा लगी हुई है। भारी हिंसा के बाद लोग मणिपुर से पलायन करके मिजोरम पहुंचे थे। अभी भी हजारों लोग वहां शरणार्थी की तरह रह रहे हैं। प्रधानमंत्री के मणिपुर न जाने और हिंसा रोकने के कोई गंभीर प्रयास नहीं करने, राज्य सरकार जो पूरी तरह फेल हो गई है उसे बर्खास्त करके राष्ट्रपति शासन तक न लगाने से पड़ोसी मिजोरम में इतना आक्रोश है कि वहां के मुख्यमंत्री जोरमथांगा जो वहां भाजपा के साथ मिलकर सरकार चला रहे हैं, को यहां तक कहना पड़ा कि अगर प्रधानमंत्री मोदी आए तो वे उनके साथ मंच शेयर नहीं करेंगे। आज तक किसी प्रधानमंत्री के लिए यह नहीं कहा गया है।

मगर गोदी मीडिया यह नहीं चलाएगा। वह पूरी ताकत से हाई लाइट करेगा कि मोदी पहले प्रधानमंत्री हैं जो फाइटर प्लेन में उड़े। कुछ टीवी चैनलों ने तो यहां तक चलाया कि मोदी ने फाइटर प्लेन उड़ाया!

जनता को बिल्कुल ही बेवकूफ समझ रखा है। बिना सीखे तो कोई साइकल नहीं चला सकता। मगर मोदी जी ने फाइटर प्लेन उड़ाया! और दूसरी बात इनसे पहले कोई प्रधानमंत्री इसमें नहीं उड़ा! मतलब कोई और अगर उड़ना चाहता तो एयर फोर्स मना कर देती!

हद है! प्रधानमंत्री जैसे सर्वोच्च पद पर बैठे किसी व्यक्ति की क्या यह ख्वाहिश हो सकती है कि वह फाइटर प्लेन में घूमे? प्रधानमंत्री के लिए करने को बहुत काम होते हैं। केवल नेहरू पर दोष मढ़ने और जहाजों में घूमने का ही काम नहीं होता है। बल्कि यह भी देखने का होता है कि हमारे 41 मजदूर दो हफ्ते से ज्यादा समय से सुरंग में किस तरह फंसे हुए हैं।

जिस समय प्रधानमंत्री तेजस, जिसे बनाया भी कांग्रेस के समय ही गया था, में बैठने से पहले फोटो खिंचवा रहे थे उस समय उत्तराखंड से सबसे खराब खबर आ रही थी कि मजदूरों को निकालने वाली मशीन टूट गई है। जिस विदेशी मशीन से उम्मीद बंधी थी वह अब काम नहीं कर सकेगी।

मगर इन सबसे बेपरवाह प्रधानमंत्री अलग-अलग मुद्राओं में तेजस के साथ फोटो बनवा रहे थे और टीवी में इस तरह बता रहा था कि जैसे सिर्फ तेजस ही नहीं उसे बनाने वाली हिन्दुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) भी 2014 के बाद ही बनी है। कांग्रेस के समय में बनाए गए एचएएल का कोई जिक्र नहीं।

लगता है जैसे प्रधानमंत्री इन सब चीजों से बहुत ऊपर उठ गए हैं। मणिपुर की हिंसा पर कोई बयान नहीं। दिल्ली और एनसीआर में इतना जबर्दस्त वायु प्रदूषण फैल रहा है उस पर एक मीटिंग नहीं। यह दिल्ली और एनसीआर से आगे जाकर कई राज्यों में अपना असर दिखा रहा है क्या बिना केन्द्र सरकार के हस्तक्षेप के इस समस्या का कोई समाधान संभव है? मगर प्रधानमंत्री मौन! वैसे ही जैसे चीन की घुसपैठ पर हैं। वह तो अच्छा है मामला केन्द्र सरकार पर नहीं आ रहा। मीडिया पूरा दोष दिल्ली सरकार पर रख रहा है कि सारी की गलती है नहीं तो प्रधानमंत्री जो को चीन के मामले की तरह यहां भी यह कहना पड़ता कि कोई प्रदूषण नहीं है। न कोई जहरीली हवा आई है, न है।

और सबसे गजब तो जनता की तंद्रा है। वह साढ़े 9 साल से ऐसे सोई हुई है कि उसे किसी चीज से कोई फर्क ही नहीं पड़ रहा। नौकरी नहीं है, महंगाई दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। प्रधानमंत्री राजस्थान में जाकर कह रहे हैं कि 450 का सिलेंडर देंगे। अरे भाई जब वहां दे सकते हो तो पूरे देश में एक हजार से ऊपर का क्यों? सब जगह साढ़े चार सौ का दीजिए ना! मगर कोई पूछने वाला नहीं। प्रधानमंत्री के जो मन में आता है बोलते हैं और जो नहीं बोलना होता, जनता के मतलब की बात होती है वह नहीं बोलते। मंगलयान से मंगल ग्रह पर अपना फोटो पहुंचा देते हैं। और देश में ही मणिपुर, मिजोरम नहीं जाते।

यह पांच राज्यों के चुनाव इस बात का भी फैसला करेंगे कि क्या सरकार को यह मेरी मर्जी का एटिट्यूट जारी रहेगा या उन्हें जवाबदेह बनना होगा। जवाबदेह जनता के प्रति, मगर साथ में अपनी पार्टी के प्रति भी। अभी मोदी जी किसी के प्रति उत्तरदायी नहीं हैं। संसद के प्रति भी नहीं। वहां सदन में बैठते ही नहीं हैं। विपक्ष का तो रोज, नए-नए नाम झूठों का सरदार, घमंडिया और भी बहुत सारे रखकर, मजाक उड़ाते रहते हैं उसे जवाब देने का तो सवाल ही नहीं। जनता को हिन्दू-मुसलमान के नशे में ऐसा बेसुध कर रखा है कि वह अपने बच्चों का भविष्य तक भूल गई है और अपनी पार्टी भाजपा के नेताओं को तो उन्होंने इन विधानसभा चुनावों में बता ही दिया कि वे राज्यों के चुनाव भी बिना राज्यों के नेताओं को साथ लिए लड़ सकने का दम दिखा सकते हैं। अब परिणाम जो भी हो उन्होंने राजस्थान में वसुंधरा राजे को किनारे धकेल कर और मध्य प्रदेश में तो मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का नाम तक न लेकर यह चुनाव लड़ लिया।

अब अगर इन विधानसभा चुनावों में भाजपा जीत गई तो राज्यों से भाजपा का नेतृत्व पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। जैसे पहले महाराष्ट्र में फड़नवीस और हरियाणा में खट्टर को लाकर बिठा दिया वैसे ही वे राज्यों में किसी को मुख्यमंत्री बना देंगे। पार्टी में अभी भी है मगर फिर पूरी तरह मोदी मोदी ही हो जाएगा। जो कभी मध्य प्रदेश में शिवराज या राजस्थान में वसुंधरा नाम सुनने को मिलता था वह खत्म हो जाएगा। लेकिन अगर मोदी जी हार गए तो फिर 2024 उनके लिए बहुत मुश्किल हो जाएगा। अभी यह पांच राज्यों में कांग्रेस लड़ रही है। और अगर जीत गई तो वह इंडिया हो जाएगी। मतलब फिर 2024 के लिए वह विपक्षी एकता को वापस मजबूत करने में लग जाएगी।

2024 में मोदी से कोई विपक्षी पार्टी अकेले नहीं लड़ सकती। चाहे इन विधानसभाओं में मोदी जो हार राज्य में खुद ही लड़ रहे हैं हार भी जाएं। वह हार अब भी इतने मजबूत रहेंगे कि अकेले कांग्रेस या यूपी में सपा या बंगाल में तृणमूल या दिल्ली में केजरीवाल कोई सोचे कि वह हरा देगा तो आसान नहीं है। लेकिन अगर सब मिलकर इंडिया बन कर लड़े तो फिर मोदी जी के लिए 2024 आसान नहीं होगा।

शकील अख्तर

> अगर इन विधानसभा चुनावों में भाजपा जीत गई तो राज्यों से भाजपा का नेतृत्व पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। जैसे पहले महाराष्ट्र में फड़नवीस और हरियाणा में खट्टर को लाकर बिठा दिया वैसे ही वे राज्यों में किसी को मुख्यमंत्री बना देंगे। पार्टी में अभी भी है मगर फिर पूरी तरह मोदी मोदी ही हो जाएगा। जो कभी मध्य प्रदेश में शिवराज या राजस्थान में वसुंधरा नाम सुनने को मिलता था वह खत्म हो जाएगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

तेलंगाना में कांग्रेस आगे बढ़ी है, लेकिन बीआरएस के मुकाबले और मेहनत जरूरी

■ सुशील कुट्टी

बीआरएस को हराने के लिए लोग तैयार' जैसी सुर्खियां पूरी सच्चाई सामने नहीं लातीं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के खिलाफ मीडिया में एक कहानी चल रही है। यदि मीडिया की भविष्यवाणियों पर भरोसा किया जाये तो लगता है कि बीआरएस बुरी स्थिति में है। तेलंगाना के अंदर और बाहर से हर कोई भविष्यवाणी कर रहा है कि केसीआर जल्द ही पूर्व मुख्यमंत्री हो जायेंगे क्योंकि बीआरएस की सेहत ठीक नहीं है।

उदाहरण के लिए, तमिलनाडु भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई को तमिलनाडु में भाजपा को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, लेकिन, काफी अस्वाभाविक रूप से, वह तेलंगाना के लिए कह रहे हैं कि 'आइए बीआरएस को हराएं' क्योंकि केसीआर और उनकी पार्टी बीआरएस चुनाव लड़ने और जीतने के लिए 'ड्रग संस्कृति' और 'शराब संस्कृति' पर भरोसा कर रही है, जो न केवल एक मूर्खतापूर्ण दावा है बल्कि गलत साबित होने के लिए भी अभिशप्त है।

केसीआर की तेलंगाना सरकार की तुलना एमके स्टालिन की तमिलनाडु सरकार से करना एक और अन्नामलाई का अपमान था। पुलिस से नेता बने नेता ने कहा कि केसीआर और स्टालिन एक तरह के दो लोग हैं, जो अपने राज्यों को चलाने के लिए उत्पाद शुल्क आय पर निर्भर हैं। अन्नामलाई ने दावा किया कि तेलंगाना और तमिलनाडु में 80प्रतिशत से अधिक वयस्क पुरुष शराबी हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन अन्नामलाई के ऐसे बयानों के आदी हैं, लेकिन केसीआर के लिए यह अप्रत्याशित घटना थी। हां, चुनाव पुराने दुश्मनों को मजबूत करने के साथ-साथ नये दुश्मन भी बना देते हैं। केसीआर के पास इतने पुराने दुश्मन हैं कि उन्हें नये दुश्मन जोड़ने की चिंता नहीं है। केसीआर के पुराने दुश्मनों में कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी हैं।

कांग्रेस नेता और वायनाड से सांसद राहुल गांधी जन्मजात केसीआर-दुश्मन हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कभी भी केसीआर-मित्र नहीं रहे हैं। केसीआर का दुबला-पतला शरीर इन दो सज्जनों के फ्रेम में फिट नहीं बैठता है। केसीआर को राहुल-विरुद्धता के बारे में सभी जानते हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निर्देशित केसीआर की टिप्पणियों ने शीर्ष सुर्खियाँ बटोरी हैं।

ध्यान दें कि तेलंगाना और तमिलनाडु दोनों में वंशवाद है और अन्नामलाई तेलंगाना सरकार के कामकाज पर सवाल उठाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वंशवाद-तख्ते को लागू कर रहे हैं। भाजपा के लिए तेलंगाना में परिवारवाद चुनावी मुद्दा है। तेलंगाना को लक्ष्य करने वाले जनमत सर्वेक्षण लगातार भाजपा को खराब रेटिंग दे रहे हैं, लेकिन भाजपा की बात सुन रहे हैं और पार्टी इस कहावत पर जी रही है कि हर कुत्ते का दिन फिरता है।

'लोग बीआरएस सरकार को हराने के लिए तैयार हैं' अन्नामलाई बोल रहे थे। हर भाजपा नेता की तरह, अन्नामलाई भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करने के आदी हैं। और तेलंगाना में भाजपा के लिए भ्रष्टाचार एक और चुनावी मुद्दा है। लेकिन लोगों ने यह पूछना बंद कर दिया है कि केसीआर की बेटी के कविता को आप नेताओं के लिए ईडी-इलाज क्यों नहीं मिल रहा है? इसलिए जब अन्नामलाई कहते हैं, 'यदि आप भाजपा को आशीर्वाद दें, तो हम भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करेंगे', तो इस पर हंसना मुश्किल है।

फिर, अन्नामलाई के तेलंगाना समकक्ष, जी किशन रेड्डी हैं। बीआरएस के खिलाफ 'मूक क्रांति' का उनका दावा मीडिया की कहानी पर फिट बैठता है। लेकिन जब वह 'भाजपा सत्ता में आयेगी' कहकर भ्रमित हो जाते हैं, तो उनका मूड खराब हो जाता है। मीडिया सर्वेक्षण और जनमत सर्वेक्षणों में भाजपा को केवल एक अंक का आंकड़ा दिया गया है, जो कि कांग्रेस और बीआरएस दोनों से काफी पीछे है। असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम को पांच से छह सीटें मिलेंगी और भाजपा को भी इतनी ही सीटें मिलेंगी- उनमें से एक हैं 'टाइगर' राजा सिंह की गोशामहल सीट।

दरअसल, सारी सकारात्मक भावनाएं कांग्रेस के लिए हैं। मीडिया सर्वेक्षणों और जनमत सर्वेक्षणों ने कांग्रेस की कमर कस ली है। जहां एक ओर भाजपा यह बताने में तत्पर है कि लोग बीआरएस प्रचार वाहनों को अपने गांवों में प्रवेश करने से रोक रहे हैं, लेकिन कांग्रेस के प्रचार वाहनों पर ऐसी कोई रोक नहीं है। भाजपा को आपत्ति यह है कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने अपने प्रचार वाहनों पर 'तेलंगाना चुनाव टैक्स' लगाया है। फिर चुनाव वाले सभी राज्यों की तरह, भाजपा का चुनावी वादा है-'डबल इंजन की सरकार'।

यह भाजपा के हितों की भी पूर्ति करता है जब लोगों को बताया जाता है कि बीआरएस और कांग्रेस दोनों भाजपा को हराने की साजिश में हैं, भले ही जमीनी हकीकत बिल्कुल विपरीत हो। केसीआर की यह टिप्पणी कि 2024 के आम चुनाव के बाद गठबंधन सरकार होगी, भाजपा को रास नहीं आई है। जी किशन रेड्डी का कहना है कि तब तक तो भाजपा तेलंगाना में सत्ता में होगी।

हालांकि, वास्तविकता यह है कि कांग्रेस लहर पर सवार है और सुनामी जैसी आशावाद में डूब रही है। बेशक, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान की तरह, कांग्रेस 24 घंटे मुफ्त बिजली से लेकर किसानों के कर्ज माफ करने और महिलाओं के लिए मासिक वित्तीय भुगतान तक की गारंटी के बारे में बात करना बंद नहीं कर सकती। बीआरएस का कहना है कि कांग्रेस का घोषणापत्र 'बेकार और झूठ से भराहै। लब्बोलुआब यह है कि सभी तीन पार्टियां शीर्ष पर होने का दावा कर रही हैं, परन्तु मतदाताओं ने अपना मन बना लिया है कि उन्हें क्या करना है, जिसका खुलासा 3 दिसम्बर को परिणाम आने पर होगा।

> यह भाजपा के हितों की भी पूर्ति करता है जब लोगों को बताया जाता है कि बीआरएस और कांग्रेस दोनों भाजपा को हराने की साजिश में हैं, भले ही जमीनी हकीकत बिल्कुल विपरीत हो। केसीआर की यह टिप्पणी कि 2024 के आम चुनाव के बाद गठबंधन सरकार होगी, भाजपा को रास नहीं आई है। जी किशन रेड्डी का कहना है कि तब तक तो भाजपा तेलंगाना में सत्ता में होगी।

प्रकाश पर्व

समाज सुधारक गुरु नानक देव

गुरुनानक जी का जन्म 1469 को महिता के गृहग्राम तलवंडी ननकाना साहिब (अब पाकिस्तान) में हुआ। पिता का नाम कालूचंद एवं माता का नाम तृप्ता था। उनके प्रकाश दिवस पर उनके जीवन पर दृष्टि डाली जाए। उस समय पूर्व देश में चारों तरफ धर्म की उपेक्षा हो रही थी। धर्म के मुखियाओं ने धर्म को खिलौना बना दिया था। राजा सिंह की भांति जनता को नोच नोंच कर परेशान कर रहे थे। गीता में कहा गया है- जब जब होता नाश धरम का और पाप बढ़ जाता है तब लेते अवतार प्रभु यह विश्व शांति पाता है।

मानवगण पुकार पुकार कर प्रभु परमात्मा से प्रार्थना कर रहे थे तब प्रभु परमात्मा ने पुकार सुनकर गुरु नानक को शांति स्थापित करने हेतु धरा पर भेजा-

सुणी पुकार दातार प्रभु गुरु नानक जग माहे पठाइआ।

सतगुरु नानक प्रगटिया मिही धुंध जग चाणन होआ।।

आपको पढ़ने भेजा तब आपने उस बांधे को ही सारे अक्षरों का अर्थ कर बता दिया। जब आप गाय, भैंस चराने गए तो एक पेड़ के नीचे बैठ कर विश्राम करने लगे तब सिर पर धूप पड़ने लगी तब एक सर्प ने आकर आपके मुख पर छाया कर दी। जब उन्हें उनके पिता ने 20 रुपए दे कर सौदा लाने के लिए भेजा तो आप ने रास्ते में बैठे भूखे साधु को महात्मा को भोजन का सामान दिला दिया सोचा कि इससे अच्छा सौदा और कुछ हो ही नहीं सकता।

तब आपके पिता ने आपको अपनी बहन नानकी के गांव सुलतानपुर लोधी के यहां भेज दिया। वहां उनका बहनोई इन्हें किसी काम पर लगवा देंगे तब जीजा जयराम ने आप को नवाब दौलत खां लोधी के मोदी खाने में काम पर लगा दिया वहां आप जब रसद वगैरह तौलकर देते तब सब तेरह तेरह करके उनको कई दफा ज्यादा रसद दे देते। इनकी शिकायत नवाब से की गई तब उनका हिसाब किया गया तो गुरु नानक देवजी को ही और रकम नवाब से मिली तब आपने नवाब की नौकरी से इस्तीफा दे दिया। एक दिन आप सुलतानपुर में बेड़े नदी स्नान करने गए और ऐसी डुबकी लगाई कि तीन दिन तक निकले ही नहीं। वहीं से आप सचखंड गए प्रभु परमात्मा से मिलकर फिर वहीं नदी से बाहर आए। 'बाबा पैंधा सचखंड नवनिधि नाम गरीबी पाई' नदी से बाहर आने पर आपने ध्यान लगाया तो देखा हाहाकार मची हुई है। बाबा देखे ध्यान धर जलती सब पृथवी दिसआई। बस फिर आपने भाई बाला और मरदाना के साथ लोगों को प्रभु सिमरन कराने के लिए लम्बी यात्राएं कीं जिनको आप चार उदासियां कहा जाता है। आपके प्रचार करने का अंदाज ही निराला था। आपने जगह-जगह प्रचार किया और लोगों को प्रभु सिमरन भक्ति से जोड़ा और आमनाबाद में जब आप भाई लालो के घर में रुके तब मलक भागो ने भोज कराया और सारे गांव को प्रसाद ग्रहण कराया और गुरुदेव को भी न्यौता दिया। तब आप नहीं गए। गुरुदेव को जबरदस्ती बुलाया गया और तब गुरुदेव ने उनकी पूड़ी-कचौड़ी को एक हाथ में और दूसरे हाथ में भाई लालो की कोदरे की रोटी को पकड़ा और दोनों को निचोड़ा तो कोदरे की रोटी से दूध और पूड़ी-कचौड़ी से खून की धार निकली। तब उन्होंने मलक भागो से कहा-आपने गरीबों का खून चूस चूस कर यह भोजन बनाया है इसलिए यह खाने योग्य नहीं है। ईमानदारी से मेहनत करके रोटी बनाई है इसलिए इसमें से दूध की धार निकली। एक बार जब आप जगन्नाथपुरी में आरती की तो -गगन में थाल रविचंद दीपक तार का मंडला जनक मोती। धूप मलयानले पवन चवरो करे सगल बनराय फुलंत जोती।।

- इंदरसिंह आहूजा

आपके पत्र

उत्तरकाशी में टनल में फंसे 41 मजदूरों के रेस्क्यू ऑपरेशन में परेशानी बरकरार

बड़े-बड़े पुल, भवन और इमारतों के निर्माण में मजदूरों का योगदान सराहनीय रहता है। जीवन को दांव पर लगाने में भी पीछे नहीं हटते है। उत्तरकाशी का दर्दनाक हादसा आंखों से ओझल भी नहीं हो रहा है। टनल में फंसे 41 मजदूरों के लिए देश-विदेश से दुहाई की जा रही है लेकिन 15 दिन बाद भी टनल के रेस्क्यू में अड़चन खड़ी हो रही है। मजदूरों के फंसे रहने से उनके परिवारजनों की दिलोदिमाग की हालत खराब होती जा रही है। उत्तराखण्ड की सरकार हर संभव उपाय कर रही है। अमेरिका को ऑगर मशीन टूटने के बाद विदेशी विशेषज्ञों के सभी उपाय नाकाम साबित होते दिख रहे है। वर्टीकल ड्रिलिंग शुरू की गई है जिससे पहाड़ से खुदाई कर लोगों को सही सलामत बाहर निकालने में सफलता मिल सके। 41 मजदूरों को बाहर निकालने के लिए सरकार ने पानी की तरह पैसा बहाया है लेकिन राजस्थान विधानसभा चुनाव में उत्तरकाशी के मजदूरों पर कांग्रेस सियासत करना नहीं भूली। कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने राहुल के विवादित बयान का जवाब देने की जगह टनल में फंसे मजदूरों पर सियासत गर्म की गई। टनल में फंसे सभी मजदूरों को बाहर निकालने में बहुत सारी कम्पनियों ने कमर कस ली है। सरकार ने लैंडलाइन टनल में डालकर मजदूरों के परिवार से टेलीफोन से बात कराने की व्यवस्था की गई है। पहाड़ काटकर टनल की चोटी से खुदाई शुरू की है। समय लग सकता है लेकिन सरकार के उपाय कारगर साबित होने की पूरी संभावना है। मैन्युअल ड्रिलिंग के लिए सेना को बुलाया गया है। अचानक हुए हादसे में 41 मजदूर के फंसने के बाद उनके परिवारजनों के हालात खराब हैं लेकिन सरकार की पूरी कोशिश रही है कि सभी मजदूरों को किसी भी हालत में सही सलामत उनके परिवार को सौंपना है। अनेक दिक्कतों के बाद नई समस्या आ खड़ी हुई है। खुदाई में मलबा गिरने की संभावना है। बहरहाल, सभी उपाय किए जा रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में भारतवंशीय निक्की हेली का वर्चस्व

अमेरिकी नागरिकों का भारत के प्रति बढ़ता स्नेह और तेजगति से हिन्दू धर्म की तरफ आकर्षित होते अमेरिकियों का कोई सानी नहीं है। वैसे तो कट्टरपंथी देशों में राधेश्याम, हरे कृष्णा और सीताराम के जयकारे लगने लगते रहे हैं। सऊदी अरब में मन्दिर का निर्माण एक कौतूहल पैदा कर रहा है। भारत और भारतवासियों की विदेशों में भी बोलबाला है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक भारतवंशी है और अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस कैलिफोर्निया की पहली महिला उपराष्ट्रपति है। भारतवंशी अनेक पदों को सुशोभित कर भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। ऋषि सुनक 2022 में कंजर्वेटिव पार्टी के नेता यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री बने। इसी क्रम में निक्की हेली का जनाधार अमेरिका में बढ़ता जा रहा है। वे राष्ट्रपति चुनाव में अमेरिका में युवा चेहरा है। जो डोनाल्ड ट्रंप के बाद दूसरी जनाधार पार्टी के रूप में आगे बढ़ रही है। निक्की हेली की लोकप्रियता बरकरार है। अमेरिकावासियों के दिल में भारतवंशियों का नाम सबसे आगे है। अमेरिका में भारत के लोगों का विश्वास भरपूर है। निक्की हेली की दानदाताओं ने भरपूर मदद की है। इस बार हेली की जीत पर कोई ग्रहण नहीं लगता है तो 2024 में अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में बाजी मार सकती है। अमेरिका और ब्रिटेन दुनिया में महासत्ता के नाम से जाने जाते हैं। इन पर भारतवंशिय का बोलबाला है तो इससे बढ़कर भारत का गौरव और क्या हो सकता है। निक्की की बढ़ती लोकप्रियता में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में अहम भूमिका हो सकती है। विदेश नीति में सुधार, गर्भपात के अधिकार पर हेली का रुख कहीं न कहीं सफलता की ओर अग्रसर हो रहा है। जटिल मुद्दे उठाकर निक्की ने लीडरों को अपने पाले में कर लिए हैं जिससे उम्मीद बढ़ गई है। हेली को मिलने वाले करोड़ों के फंड से यह तय है कि हेली चुनाव में परचम लहरा सकती हैं। यह भारत के लिए सुखद समाचार है। दुनियाभर में भारत का नाम रोशन करने वाले भारतवंशियों की साख में उत्तरोत्तर बढ़ोतरी हो रही है।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

पाटन और शहपुरा के मटर की डिमांड बढ़ी, जबलपुर ही नहीं मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद भेजा जा रहा हरा मटर

जबलपुर, देशबन्धु। नगर के साथ ही देश के दूसरे महानगरों में जबलपुर के मटर की डिमांड है। इन दिनों पाटन, शहपुरा आदि ग्रामीण अंचलों से बड़ी तादाद में हरा मटर मंडी पहुंच रहा है। हालाकि मटर का पचास प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा मुंबई, अहमदाबाद, दिल्ली आदि बड़े शहरों के लिये भेजा जा रहा है। ऐसा कहा जाता है कि जबलपुर का मटर मीठा एवं स्वादिष्ट होता है, इसलिये यहां के मटर की मांग रहती है, किसानों को अच्छे खासे दाम भी मिलते हैं।

कृषि उपज मंडी के व्यापारियों के पास दोपहर बाद से हरे मटर के वाहन पहुंचने लगे हैं।

अभी जबलपुर में मटर के रेट उम्मीद के अनुरूप नहीं मिलने से किसान मायूस है।

इसके अलावा यहां पर आने वाले मटर के वाहन अक्सर जाम के कारण फंस जाते हैं। इससे विलंब से मटर से भरे वाहन मंडी पहुंच पा रहे हैं। इससे किसानो को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इसकी वजह से किसानों को उम्मीद के अनुरूप रेट नहीं मिल पाते हैं।

इधर पाटन क्षेत्र में बहुतायत में मटर की उपज होती है। यहां पर पानी के बेहतर इंतजाम हैं। साथ ही खेतों की मिट्टी भी उपजाऊ बताई जाती है। इसीलिये यहां पैदा होने वाला मटर खास विशेषता रखता है। ऐसा नही है कि अभी इस तरह की स्थिति है बल्कि सालों से पाटन, शहपुरा आदि से आने वाला मटर लोगों की पहली पसंद है।

पूर्णिमा पर दीप पर्व का प्रकाश प्राणियों में अज्ञानता के अंधकार को दूर करता है: शंकराचार्य स्वामी बृजेंद्र सरस्वती महाराज

जबलपुर, देशबन्धु। कांच काम कोटी पीठ के शंकराचार्य स्वामी बृजेंद्र सरस्वती महाराज ने सुबह गीता धाम ग्वारीघाट में उपस्थित श्रद्धालुओं को आशीर्वचन देते हुए कहा कि आज कार्तिक पूर्णिमा है साथ ही दीप पूजन है हमारे सनातन धर्म में दीप को देवता के समान पूजा जाता है।

कार्तिक पूर्णिमा की दीप पर्व के प्रकाश से एक दिव्य शक्ति दिव्य चेतना की प्राप्ति होती है जो समस्त प्राणियों का कल्याण करती है जो भी दीप दर्शन करता है उसका कल्याण होता है इस दीप के प्रकाश से इस पूरे जगत की समस्त प्राणियों जीव राशियों पर विशेष कृपा होती है दीप का प्रकाश प्राणियों में अज्ञानता के अंधकार को दूर करता है।

सनातन धर्म की उत्थान व

प्राणियों के कल्याण के लिए आज विशेष दीप पर्व दीपक पर्व पूजन किया जा रहा है नर्मदा जी के तट पर यह आयोजन पूरी संस्कारधानी वासियों व पूरे देश की लोगों के कल्याण की कामना से किया जा रहा है। आज कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर महाराज श्री ने भगवान चंद्र मौलीश्वर व त्रिपुर सुंदरी का पूजन अर्चन किया।

शाम को बड़ा दीपक जलाकर भगवान चंद्र मौलीश्वर और मां जगत जननी का पूजन किया साथ में दीप पूजन किया और उपस्थित जन समुदाय से भी दीप पूजन कराया।

इस अवसर पर गीता धाम की पीठाधीश्वर स्वामी नरसिंह दास महाराज बालाजी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पी रामन शेखरचारी रमणीक श्रीनिवासन आदि बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

मध्य प्रदेश प्रगतिशील ब्राह्मण महासभा की वेबसाइट का विमोचन आज

जबलपुर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश प्रगतिशील ब्राह्मण महासभा के प्रदेश संयोजक पं. अशीष त्रिवेदी ने बताया की प्रदेश प्रगतिशील ब्राह्मण महासभा की वेबसाइट का निर्माण आईटी सेल के प्रदेश अध्यक्ष शुभम मिश्रा एवं उनकी समस्त टीम द्वारा किया गया है। जिसके माध्यम से विवाह हेतु युवक युवतियों का रजिस्ट्रेशन उसमें होगा एवं ब्राह्मण सभा द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यो का भी विवरण उस वेबसाइट में सभी को आसानी से प्राप्त हो सकेगा। वेबसाइट का विमोचन 27 नवंबर 2023 शाम 5 बजे बगलामुखी मंदिर सिविक सेंटर में ब्रह्मचारी चैतन्यानंद महाराज के द्वारा होने जा रहा है। मध्यप्रदेश प्रगतिशील ब्राह्मण महासभा के समस्त पदाधिकारीयो, सदस्यों एवं महासभा से जुड़े हुए समस्त लोगों की उपस्थिति में संपन्न होने जा रहा है। ब्राह्मण महासभा के पं नवीन शुक्ला, पं शैलेश पाठक, पं असीम त्रिवेदी, पं प्रशांत अवस्थी, पं. रत्नेश मिश्रा, पं सिद्धार्थ शुक्ला, पं. अपूर्व त्रिवेदी, पं हर्षुल त्रिवेदी, पं. कैलाश दुबे, पं. प्रवीण तिवारी, आदि ने उपस्थित की अपील की है।

अखिल भारतीय ब्राह्मण एकीकृत परिषद महिला प्रकोष्ठ की बैठक

जबलपुर, देशबन्धु। अखिल भारतीय ब्राह्मण एकीकृत परिषद महिला प्रकोष्ठ की प्रथम पुष्पक नगर अधारताल मैं रखी गई बैठक का मुख्य उद्देश्य मात्र शक्तियों को एक दूसरे से परिचित करना संगठन के बारे में विस्तृत जानकारी भी दी गई पंडित सोनल तिवारी जी पंडित ममता प्यासी जी पंडित कंचन तिवारी पंडित रीना दीक्षित पंडित अर्पिता उपाध्याय पंडित पूनम तिवारी पंडित श्रद्धा तिवारी पंडित गीता अवस्थी पंडित आशा झा पंडित शैली त्रिपाठी पंडित कल्पना शुक्ला पंडित पूनम ओझा महिला प्रकोष्ठ के सभी पदाधिकारी उपस्थिति रही। इसमें उपस्थित सीमा दुबे फुटबॉल चैंपियन रही एवं शिक्षा विभाग से सेवानिवृत होने के अवसर पर सभी मातृ शक्तियों द्वारा उनका सम्मान किया गया सभी मातृ शक्तियों को सदस्यता कार्ड की जानकारी दी गई।

7.50 लाख कर्मचारियों के डीए पर सरकार खामोश

जबलपुर,भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश में 7.50 लाख कर्मचारियों के डीए पर सरकार खामोश है। आचार संहिता के बीच राजस्थान के बाद अब छत्तीसगढ़ के कर्मचारियों व अधिकारियों को 4 फीसदी और महंगाई भत्ता मिलना तय हो गया है। एमपी में इसके लिए सरकार के फैसले का इंतजार है। प्रदेश के कर्मचारियों को अभी 42 फीसदी महंगाई भत्ता मिल रहा है।

कर्मचारी-अधिकारी संगठनों का कहना है कि सरकार जानबूझकर कर्मचारियों को मिलने वाले भत्तों के भुगतान में देरी कर रही है। चुनाव आयोग ने मतदान के दिन तक भत्ते के भुगतान पर अस्थायी रोक लगाई थी। लेकिन, प्रदेश सरकार ने इसके बाद भी भत्ता दिए जाने को लेकर कोई कवायद नहीं की है। आयोग के अस्थायी रोक के बाद सरकार भत्ते के भुगतान के लिए सीधे आदेश जारी कर सकती है।

इसके अलावा इस मामले में और स्पष्ट अभिमत लेने के लिए सरकार चुनाव आयोग को दोबारा पत्र लिखकर मार्गदर्शन मांग सकती है। दोनों ही काम राज्य सरकार के वित्त विभाग ने नहीं किए हैं। इससे कर्मचारियों का नुकसान हो रहा है। पहले भी सरकार महंगाई भत्ते की पूरी राशि का भुगतान नहीं करती रही है।

लाखों कर्मचारियों के एरियर्स की राशि नहीं दी जा रही है। इन कर्मचारियों को सातवें वेतनमान में अब तक 42 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिल रहा है। चार प्रतिशत डीए देने के केंद्र सरकार के 20 अक्टूबर के फैसले के बाद अब केंद्र के कर्मचारियों की तरह एमपी के कर्मचारियों को 46 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलना है।

एक दर्जन स्कूलों की मान्यता खतरे में

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर जिले के एक दर्जन से अधिक निजी स्कूलों की मान्यता अधर में लटक गई है। इन स्कूलों ने पोर्टल पर पूरी जानकारी अपडेट नहीं की है। सत्र 2023-24 की मान्यता प्रक्रिया में जिन स्कूलों द्वारा मान्यता के लिए आवेदन किया था। अगर उनकी मान्यता जारी न होकर किसी भी स्तर पर लंबित है तो उन स्कूलों की मान्यता आवेदन स्वतः ही निरस्त माना जाएगा। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र ने दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। आदेश में निर्देशित किया गया है कि कलेक्टर के समक्ष मान्यता के लिए लंबित प्रकरण वाले स्कूल 30 नवंबर तक विशेष विलंब शुल्क की राशि पोर्टल के माध्यम से जमा कराते हुए अगले सत्र के लिए मान्यता के लिए आवेदन कर सकते हैं। वहीं शैक्षणिक सत्र 2024-25 के नवीन मान्यता व मान्यता नवीनीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस बार पहली से आठवीं तक के निजी स्कूलों को नवीन मान्यता व मान्यता

पुराने आवेदन हो जाएंगे निरस्त, नए सिरे से शुरु होगी प्रक्रिया, अधिकारी करेंगे फिजिकल वैरिफिकेशन

नवीनीकरण के आवेदन करने के बाद विकासखंड स्त्रोत समन्वयक (बीआरसीसी) को 15 दिन में भौतिक सत्यापन करना होगा।

आरटीई के मान एवं मानकों की पूर्ति होने तथा निजी स्कूल भवन, कार्यरत शिक्षकों तथा स्कूल में आवश्यक संसाधनों की जीईओ टैग फोटो अपलोड करना अनिवार्य है। यह रिपोर्ट जिला परियोजना समन्वयक(डीपीसी) को भेजना होगी।

अगले सत्र के लिए डीपीसी द्वारा मान्यता आवेदन के प्रकरणों का निराकरण 20 दिसंबर तक कर दिया गया है। अब स्कूल संचालकों को 20 दिसंबर तक मान्यता आवेदन निरस्ती के प्रकरण में कलेक्टर के समक्ष अपील करना होगी। जिसका निराकरण कलेक्टर द्वारा 30 दिन के भीतर किया जाएगा। इसके बाद आयुक्त एवं संचालक राज्य शिक्षा केंद्र के समक्ष अपील का विकल्प स्कूल संचालक के पास रहेगा। नवीन मान्यता के लिए आवेदन प्रस्तुत करने वाली संस्था के लिए मान्यता शुल्क के रूप में प्राथमिक शाला के लिए पांच हजार रुपये, माध्यमिक शाला के लिए 75सौ रूपये और प्राथमिक सह माध्यमिक शाला के लिए 10 हजार रूपये निर्धारित आनलाइन प्रक्रिया अनुसार जमा करना होगा। मान्यता नवीनीकरण के लिए प्राथमिक शाला के लिए दो हजार रूपये, माध्यमिक शाला के लिए तीन हजार रूपये और प्राथमिक सह माध्यमिक शाला के लिए चार हजार रूपये प्रतिवर्ष के मान से मान्यता अवधि के लिए एकमुश्त जमा किया जाना होगा। नवीनीकरण के समय स्कूल का पता परिवर्तन के लिए पांच हजार शुल्क देना होगा।

हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ पुष्पराज पटेल द्वारा कार्डियोलाइव 2023, ओरेशन का आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। कार्डियोलॉजी लाइव 2023 संगोष्ठी जबलपुर का पहला दिन 25 नवंबर पहला दिन होटल सत्य में रात 8 बजे शुभारंभ हुआ। और दूसरा दिन का शुभारंभ इंडियन मेडिकल एसोसिएशन में 26 नवंबर दिन रविवार को शुभारंभ हुआ. इस कॉन्फ्रेंस के ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ पुष्पराज पटेल ने बताया कि हार्ट रिसर्च एसोसिएशन दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। डॉक्टर पुष्पराज पटेल के सफलता नेतृत्व में दो दिवसीय चिकित्सा के संगोष्ठी का आयोजन हुआ यह कार्यक्रम एम ए जी पी, वुमन विंग के संयुक्त तत्वाधान में किया गया जिसमें हृदय रोग की प्रारंभिक जाँच दवा विधि से हृदय घात का इलाज ऑपरेशन एवं खान-पान में सुधार सभी पहलुओं पर विशेषज्ञों द्वारा नवीनतम जानकारी साझा की गई. इस अवसर पर प्रोफेसर डॉक्टर वी के मेहता ,ओरेशन भोपाल के वरिष्ठ चिकित्सक प्रोफेसर डॉक्टर राकेश सिंह को हृदय रोग के रिसर्च शोध पर दी गई प्रसूति पर प्रदान की गई कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर कावेरी शा पटेल एवं डॉक्टर अनुमिति जैन द्वारा किया गया इस अवसर पर प्रथम दिन डॉक्टर पुष्पराज पटेल जी डॉक्टर दिलीप डॉक्टर राकेश सिंह ने हृदय की प्रारंभिक जानकारियां दी. द्वितीय दिवस पर डॉक्टर अनिरुद्ध व्यास इंदौर डॉक्टर वी डी त्रिपाठी रीवा डॉक्टर विकास मिश्रा, जबलपुर डॉक्टर निवेश गुप्ता डॉक्टर सुशील सोनी डॉक्टर सुदीप चौधरी डॉक्टर अमित डॉक्टर अभिषेक साहित्य ने हृदय घात के उपचार व पद्धतियों पर अपने विचार दिए . संजय मिश्रा डॉक्टर मनीष मिश्रा डॉक्टर अविजित बिश्नोई डॉक्टर आर एस शर्मा डॉक्टर आदित्य डॉक्टर नीरज जैन डॉक्टर एनिमेशन। डॉ अनिमेश संजय जैन ने कार्यक्रम के अध्यक्षता की, जूनियर डॉक्टर प्रगति वर्मा डॉक्टर चैटर्जी मनीषा शोभा ने अपने शोध पोस्टर के माध्यम से साझा किया डॉक्टर शिवानी डॉक्टर रोहन मोनिका कशिश अंकित आदि ने हृदय रोग के प्रश्नोत्तरी मेँ भाग लिया इस अवसर पर शहर के विभिन्न गण्यमान्य चिकित्सक डॉ सुभाष, डॉ राजेश उईके,डॉ भाविक धीरावणी,डॉ मनोज मुराली,डॉ राजकुमार जैन डॉ विनय ओझा, डॉ साई किरण, डॉ रानी मीना उपस्थित रहे।

ई-कॉमर्स निर्यात के लिए डीजीएफ़टी द्वारा ई कॉमर्स कंपनियों को बढ़ावा देने पर कैट ने उठाए सवाल

जबलपुर, देशबन्धु। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने देश से ई-कॉमर्स निर्यात को बढ़ावा देने हेतु देश भर के जिलों का लाभ उठाने के लिए ई-कॉमर्स खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफ़टी) की आलोचना की है। कैट ने कहा कि यह विचार तो अच्छा है, लेकिन यह छोटे व्यवसायों और जिलों में स्थित निर्माताओं के हितों के लिए बहुत हानिकारक होगा क्योंकि यह आशंका है कि ई-कॉमर्स कंपनियाँ जिलों के छोटे व्यवसायों को अपने बिज़नेस मॉडल के अनुरूप अपने एकाधिकार के चंगुल में ले लेंगे।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बी.सी. भरतिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री प्रवीन खंडेलवाल ने डीजीएफटी के इस कदम की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि ई-कॉमर्स नीति और नियमों के अभाव में, यह कदम आत्मघाती साबित होगा और ई कॉमर्स कंपनियों के पहले से चले आ रहे अपवित्र बिज़नेस मॉडल को मज़बूत करेगा क्योंकि अब यह साफ़ हो गया है कि विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियां देश के कानूनों का उल्लंघन कर रही हैं और ऐसे में डीजीएफटी का उन्हें समर्थन उनके बिजनेस मॉडल को वैधता प्रदान करेगा ज्ञातव्य है कि इन कंपनियों के खिलाफ़ सीसीआई और अन्य जांच एजेंसियों द्वारा काफी सवाल उठाए गये हैं और जाँच अभी भी पेंडिंग है।

भरतिया और खंडेलवाल ने आगे कहा कि हमें निर्यात के लिए ई-कॉमर्स का लाभ उठाने में कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन यह सुनिश्चित करना होगा कि कानून के दायरे में रह कर ही ई कॉमर्स कंपनियाँ काम कर रहा है या नहीं।डीजीएफटी का यह कदम ई-कॉमर्स कंपनियों को ज़िला स्तर तक के उद्यमियों के महत्वपूर्ण डेटा सहित उनके व्यापार पर आधिपत्य जमाने के बड़े मौक़े देगा। श्री भरतिया और श्री खंडेलवाल ने कहा कि ऐसी घोषणा करने से पहले, डीजीएफटी ने स्टेकहोल्डर्स के साथ कोई परामर्श नहीं किया और न ही बोर्ड ऑफ़ ट्रेड में इस मुद्दे पर चर्चा की गई। श्री खंडेलवाल बोर्ड ऑफ़ ट्रेड के सदस्य हैं।

कैट ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से ई-कॉमर्स नीति और नियमों को तुरंत लागू करने का आग्रह किया है जिसे ई-कॉमर्स कंपनियों की मनमानी पर अंकुश लग सके। कैट ने गोयल से यह भी आग्रह किया है कि नीति और नियम अधिसूचित होने के बाद ही डीजीएफटी के इस कदम को अमल में लाया जाए।

सरकार रखे ई-कॉमर्स कंपनियों पर पेंदी नजर- कैट प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र जैन ने बताया कि सरकार द्वारा ई-कॉमर्स कंपनियों के अलग नियम बनाएं गए है जबकि ई-कॉमर्स कंपनियों खुले आम उसका उल्लंघन करके अपना व्यापार कर रहे हैं। जिस पर सरकार को हर तरफ से नजर रखना बहुत ही जरूरी है।

व्यापार करने आए हैं तो फिर यह नुकसान किस बात का सरकार रखे नजर दीपक सेठी-कैट प्रदेश उपाध्यक्ष संदेश जैन, उपाध्यक्ष जितेंद्र पचौरी, प्रदेश सचिव दीपक सेठी, कैट प्रदेश कैट प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य (महिला विंग) सीमा सिंग चौहान एवं जबलपुर जिला अध्यक्ष रोहित खटवानी, जिला सचिव मनु शरत तिवारी ने कहा कि कैट विगत कई वर्ष से सरकार को सचेत कर चुकी है कि यह ई-कॉमर्स कंपनियों विगत कई वर्षा से अपने ऑडिट रिपोर्ट्स में कई करोड़ों का नुकसान देखती आ रही है । गलत तरीके से हिंदुस्तान में फंडिंग करके देश की अर्थव्यवस्था एवं छोटे व्यापारियों को नुकसान पहुंचाने का काम कर है। इसकी पूर्ण रूप से जांच होनी चाहिए।

उम्मीदवार के गणना अभिकर्ताओं को दी जायेगी चक्रवार परिणाम की फोटो कॉपी

जबलपुर, देशबन्धु। भारत निर्वाचन आयोग के मतगणना में पारदर्शिता बरतने के निर्देशानुसार विधानसभा चुनाव की मतगणना के लिए तय प्रत्येक गणना कक्ष में उपस्थित गणना अभिकर्ताओं को उस गणना मेज के प्रारूप 17-सी के भाग-दो में तैयार प्रत्येक चक्र के परिणाम की फोटो प्रति प्रदान की जायेगी जिस टेबल पर उसे उम्मीदवार द्वारा नियुक्त किया गया है ।

निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतगणना कक्ष में प्रत्येक काउंटिंग टेबल पर उपस्थित उम्मीदवारों के अभिकर्ताओं से संबंधित काउंटिंग सुपरवाईजर द्वारा मतगणना के प्रत्येक चक्र के बाद प्रारूप 17-सी के भाग-दो में तैयार परिणाम पत्र पर हस्ताक्षर लिये जायेंगे । प्रारूप 17-सी के भाग-दो को दो प्रतियों में तैयार किया जायेगा । इसकी एक प्रति रिटर्निंग अधिकारी अथवा सहायक रिटर्निंग अधिकारी को चक्र में पड़े कुल मतों की गणना के लिए सौंपी जायेगी । जबकि दूसरी प्रति को गणना टेबल से रिटर्निंग अधिकारी द्वारा विशेष रूप से नियुक्त अधिकारी द्वारा प्राप्त किया जायेगा और काउंटिंग टेबल पर बैठे हुए मतगणना अभिकर्त्ताओं को वितरित करने के लिए उसकी फोटो प्रतियां बनवायेगा ।

निर्वाचन आयोग ने निर्देश दिए हैं कि गणना के प्रारूप 17-सी के भाग-दो में तैयार परिणाम की प्रतियों के वितरण का काम पूरा होने तक मतगणना के अगले चक्र को प्रारंभ करने की प्रतीक्षा न की जाये । फोटो प्रतियों का वितरण और गणना का कार्य साथ-साथ किये जा सकेंगे । आयोग ने फोटो कॉपी का प्रबंध यथासंभव प्रत्येक गणना कक्ष में करने के निर्देश भी दिये।

एनकोर काउंटिंग एप्लिकेशन से रियल टाइम प्रदर्शित होंगे मतगणना के राउंडवार रुझान

जबलपुर, देशबन्धु। भारत निर्वाचन आयोग ने मतगणना के सटीक और रियल टाईम रुझान प्रदर्शित करने एनकोर काउंटिंग मॉड्यूल तैयार किया है। इस मॉड्यूल की सहायता से निर्वाचन आयोग राउंडवार मतगणना के परिणाम अपनी वेबसाइट, वोटर हेल्पलाइन एप तथा रिजल्ट ट्रेंड्स टीव्ही के माध्यम से आम लोगों तक तेजी से पहुँचायेगा।

एनकोर काउंटिंग एप्लिकेशन को निर्वाचन आयोग द्वारा 10 मार्च 2019 को शुरू किया गया था । इसके पहले लोकसभा या विधानसभा चुनाव की मतगणना का डाटा कागज, एक्सेल शीट या राज्य विशेष की एप्लिकेशन पर संकलित किया जाता था तथा बाद में इसे परिणामों को प्रदर्शित करने निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर डाला जाता था । जिसे एक निश्चित अंतराल के बाद अपडेट किये जाने की वजह से परिणाम प्रदर्शित करने में देर भी होती थी । लेकिन अब एनकोर काउंटिंग एप्लिकेशन से मतगणना के रुझान तेजी से और रियल टाइम प्रदर्शित किये जा सकेंगे।

निर्वाचन आयोग द्वारा एनकोर काउंटिंग एप्लिकेशन को वोटों की गिनती के लिये ही तैयार किया गया है । इसे मतगणना की सम्पूर्ण प्रक्रिया पर निगरानी रखने तथा मतगणना सबंधी सभी आंकड़ों की प्रविष्टियों के लिये डिजाइन किया गया है । एनकोर काउंटिंग एप्लिकेशन को इस तरह परिनियोजित किया गया है कि सिस्टम में रिटर्निंग अधिकारी द्वारा किये जाने वाले कार्यों की श्रृंखला एक के बाद एक स्वतः पॉप-अप होती जायेगी । मतगणना के दौरान इस एप्लिकेशन की सहायता से उम्मीदवारों को प्राप्त डाक मतपत्रों तथा प्रत्येक राउंड में मतदान केन्द्रवार मिले वोटों की प्रविष्टि की जायेगी और इनका सत्यापन करने के बाद रिटर्निंग अधिकारी मतगणना के पूरे दौर का परिणाम एनकोर पर पब्लिक व्यूट के लिये पब्लिश करेगा । रिटर्निंग अधिकारी द्वारा परिणाम पब्लिश करते ही मतगणना के रियल टाइम रुझान निर्वाचन आयोग की वेबसाईट, रिजल्ट पोर्टल, वोटर हेल्पलाइन एप और इलेक्शन ट्रेंड्स टीवी पर दिखाई देने लगेगा । मतगणना के राउंडवार परिणाम तथा अंतिम परिणाम घोषित करने के लिये आवश्यक प्रारूप इस एप्लिकेशन के जरिये सिस्टम से ही जेनरेट होंगे ।

रिजल्ट ट्रेंड्स टीव्ही पर प्रदर्शित होंगे राउंडवार रुझान-भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन के सटीक और त्वरित प्रसार के लिये एनकोर काउंटिंग एप्लिकेशन के माध्यम से की गई नई व्यवस्था के तहत रिजल्ट ट्रेंड्स टीव्ही भी शुरू किया है। आयोग द्वारा इसे 24 अक्टूबर 2019 को लॉन्च किया गया था। रिजल्ट ट्रेंड्स टीव्ही पर मतगणना का रुझान इन्फोग्राफिक्स के साथ बिना किसी मेन्यू अल हस्त क्षेप के वास्तविक समय मे दिखाये जायेंगे। रिजल्टन ट्रेंड्स टीव्ही पर प्रदर्शित रूझानों को सार्वजनिक स्थलों पर डिस्प्ले स्क्रीन लगाकर भी दिखाया जा सकेगा। मीडिया हाउस भी अब रिजल्ट ट्रेंड्स टीव्ही के माध्यम से वास्तविक समय में परिणाम प्राप्त कर सकेंगे।

एनकोर काउण्टिंग एप्लिकेशन पर रिहर्सल आज

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा तैयार किये गये एनकोर काउण्टिंग एप्लिकेशन के परफार्मेंस का परीक्षण करने कल सोमवार 27 नवम्बर को ड्रेस रिहर्सल होगी। रिहर्सल सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित मतगणना स्थल पर होगी। रिहर्सल निर्वाचन आयोग द्वारा तय मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार ही होगी। इसमें पार्टियों और उम्मीदवारों के छद्म नाम का इस्तेमाल किया जायेगा। यूजर क्रियेशन से लेकर मतदान केन्द्रवार मतों और डाक मतपत्रों की एनकोर काउण्टिंग एप्लिकेशन पर छद्म प्रविष्टि की जायेगी तथा राउण्डवार परिणाम भी घोषित किये जायेंगे। रिहर्सल में एनकोर काउण्टिंग एप्लिकेशन के लिये नियुक्त सभी तकनीकी स्टॉफ को मौजूद रहने के निर्देश दिये गये हैं।

एक दिसंबर से होगी खरीदी शुरु,जिले में सौ केंद्र बने

जबलपुर, देशबन्धु। राज्य सरकार आगामी 1 दिसंबर से धान खरीदी करेगी। इसके लिए जिला प्रशासन तैयारी में जुट गया है। जबलपुर में धान खरीदी 1दिसंबर से 19 जनवरी तक चलेगी। पिछले साल के मुकाबले इस बार धान का समर्थन मूल्य बढ़ाकर तय किया गया है। धान उपार्जन के लिए जबलपुर जिले में 100 से ज्यादा खरीदी केंद्र बनाए गए हैं। जबलपुर जिले में अब तक 50 हजार से अधिक किसानों ने स्लॉट बुक करवा चुके हैं। वेयरहाउस कार्पोरेशन ने इस वित्तीय वर्ष 2023-24 में साढ़े पांच लाख मैट्रिक टन धान खरीदने का लक्ष्य रखा गया है। वेयरहॉउस कार्पोरेशन ने यह भी फैसला लिया है कि इस बार ओपन कैब में धान नहीं रखा जाएगा। वर्तमान में शासकीय वेयरहाउस में 9 लाख मेट्रिक टन की जगह है,जो भंडारण के लिए पर्याप्त है। कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि इस बार ओपन कैब में भंडारण नहीं किया जाएगा। खरीदी जाने वाली पूरी धान वेयरहॉउस में ही रखी जाएगी।

कार्तिक पूर्णिमा पर आज निकलेगी नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा

श्री शैलम से आई सवा लाख बातियों से नर्मदा महाआरती के दर्शन से बढ़ेगी आंखों की ज्योति

जबलपुर, देशबन्धु। कार्तिक मास की पूर्णिमा पर प्रति वर्ष की तरह इस साल भी पुण्य सलिला मां नर्मदा की पंचकोशी परिक्रमा का भव्य शुभारंभ हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से सुबह 8.30 बजे भगवत नाम संकीर्तन के साथ होगा। इसके पहले विधि-विधान से भगवान श्री राधाकृष्ण का पूजन-अर्चन आश्रम संस्थापक स्वामी रामचंद्रदास के सानिध्य में किया जाएगा। इस सम्बंध में जानकारी देते हुए पंचकोशी परिक्रमा समिति के संरक्षक एवं नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ. सुधीर अग्रवाल और अध्यक्ष डॉक्टर शिव शंकर पटेल, मनमोहन दुबे आदि ने बताया कि इस बार परिक्रमा में स्वतंत्राता संग्राम के नायक लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के प्रपौत्र शैलेष तिलक और बर्फानी बाबा बद्रीनाथ धाम किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर पवित्रा दीदी, पुष्पानंद गिरि, कैट शर्मा सहित बड़ी संख्या में संत-महात्मा विप्रजन और श्रद्धालु शामिल होंगे। इसी क्रम में अतिथि आगमन जमुना सभागृह गोल बाजार में हुआ। जहां संतों का पादुका पूजन सम्पन्न हुआ। बद्रीनाथधाम में 12 साल से तपस्यारत बाबा बर्फानी का जबलपुर आगमन हुआ है। परिक्रमा लगभग तीन घंटे में पूरी होगी।

इन रास्तों से निकली परिक्रमा

परिक्रमा का शुभारंभ हरेकृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से होगा। यहां से पंचवटी होते हुए 64 योगिनी क्षेत्र, गोपालपुर होते हुए लम्हेटाघाट पहुंचेगी। लम्हेटाघाट से श्रद्धालु नाव द्वारा नर्मदा नदी पार करेंगे। उस पार शनि मंदिर डुंडवारा, इमलिया में न्यू भेड़ाघाट से होते हुए सरस्वती घाट होते हुए नाव से नर्मदा नदी पार करते हुए पुनः हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट पहुंचेगी।

विविध आयोजन होंगे

सर्वप्रथम परिक्रमा संचालक श्री हनुमान की आरती और हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा। श्री शैलम तीर्थ क्षेत्र से आई 1.25 लाख बातियों से नर्मदा मैया की महाआरती कर पंचकोशी परिक्रमा का शुभारंभ किया जाएगा। परिक्रमा की समाप्ति पर बद्रीनाथधाम से आई पूजित गोमती चक्र वितरित किए जाएंगे। इसके बाद किन्नर अखाड़ा एवं मंगलामुखी समाज द्वारा माता बहनों को शादी के बाद भी अब तक मातृत्व की प्राप्ति नहीं हुई है उनकी गोद भराई की जाएगी।

अमरनाथ की तर्ज पर भंडारे

हरे कृष्णा आश्रम से लम्हेटा घाट तक उस पार शनि मंदिर से लेकर सरस्वती घाट तक नर्मदा भक्तों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया जाएगा। नरेंद्र अग्रवाल, उदय भान सिंह, हास्य कलाकार राजेश मिश्रा, पचौरी परिवार अमरपुर, मेडी वीरेंद्र पटेल, शगुन होटल, गोपाल रेस्टोरेंट एवं अन्य लोग भंडारे का स्टॉल लगायेंगे।

गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस पर विचार संगोष्ठी का आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। गुरु तेग बहादुर ने क्रूर मुगल बादशाह औरंगजेब की लाख यातनाओं के बाद भी इस्लाम स्वीकार नहीं किया। उन्होंने अपना सिर कटवा दिया, लेकिन इस्लाम के सामने सिर नहीं झुकाया। इनकी शहादत के कारण ही आज हिंदुत्व संरक्षित और सुरक्षित है। दिल्ली के चांदनी चौक स्थित शीशगंज गुरुद्वारा हमें हिंदुत्व के लिए गुरु तेग बहादुर जी के त्याग और बलिदान की याद दिलाता है। हमें गुरू जी द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण कर हिंदुत्व और राष्ट्र रक्षा के लिए सदैव कृत संकल्पित रहना चाहिए। इस आशय के उद्गार भारत रक्षा मंच, महाकौशल प्रांत द्वारा नर्मदा ज्ञान मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भेड़ाघाट, जबलपुर में गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस पर विषय पर आयोजित विचार संगोष्ठी में जगत गुरु शंकराचार्य के प्रिय शिष्य स्वामी सीताराम महाराज ने मुख्य अतिथि की आसंदी से व्यक्त किए। प्रांत अध्यक्ष डॉ. एच. पी. तिवारी ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे हिंदुत्व के लिए गुरु तेग बहादुर के त्याग और बलिदान की गाथा को जन-जन तक पहुंचाएं। कार्यक्रम अध्यक्ष अरुण चंदेल ने सनातन संस्कृति को सर्वश्रेष्ठ संस्कृति बताते हुए युवा पीढ़ी से उसका अनुसरण करने का आह्वान किया।

मीडिया प्रकोष्ठ के महामंत्री श्री सचिन अवस्थी ने सम्पूर्ण सिक्ख पंथ को हिंदू धर्म का संरक्षक बताया।कार्यक्रम का संचालन युवा प्रकोष्ठ के महामंत्री श्री रामायण प्रसाद चौबे ने तथा आभार प्रदर्शन प्रांतीय मंत्री जीवेश पांडेय ने किया।

गहरी ड्रॉइंग को फिनिशिंग देगा हाइब्रिड मैटल

ट्रिपल आईटीडीएम में हाइब्रिड मेटल फॉर्मिंग विषय पर कार्यक्रम

जबलपुर, देशबन्धु। डिजाइन के स्टूडेंट्स के लिए ड्रॉइंग की फिनिशिंग मायने रखती है। इसमें हाइब्रिड मेटल फॉर्मिंग की प्रक्रिया कारगार साबित होगी। अकादमिक आदान-प्रदान और तकनीकी नवाचार के लिए भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, डिजाइन और विनिर्माण संस्थान में हाइब्रिड मेटल फॉर्मिंग की प्रक्रियाओं के लिए सिद्धांत और प्रौद्योगिकियों के विकास विषय पर वैश्विक शैक्षणिक नेटवर्क पहल (जीआईएएन) पाठ्यक्रम का संचालन किया गया।

मैटल शीट का इस्तेमाल

कार्यक्रम में रूस से प्रो. अलेक्जेंडर पेसिन ने कहा कि गहरी ड्राइंग डाई का निर्माण धातु की शीटों का उपयोग करके किया जाता है। हाइब्रिड मैटल की उपयोग शीटों को जोड़ने और किनारों को चिकना करने के लिए किया जाता है। इससे डिजाइन के स्टूडेंट्स इनोवेटिव डिजाइन कर सकते हैं।

नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

कार्यक्रम में समन्वयक प्रो. पुनीत टंडन ने कहा कि हाइब्रिड मैटल का सिलेबस युवाओं के लिए नया है। इसका उपयोग करके वे नवाचार को बढ़ावा दे सकेंगे, वहीं कौशल विकास के नए आयाम स्थापिक कर सकेंगे। इस मौके पर संस्थान डायरेक्टर प्रो. भारतेंदु कुमार सिंह, डॉ. मुकेश के रॉय, प्रो. अपराजिता ओझा, प्रो. प्रीति खन्ना, प्रो. वीके गुप्ता, डॉ. एम जाहिद अंसारी, डॉ. मनु श्रीवास्तव मौजूद थे।

मंदिर की 14वीं वर्षगांठ पर सम्मान समारोह आज

जबलपुर, देशबन्धु। श्रीराम भक्त हनुमानबाग सेवा समिति, गढ़ा द्वारा आज श्री अवधेश्वर राजाराम मंदिर के निर्माण की 14वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य पर मंदिर में महाआरती, महामीण, प्रसाद वितरण एवं सामाजिक, धार्मिक एवं आध्यात्मिक क्षेत्र में अपना समर्पण प्रदान करने वाली समितियों का सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है।

हनुमानबाग धाम, गढ़ा एवं गौतीर्थ झाँसीघाट के संस्थापक एवं संरक्षक धर्म विभूषण पं. क्रजेश मिश्रा के पावन सानिध्य में श्री अवधेश्वर राजाराम मंदिर (हनुमानबाग धाम) के निर्माण का भूमि पूजन 27 नवम्बर 2009 को सम्पन्न हुआ था। इसके उपलक्ष्य में समिति प्रतिवर्ष 27 नवम्बर को मंदिर की वर्षगांठ के रूप में समाज कल्याण के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। श्री हनुमानबाग धाम मंदिर प्रांगण छोटी बजरिया, रानी दुर्गावती वार्ड, गढ़ा, जबलपुर महाआरती, महाभोग एवं सम्मान समारोह हुनमानबाग धाम के संस्थापक एवं संरक्षक धर्म विभूषण पं. ब्रजेश मिश्रा के आध्यात्मिक सानिध्य में सम्पन्न होगा।

इस सम्मान समारोह में क्षेत्र की विभिन्न धार्मिक, सामजिक एवं आध्यात्मिक समितियों को सम्मानित किया जायेगा। साथ ही समाज के विभिन्न ऊर्जावान एवं आध्यात्मिक क्षेत्र में अपना सहयोग प्रदान करने वाले गणमान्य नागरिकों को भी सम्मानित किया जायेगा। समिति के अभय पचौरी, दीपक उपाध्याय, डॉ. आशीष मिश्रा, आशु सेठी, मुकेश मिश्रा, नीरज सोनी, सुधीर चौरसिया, कपिल विश्वकर्मा, नितिन पान्डे, अखिलेश चौरसिया, अभिषेक शुक्ला, अजय पाठक, अवधेश पचौरी, नवीन सोनी, नितिन बसेड़िया आदि ने कार्यक्रम में उपस्थिति का आग्रह किया है।

साल की अंतिम नेशनल लोक अदालत 9 को, सहमति से निपटेंगे विवाद

जबलपुर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष अमिताभ मिश्र के मार्गदर्शन में 9 दिसंबर को इस साल की अंतिम नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए न्यायाधीशों, नोडल न्यायिक अधिकारी, विद्युत विभाग, नगरपालिका, बैंक, पुलिस, यातायात पुलिस, दूरसंचार विभाग एवं प्रशासन के अधिकारियों तथा बीमा कंपनियों के अधिकारियों, अधिवक्ताओं सहित पक्षकारों के साथ प्री-सिटिंग बैठकें आयोजित की जा रही है।

कुशवाहा समाज ने लाल माटी में संविधान दिवस

जबलपुर, देशबन्धु। कुशवाहा समाज लालमाटी के अध्यक्ष एडवोकेट मनोज कुशवाहा द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संविधान पर चर्चा की। इस अवसर पर डॉ. सुरेश कुशवाहा, विनोद कुशवाहा, संतोष कुशवाहा, सुनील कुशवाहा आदि उपस्थित रहे। परिचर्चा में संविधान के महत्व एवं उसमें बताए गए नागरिकों के अधिकार एवं कर्तव्यों के बारे में विस्तृत चर्चा की गई।

उर्स का आगाज, चादर जुलूस आज

जबलपुर, देशबन्धु। ईदगाह कला रानीताल में दो दिवसीय उर्स का आगाज रविवार को बाद नमाज़ मगरिब के बाद महफ़िले मिलाद के एहतेमाम से हुआ। उर्स शरीफ के मौके पर ईदगाह में अक़ीदतमंदो की हाजरी का सिलसिला शुरू हो चुका है, गौरतलब है कि रानीताल ईदगाह मे उर्स के मौके पर देश प्रदेश के अनेकों स्थान से हाजरिन अपनी हाजरी पेश करने आते है। आज अपरान्ह 4.30 बजे आगा चौक स्थित हज़रत आगा मुहम्मद साहब की दरगाह से नायबे मुफ्ती ए आज़म मध्य प्रदेश हज़रत मौलाना मुहम्मद मुशाहिद रजा कादरी बुर्हानी की कयादत में चादर जुलूस निकलेगा, जो गश्त करते हुए रानीताल ईदगाह आयेगा। ईदगाह आने के उपरांत मज़ार शरीफ पर चादर पोशी की रश्म अदा की जाएगी। साय बाद नमाज़ मगरिब कुल शरीफ हज़रत बुर्हाने मिल्लत अलेही रहमत व हज़रत मेहमूदे मिल्लत अलेही रहमत का एहतेमाम किया जाएगा। ईदगाह में रात्रि 9 बजे जलसे का आगाज होगा जिसमें स्थानीय व दूर दराज के आये अक़ीदतमंद शिरकत करेंगे। जलसे में देश के नामवर उलेमाक्राम रात भर अपनी नूरानी तक़रीर व खिताब बयान फरमायेंगे। अलसुबह बाद नमाज़ फजर कुल शरीफ हुजूर ईदुल इस्लाम अलेही रहमत का एहतेमाम किया जाएगा। सालातो सलाम व दुआ के साथ उर्स शरीफ का समापन होगा। सज्जादानशीन सूफी जियाउल हक कादरी बुर्हानी ने अक़ीदतमंदो से कसीर तादाद में उर्स में शिरकत कर साहिबे उर्स का फैज़ हासिल करने की हिदायत दी है।

दैनिक राशिफल

सोमवार 27 नवम्बर 2023 का पंचांग विक्रम संवत् 2080, शक संवत 1945 हिजरी 1444। कार्तिक शुक्लपक्ष की पूर्णिमा। नक्षत्र-कृतिका।

मेष
स्फूर्ति और ताजगीपूर्ण सुबह से दिन की शुरुआत करेंगे। घर में मित्रों और सगे-संबंधियों के आवागमन से खुशहाली का माहौल रहेगा।

वृषभ
क्रोध और हताशा की भावना आपके मन पर छायी रहेगी। शारीरिक स्वास्थ्य भी साथ नहीं देगा। घर-परिवार की चिंता के साथ खर्च के मामले में भी आज चिंतित रहेंगे।

मिथुन
परिवार में खुशी और आनंद का माहौल रहेगा। नौकरी-धंधे में आपको लाभ का समाचार मिलेगा। उच्च अधिकारी आपके काम की प्रशंसा करेंगे।

कर्क
आज आप घर की सजावट पर समय और धन दोनों खर्च करेंगे। व्यापार और नौकरी में लाभ होगा तथा पदोन्नति होने की भी संभावना बनी रहेगी।

सिंह
आज गुस्से वाला स्वभाव होने के कारण किसी भी काम में मन नहीं लगेगा। संघर्ष या विवाद के कारण किसी के नाराज होने की आशंका बनी रहेगी।

कन्या
आज वाणी पर संयम रखें और किसी नए काम का प्रारंभ न करें। क्रोध एवं आवेश के कारण बातचीत में नुकसान हो सकता है।

क.

तुला
दैनिक कामों के बोझ से हल्का होने के लिए आज आप पार्टी, सिनेमा, नाटक या पर्यटन का आयोजन करेंगे। मित्रों को आमंत्रित करेंगे।

वृश्चिक
आज आप अनिश्चितता और सुखशांति के साथ घर में समय व्यतीत करेंगे। शारीरिक तथा मानसिक प्रसन्नता से काम करने में उत्साह रहेगा।

धनु
संतान के स्वास्थ्य और पढ़ाई की चिंता से मन व्यग्र रहेगा। पेट संबंधी बीमारियां परेशान करेंगी। काम की असफलता से आपके अंदर हताशा होगी।

मकर
आपके तन-मन में सुस्ती और स्फूर्ति का अभाव रहेगा। मन में भय रहेगा। पारिवारिक सदस्यों के साथ मतभेद या विवाद से आपके मन में डर का भाव रहेगा।

कुंभ - आज चिंता मुक्त होने से आप राहत महसूस करेंगे। आपके उत्साह में भी वृद्धि होगी। बुजुर्गों और मित्रों से लाभ की अपेक्षा रख सकते हैं।

मीन
आर्थिक आयोजन करने के लिए आज शुभ दिन है। निर्धारित काम पूरे होंगे। आय बढ़ेगी। परिवार में सुख- शांति का वातावरण बना रहेगा।

मा.

लोधी क्षत्रिय संघ ने जीएसटी कमिश्नर का स्वागत किया

जबलपुर, देशबन्धु। लोधी क्षत्रिय अधिकारी-कर्मचारी संघ ने वीरांगना रानी अवंती को माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में दीप प्रज्जवलित कर श्री गणेश किया गया। इसके बाद आलोक द्वारा जीएसटी कमिश्नर लोकेश लिल्हारे का अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जीएसटी कमिश्नर ने विद्युत वितरण कंपनी के महाप्रबंधक सरोज कुमार गिरिया का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर विभिन्न जिलों और ब्लाकों से आए लोधी समाज के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों एवं महिला संगठनों ने पुष्पगुच्छ से मुख्य अतिथि का स्वागत किया। आलोक संघ संगठन द्वारा शिक्षा, नवोदय कोचिंग फ्री देने, विभिन्न शहरों में हास्टल सुविधा उपलब्ध कराने, समाज में व्याप्त कुरीतियों को मिटाने किए जा रहे प्रयासों के लिए सुनील पटेल, लखन पटेल, महिला संगठन सहित वासु होटल द्वारा आर्थिक सहयोग दिया गया।

कार्यक्रम में लोधी समाज के सभी संगठनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन दुर्गा सिंह पटेल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में परामर्श दात्री समिति के आलोक रूद्रप्रताप सिंह, जिला अध्यक्ष सीताराम सहित अन्य संघ के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

परिवर्तन महासभा ने वीरांगना झलकारी बाई का 193 वां जन्मोत्सव केक काटकर मनाया

जबलपुर, देशबन्धु। चम्बल नवराष्ट्र राष्ट्रीय कोरी-कोली समाज परिवर्तन महासभा ने 1857 की क्रांति में शहीद वीरांगना स्वतंत्रता संग्राम सेनानी झलकारी बाई कोरी की 193 वीं जयंती धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाई। विगत दिवस ग्वारीघाट रोड पर कार्यक्रम का आयोजन परिवर्तन महासभा महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष मीना विनोदिया के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में कोरी समाज की महिलाएं वीरांगना झलकारी की वेशभूषा में उपस्थित हुई। जहां नारी शक्ति स्वरूप का सम्मान तिलक लगाकर और पगड़ी पहनाकर किया गया। वीरांगना झलकारी का जन्मोत्सव के अवसर पर केक काटकर वितरण किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय महिला विंग अध्यक्ष मीना विनोदिया ने कहा की मातृभूमि के गौरव और सम्मान की रक्षा करने के लिए प्राणोत्सर्ग कर देने वाली महान वीरांगना झलकारी बाई के चरणों में बारंबार प्रणाम करती हूं। उन्होंने कहा कि झलकारी बाई की वीरता और साहस की जीवनी सदैव भावी पीढियों को मातृभूमि की सेवा के लिए प्रेरित करती रहेंगी। उन्होंने आगे कहा कि इतिहासकार के अनुसार झलकारी बाई झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के किले के पास रहती थीं। किले के दक्षिण में उन्नाव गेट था, जहां भोजला गांव स्थित था। इस गांव में झलकारी बाई के घराने के लोग आज भी रहते हैं। बचपन से ही साहसी झलकारी बाई ने मां के निधन के बाद पिता से घुड़सवारी और हथियार चलाने का प्रशिक्षण लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर 74 वां संविधान दिवस मनाया

जबलपुर, देशबन्धु। बोसियत्व डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर सुयुक्त जयंती महोत्सव समिति के जबलपुर तत्वावधान में डॉ. बाबा साहेब की प्रतिमा पर बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ 74 वां भारतीय संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष दयानंद हराले ने संविधान निर्माता बाबा साहेब की प्रतिमा के समक्ष मोमबत्ती एवं दीप जलाकर माल्यार्पण किया। समिति संयोजक नंदकिशोर टेम्भूर्णे ने डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विश्व गुरू तथागत बुद्ध की वंदना की। इस मौके पर अन्य समिति सदस्यों ने माल्यार्पण कर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अध्यक्ष ने कहा कि बाबा साहेब द्वारा तैयार संविधान में 8 सूचियां और 315 धाराएं थी। समिति अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि मैं इस कुर्सी पर बैठकर संविधान समिति के कार्य का हर दिन निरीक्षण करता आया हूं। संविधान समिति के सदस्यों ने कितने उत्साह, हिम्मत तथा निष्ठा से कार्य पूरा किया है। हाई कोर्ट स्थित अम्बेडकर चौक पर संविधान दिवस के अवसर पंकज मेश्राम, धर्मशील चाटे, राजू फूल, दिलीप सहारे, सिद्धार्थ उके, मनोज बाघमारे, टी.डी. हुमने, विश्वनाथ धरगे, राजेश भोवरे, वीरेन्द्र बौद्ध, माला चिकाटे, मीना खापडे सहित अन्य लोग कार्यक्रम में मौजूद रहे।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

कुबरा बेगम-उपरेनगंज मौलाना की गली निवासी मुहम्मद ताहिर खान, मुहम्मद शाकिर खान की वालदा कुबरा बेगम का इंतकाल रविवार को हो गया है। जिनकी मैयत रविवार को दोपहर 2.30 बजे उनके निज निवास से रानीताल कब्रिस्तान गई और वही सुपूर्दे खाक किया गया।

शिव कुमार हान्डा- दशमेश द्वार के पास मदनमहल निवासी शिव कुमार हान्डा (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

राम कुमार झा- कांचघर समदडिया कॉलोनी निवासी राम कुमार झा (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

जगदीश मालवीय- आमनपुर मदनमहल निवासी जगदीश मालवीय (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

गनेश बंशकार- विनोबा भावे वार्ड बंशकार बस्ती निवासी गनेश बंशकार (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

बुद्धो बाई हलवा- हाउबाग गोरखपुर निवासी नन्हें प्रसाद हलवा की धर्मपत्नी बुद्धो बाई हलवा (96) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

बसंत पासी- सिद्धबाबा वार्ड निवासी बसंत पासी (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

कैलाश चंसोरिया- त्रिमूर्ति नगर कृष्णा कॉलोनी निवासी कैलाश चंसोरिया (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

गीता कोल- कैलाशपुरी महावीर कॉलोनी के पीछे निवासी सुरेश कोल की धर्मपत्नी गीता कोल (30) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

कृष्णा दुबे- न्यू शारदा नगर शक्ति नगर निवासी शिव शंकर दुबे के पुत्र कृष्णा दुबे (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

राजेश्वरी विश्वकर्मा- शारदा कॉलोनी कंचनपुर निवासी राजेंद्र प्रसाद विश्वकर्मा की धर्मपत्नी राजेश्वरी विश्वकर्मा (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

नंद लाल- बिलहरी निवासी नंद लाल (94) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

पवन कोल- सरकारी कुआं घमापुर निवासी भारत कोल के पुत्र पवन कोल (24) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर दी थी हत्या की सुपारी, बरगी में हुई हत्या का पुलिस ने किया खुलासा

जबलपुर, देशबन्धु। बरगी थाना अंतर्गत शुक्रवार को हुई अधेड की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस वारदात को मृतक की पत्नी ने अपने प्रेमी व उसके साथियों के साथ मिलकर अंजाम दिया था। जानकारी के अनुसार 24 नवंबर को पुलिस को मंगेली मानेगांव जाने वाली रोड में नहर किनारे एक व्यक्ति का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। जहां पर 18 वर्षीय सौरभ मरावी निवासी हिनौतिया थाना बरेला ने बताया था कि उसके पिता 40 वर्षीय प्रेम सिंह मरावी घर से बरगी जाने के लिये जीजा आशीष आर्मो के टीवीएस स्पोर्ट मोटर सायकिल क्रमांक एमपी 20 एन वाई 2755 से निकले थे, जो वापस नहीं आये। पुलिस ने घटनास्थल से मृतक की गाड़ी और शराब की खाली बोतले बरामद की थी। जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी थी।

मामा भांजे ने मिलकर दिया अंजाम–

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मृतक की पत्नि संगीता मरावी से हिनौतिया भोई निवासी प्रहलाद पटेल के अवैध सम्बंध है। एवं घटना के दिन ही प्रहलाद पटेल के भांजे विकास पटेल की मृतक प्रेमसिंह मरावी

से बात होने पर पुलिस द्वारा पूछताछ की गई। जिसने अपने मामा प्रहलाद पटेल एवं साथी विष्णु पटेल के साथ मिलकर प्रेमसिंह की हत्या करना कबूल किया ।

हत्या में प्रयुक्त रॉड और पत्थर बरामद–

इसके बाद पुलिस ने जब प्रहलाद पटेल से पूछताछ की तो उसने बताया कि मृतक प्रेमसिंह मरावी की पत्नि संगीता से अवैध संबंध होने के कारण अपने भांजे विकास पटेल एंव भांजे के मित्र विष्णु पटेल को प्रेम सिंह की हत्या करने के एवज मे 8 दिए थे। इसके बाद उसने एवं विकास पटेल ने रॉड से प्रेम सिंह पर हमला किया तथा विष्णु पटेल ने प्रेम सिंह पर पत्थर पटक कर हत्या कर दी थी। पुलिस ने मृतक की पत्नी संगीता सहित तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त रॉड एवं पत्थर जप्त कर लिया है।

फर्नीचर बनाने के कारखाने में लगी भीषण आग

जबलपुर, देशबन्धु। घमापुर थाना अंतर्गत शीतलामाई क्षेत्र में एक फर्नीचर की दुकान पर भीषण आग लग गई। मामले की जानकारी लगते ही मौके फायर ब्रिगेड की गांडियां पहुंची, जिन्होंने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घमापुर थानाअंतर्गत शीतलामाई क्षेत्र में एक फर्नीचर की दुकान पर भीषण आग लग गई। मामले की जानकारी लगते ही मौके फायर ब्रिगेड की गांडियां पहुंची, जिन्होंने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस मामले में घमापुर थाना एसआई संतोष पांडे ने बताया कि शीतलामाई स्थित ज्ञान भारती स्कूल के पास संजय बैंसवार की फर्नीचर की दुकान है, जिसमें रविवार रात के वक्त अचानक भीषण आग गई। स्थानीयों की सूचना पर तत्काल फायर ब्रिगेड की टीम एवं घमापुर थाने की पुलिस पहुंची। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है। पुलिस के मुताबिक मामला दर्ज होने के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

मकान मालिक ने दुकान संचालक की छत गिराई, 50 लाख का नुकसान

जबलपुर, देशबन्धु। अधारताल थाना अंतर्गत कुरैशी मार्बल के सामने आभा मेडिकल स्टोर की छत बीती रात तोड़ दी गई। जिसके बाद सुबह दुकान संचालक ने दुकान खोली तो अंदर का नजारा देखकर उसके होश उड़ गये। छत दुकान के अंदर भसकी हुई पड़ी थी पूरी दुकान तहस नहस हो गई थी। जिससे लाखों का नुकसान हो गया है। जिसके बाद पीड़ित ने अधारताल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। जानकारी के अनुसार

दीपक गुप्ता शांतिनगर गोहलपुर में निवास करता है। व अधारताल थाना क्षेत्र स्थित कुरैशी मार्बल के सामने अपनी आभा मेडिकल स्टोर्स के नाम से दुकान संचालित करता है। उनकी पत्नि रश्मि गुप्ता भी दुकान में आती जाती रहती हैं। रश्मि अपनी दुकान में थी। तथा मकान मालिक शांति कुशवाहा कार हटवा रही थी। तभी शांति ने रश्मि से कहा कि तुम अपनी दुकान में कल से नहीं रह पाओगी। जिसके बाद रात 11 बजे दीपक अपनी दुकान बंद करके घर चले गये। 26 नवंबर को सुबह 9 बजे जब दुकान पहुंचा और शटर खोली तो देखा कि दुकान का छज्जा गिरा पड़ा है। दीवारें भी टूटी थी। दवाईयां, पंखे व अन्य सामग्री सब छज्जे के नीचे दबी थी। जो नष्ट हो चुकी थी। लगभग 50 लाख रूपये का नुकसान हो गया है। दुकान से संबंधित दीपक गुप्ता का विवाद पूर्व से ही आरती कुशवाहा, मनोज कुशवाहा, एवं अमन कुशवाहा से चल रहा है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचारधानी है। दीपक गुप्ता ने पुलिस को बताया कि आरती कुशवाहा, मनोज कुशवाहा और अमन कुशवाहा ने ही उनकी दुकान की छत गिराई है। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

सीसीटीवी में कैद हुई बैग ले जाते युवती

बिटिया का तिलक लेकर पहुचे परिवार का 15 लाख रुपयों से भरा बैग हुआ चोरी

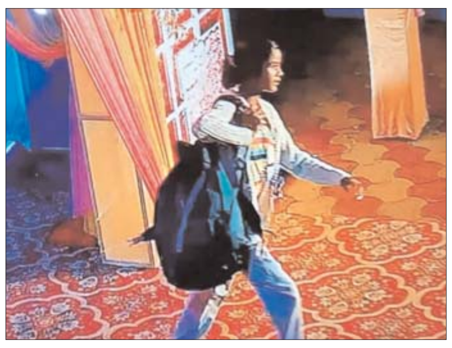

जबलपुर, देशबन्धु। बेटी का तिलक लेकर गोसलपुर पहुंचे परिवार का 15 लाख रुपयों से भरा बैग पलक झपकते ही गायब हो गया। मामले की जानकारी लगते ही मौके पर हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई। जानकारी के मुताबिक बीती रात गोसलपुर क्षेत्र में सोनी परिवार पहुंचा था। इस दौरान एक मैरिज गार्डन में समारोह चल रहा था। सोनी परिवार को अचानक पता चला कि लाख रुपयों से भरा बैग चोरी हो गया है। मामले की जानकारी आग की तरह पूरे में फैल गई। इसके बाद लगभग आधा घंटे तक परिवार वालों द्वारा बैग को तलाशा गया। न मिलने पर गोसलपुर थाने को सूचना दी गई। जिसके बाद मौके पर पहुंचे गोस्लपुर थाना प्रभारी प्रियंका केवट ने मैरिज हॉल में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखे तो एक लड़की रूपयों से भरा बैग लेकर बाहर निकलती हुई दिखी है।

हाईवे पर पहले से खड़े थे साथी

पुलिस ने जब इस मामले की तहकीकात की तो पता चला कि आरोपी युवाती के साथी पहले से ही उसका इंतजार नेशनल हाईवे पर कर रहे थे। और बैग चोरी करने के बाद सभी फरार हो गए। दिसंबर में होना है शादी जानकारी के मुताबिक गोसालपुर निवासी गोविन्द प्रसाद सोनी के बेटे अनुपग का विवाह शहडोल धरपुरी निवासी सोनी परिवार की बेटी के साथ आगामी 7 दिसम्बर 2023 को होना निर्धारित है। शनिवार को तिलक का कार्यक्रम गोसलपुर क्षेत्र के हम लोग मैरिज गार्डन में चल रहा था। रात करीब 8 बजे धनपुरी से सोनी परिवार के अनेक सदस्य चार वाहन से गोसलपुर पहुंचे थे। लड़के वालों ने शादी के बाद होने वाला प्रीतिभोज का आयोजन भी शनिवार को रखा हुआ था। इसी दौरान चोरों ने इस वारदात को अंजाम दे दिया।

पुलिस ने की नाकाबंदी

बैग चोरी होने के बाद पुलिस ने जिला सीमा के अनेक स्थानों पर चैकिंग प्वाइंट लगाया, लेकिन कार नहीं मिली। पुलिरा ने बरगी, बरेला राहित गोसलपुर टोल नाका के फुटेज निकाले हैं। बताया जा रहा है कि यह गैंग बाहरी जिले की है जिसने इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

नौकरानी ने ही चोरी किए थे सोने-चांदी के जेवर,नगदी रुपए,गिरफ्तार

जबलपुर, देशबन्धु। गढ़ाफाटक क्षेत्र में रहने वाली सोनम रैकवार ने ही रोहित जैन के घर में काम करते हुए सोने, चांदी के जेवर व नगदी रुपए पर हाथ साफ किया था। कोतवाली पुलिस ने मामले में सोनम को हिरासत में लेकर चोरी किया गया माल बरामद किया है। जहां से सोनम को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

कोतवाली थानाप्रभारी राजेश बंजारे ने बताया कि खोवा मंडी जवाहरगंज निवासी रोहित जैन की कमानिया गेट के पास घप्पेलाल जुहारमल जैन के नाम से दुकान है। रोहित की मां सुनीता जैन ने 3 अगस्त 2023 से सोनम रैकवार बाई निवासी गढ़ा फाटक लार्डगंज को घर मे झाडू पोंछा के लिये रख लिया. सोनम रैकवार रोज शाम को पांच बजे के लगभग काम पर आती और एक घंटे में सारा काम निपटाकर चली जाती थी। 14 नवम्बर को सुनीता जैन अपनी रिश्तेदारी में छतरपुर चली गई। इस दौरान सोनम रैकवार काम करने आई और मौका पाकर आलमारी में रखे पर्स से 25 हजार रुपए, साडियों के नीचे रखे 35 हजार रुपए, एक नग सोने की अगूठी लगभग 4.6 ग्राम, डायमंड लगी रिंग वजनी 4.5 ग्राम, एक प्लेन अंगूठी वजनी 2.5 ग्राम, एक चैन वजनी 13.3 ग्राम, एक चैन वजनी 17 ग्राम, एक जाप वाली माला गुरिया वाली वजनी 26.8 ग्राम, एक पेंडल वजनी लगभग 8 ग्राम, चांदी के पूजा के 3 दीपक, 2 कलश, एक चांदी की डिब्बी कुल वजनी 180 ग्राम पर हाथ साफ कर दिया। सुनीता जैन लौटकर घर आई तो देखा कि सोने, चांदी के जेवर, नगदी रुपए गायब है। रोहित जैन ने इस मामले की शिकायत कोतवाली थाना में कर नौकरानी सोनम रैकवार पर संदेह जाहिर किया। पुलिस ने संदेही नौकरानी सोनम रैकवार उम्र 32 वर्ष निवासी गढ़ाफाटक छोटी मस्जिद के पास लार्डगंज को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की तो उसने चोरी करना स्वीकार लिया। पुलिस ने आरोपिया से चोरी किए गए रुपयों में से नगद 41 हजार रूपये एवं सोने की 3 अंगूठी, 2 चेन, एक जाप वाली माला गुरिया वाली एक पेंडल तथा चांदी के पूजा के दीपक, कलश, डिब्बी जप्त कर लिया।

संविधान दिवस पर निर्माणी बचाओ मोर्चा ने निकाली रैली

जबलपुर,देशबन्धु। 26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान अंगीकृत किया गया विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र। भारत जिसके संविधान की प्रतावना में पूरा भारत की समानता को समाहित किया गया। इसी उपलक्ष्य में 26 नवंबर को सुरक्षा कर्मचारी यूनियन इंटक एवं एससी एसटी काउंसिल निर्माणी बचाओ मोर्चा ने जन जागरण रैली निकालते हुए आम जन को संविधान की उद्देशिका प्रस्तावना का बोध कराया।

कार्यक्रम का समापन बुद्धविहार खमरिया में किया गया। जहां पर उपस्थित अरुण दुबे, राकेश रंजन,सुबोध खरवार,सीताराम सिलावट, ॠषि राम, अखिलेश पटेल, राकेश जायसवाल,अनिल गुप्ता,सोन सिंह मरावी,हृदेश यादव,एकनाथ शिल्के रूद्र राहुल चौबे,मुकेश विनोदिया, रोहित सेठ, मुकेश कुमार मुखिया, संतोष सिंह धर्मेंद्र रजक, कँवरपाल,बलवान सिंह,मनोज अहिरवार,धर्मेंद्र कोरी,विनीत यादव,संतोष सिंह,अजय गौतम,राजेंद्र मीणा,राम कुमार मरकाम,राहुल पटेल,रामरतन विनोदिया,रवि रंजन,जगदीश विटोरिया ने संविधान के प्रति समर्पण का संकल्प लिया।

कार की टक्कर से तीन घायल

जबलपुर,देशबन्धु। गोहलपुर थाना में शुभम सागर उम्र 29 वर्ष निवासी त्रिमूर्तिनगर कृष्णा कालोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 25-11-23 की अपनी मोटर सायकिल पेशन प्रो क्रमांक एमपी 20 एन एफ 0753 से शांतिनगर से वह एवं उसका दोस्त गोविन्द चौधरी, प्रशांत चौधरी के साथ बाबा टोला रिश्तेदारी में जा रहे थे मोटर सायकिल वह चला रहा था जैसे ही हम लोग काली माई मंदिर के सामने शांतिनगर मोड़ गोहलपुर पहुंचे तभी पीछे से कार क्रमांक एमपी 20 सीडी 1579 का चालक तेज गति लापरवाही पूर्वक चलाते हुये उसकी मोटर सायकिल में टक्कर मार दिया जिससे हम तीनों गिर गये कार चालक ने अन्य लोगों को भी टक्कर मारी है जिनका नाम पता नहीं जानता है एक्सीडेण्ट से उसे एवं गोविन्द चौधरी एवं प्रशांत चौधरी को हाथ पैर एवं शरीर में चोटें आयीं है। गोविन्द चौधरी एवं प्रशांत चौधरी को उपचार के लिये मेट्रो अस्पताल में भर्ती कराये हैं रिपोर्ट पर धारा 279, 337 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

वहीं दूसरी ओर माढ़ोताल थाना में रविवार को भागे भूमिया उम्र 59 वर्ष निवासी ग्राम बम्होरी थाना बहोरीबंद जिला कटनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि आज वह अपने लड़के विनोद भुमिया एवं महगू भुमिया के साथ बस से मजदूरी करने जबलपुर पाटन वाईपास आये थे पेट्रोल पम्प के पास बस से उतरकर पैदल पैदल पाटन वायपास जा रहे थे तभी मोटर सायकल क्रमांक एमपी 20 एम एल 7637 को तेज गति लापरवाही से चालते हुये उसकी मोटर सायकल में चोट पहॅुचा दी।

दो पक्षों में विवाद, धारदार हथियार भी चले

जबलपुर, देशबन्धु। पनागर थाना में बीती रात साहिल पटैल उम्र 16 वर्ष निवासी ग्राम इमलई ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह कक्षा दसवीं में पढ़ता है। शनिवार को उसके गांव में चंडी मेला भरा था, वहां से घूमकर अपनी मोटर सायकिल से अपने बड़े भाई हिमांशु पटेल के साथ वापस अपने घर जा रहे थे। रात लगभग 10-15 बजे जैसे ही विनोद पटैल के घर के सामने पहुंचे तभी गांव के अजय पटैल, लक्की पटैल, साहिल पटैल, अतुल पटैल आये जो अजय पटैल ने पाईप से हमलाकर सिर में तथा लकी पटैल ने पाईप से हमलाकर हिमांशु के सिर कंधे में चोट पहुंचा दी। बीच बचाव करने आये सोरभ पटैल एवं कृष्णा पटैल को साहिल पटैल ने डंडे से हमलाकर हाथ में चोट पहुंचा दी। थोड़ी देर बाद साहिल पटैल आ गया जिसने रतन पटैल के किसी नुकीली चीज से मारा है तथा सभी जान से मारने की धमकी दिये।

वहीं अजय पटैल उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम इमलई ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि बीती रात लगभग 10 बजे वह दोस्तों के साथ गांव की मड़ई देखकर आया और घर के पास रोड में अपने दोस्त लकी पटैल, साहिल पटैल, प्रशांत पटैल के साथ खड़ा था तभी गांव के रतन पटैल, सौरभ पटैल, हिमांशु पटेल एवं साहिल पटैल वो भी मड़ई देखकर आये और हम लोगों को देखकर पुरानी बुराई को लेकर गाली गलौज करने लगे, हम लोगों ने गालियां देने से मना किया तो हिमांशु पटेल, रतन पटेल, साहिल पटैल, सौरभ पटेल अपनी कमाण्डर कार से डंडा निकालकर आये और रतन पटेल ने उसे सिर में एवं लकी पटैल के रतन पटैल ने पीठ एवं हाथ में लाठी से मारकर चोट पहुंचा दी उसके साथी साहिल एवं प्रशांत ने बीच बचाव किया तो हिमांशु पटैल ने हाथ में लिये लाठी से सौरभ पटेल ने प्रशांत एवं साहिल पटैल को लाठी एवं हाथ-मुक्कों से मारपीट किये साहिल पटेल ने भी हाथ-मुक्कों से मारपीट की फिर सभी लोग जान से मारने की धमकी दिये। दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर धारा 294, 323, 324 506, 34 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

धर्म की रक्षा और समाज को एक सूत्र में पिरोने ही महापुरुषों का अवतरण होता है

जबलपुर, देशबन्धु। समरसता सेवा संगठन द्वारा सामाजिक समरसता के परिपेक्ष्य में सब सबको जाने- सब सबको माने एक अभियान के अंतर्गत गुरुनानक देव एवं महर्षि सुदर्शन की जयंती की पूर्व संध्या पर पूज्य स्वामी कालीनन्द महाराज, सिंधी सेंट्रल पंचायत सभा के अध्यक्ष करतार सिंह बठिजा, जनअभियान परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र जामदार, सिख संगत जबलपुर के प्रधान सरदार मनोहर सिंह रील जी, समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन की गरिमामय उपस्थिति में विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन समन्वय सेवा केंद्र आदि शंकराचार्य चौक में किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. जितेंद्र जामदार ने विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा भगवान कहते हैं जब-जब धरती पर धर्म की हानि होती है तो भगवान अवतार के रूप में मानव कल्याण करते हैं, सभी को दर्शन देते हैं, सभी का कल्याण करते हैं। संत एवँ महापुरुषों का अवतरण भी धर्म की रक्षा और समाज को एक सूत्र में पिरोने के लिए हुए हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि करतार सिंह बठिजा ने गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा आज ऐसे हम ऐसे गुरुओं को नमन करने एकत्र हुए है जिन्होंने समाज को एक सूत्र में पिरोने के लिए धरती पर अवतरण लिया था एक महर्षि सुदर्शन जी थे जिन्होंने भक्ति मार्ग पर चलते हुए समाज को संदेश दिया कार्यक्रम की प्रस्तावना सचिव उज्वल पचौरी ने रखी। संगठन वक्ता के रूप में कवि आलोक पाठक ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन धीरज अग्रवाल एव आभार ने व्यक्त किया।

सम्मान- कार्यक्रम के दूसरे चरण में समाजसेवी सरदार मंजीत सिंह, अजय अर्खेल, राजेंद्र सिंह छाबड़ा, जगदीश चौहटेल, हरदेव सिंह प्रधान, भारत बेरिया, साहब सरदार हरिंदर सिंह प्रधान, सुरेंद्र लखेरा, सरदार गुलजीत साहनी, डॉ. हेमंत करसा, सरदार हरजीत सिंह, जगदीश नन्हेक, सरदार प्रताप सिंह व अन्य का सम्मान किया गया।

नाबालिगा से दुष्कर्म करने वाले को उम्रकैद की सजा

पाक्सो की अदालत ने छह हजार का जुर्माना भी लगाया

जबलपुर,देशबन्धु। पाक्सो की अदालत ने एक नाबालिगा से दुष्कर्म करने वाले रितेश उर्फ कित्तू साहू को दोषी करार दिया है। विशेष न्यायाधीश की अदालत ने रितेश को आजीवन कारावास व छह हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। अदालत ने पीड़िता को एक लाख रुपये की प्रतिकर राशि प्रदान करने के आदेश दिये है।

अदालत को अभियोजन पक्ष की ओर से बताया गया कि पीड़िता ने कुंडम थाने में शिकायत दर्ज करायी थी। जिसमें उसने बताया था कि 4 सितंबर 2020 को वह पड़ोस की दादी के घर खेलने गई थी। उसी दौरान आरोपी रितेश उर्फ कित्तू साहू आया और उसे मोबाईल दिखाने के बहाने उसे अपने कमरे में ले गया। जहां उसके साथ अश्लीलता करने लगा, उसके चिल्लाने पर आरोपी ने उसका मुंह दबा दिया और जबरदस्ती उसके साथ दुष्कर्म किया। जब पीड़िता की मॉ आवाज देते हुए पहुंची तो आरोपी ने किसी को कुछ बताने पर जान से मारने की धमकी देकर उसे छोड़ दिया। शिकायत पर पुलिस ने दुराचार, पाक्सों एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर अदालत के समक्ष चालान पेश किया। सुनवाई दौरान पेश किये गये गवाह व साक्ष्यों को मद्देनजर अदालत ने आरोपी को उक्त सजा से दंडित किया।मामले में शासन की ओर से अतिरिक्त जिला लोक अभियोजन अधिकारी स्मृतिलता बरकड़े ने पैरवी की।

नाबालिगा से छेड़छाड़ करने वाले को पांच साल की सजा

अदालत ने आरोपी पर चार हजार का जुर्माना भी लगाया

जबलपुर। लार्डगंज थाना क्षेत्र में एक नाबालिगा से छेड़छाड़ करने वाले आरोपी राहुल लोधी को पाक्सो की अदालत ने दोषी करार दिया है। अदालत ने आरोपी राहुल को पांच साल के सश्रम कारावास व चार हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

अदालत को अभियोजन पक्ष की ओर से बताया गया कि 11 जनवरी 2023 को नाबालिगा पीड़िता की मॉ ने लार्डगंज थाने में शिकायत दर्ज करायी थी। जिसमें उसने बताया कि जब वह कपड़े धो रहीं थी और उनकी बच्ची बाहर खेल रहीं थी। उसी दौरान बच्ची के रोने की आवाज आई। उसने मौके पर जाकर देख तो आरोपी

मोगली उर्फ राहुल पटेल उसे देखकर कुलिया के रास्ते भाग गया। पूछने पर पीड़िता ने बताया कि राहुल चाचा ने कुत्ता दिखाने व टॉफी दिलाने का बोलकर कुलिया में ले जाकर उसके साथ अश्लील हरकते की। पीड़िता ने आरोपी के हाथ में काट दिया और वहां से भागकर घर आ गई थी। शिकायत पर पुलिस ने पाक्सों व छेड़खानी की धारा के तहत प्रकरण दर्ज कर अदालत के समक्ष चालान पेश किया। सुनवाई पश्चात् अदालत ने आरोपी को पांच साल के सश्रम कारावास व चार हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। मामले में शासन की ओर से एडीपीओं मनीषा दुबे ने पक्ष रखा।

नाजुक अंग में लात मार युवक की हत्या

शव लेकर इलाज कराने पहुंचे आरोपी, बताया मृत

सिहोरा, देशबन्धु। मामूली विवाद इतना बढ़ गया कि एक युवक को अपनी जान गंवाना पड़ गई। खेत में सिंचाई के लिए लगाए पाइप के ऊपर से युवक मोटरसाइकिल निकाल रहा था। खेत मालिक के द्वारा मना करने पर तू-तू मैं इतनी बढ़ गई कि मारपीट होने लगी, जिसपर आरोपी सुरेंद्र उर्फ सोनू (34 वर्ष) एवं पंकज गडारी ने मृतक खेमचंद गडारी (45 वर्ष) के गुप्तांग में लात मार दी और खेमचंद की दर्दनाक मौत हो गयी। जबकि आरोपियों ने मृतक खेमचंद का शव लेकर अस्पताल भी इलाज कराने ले गये, और अस्पताल में छोड़कर भाग निकले जिसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

खितौला थाना क्षेत्र के ग्राम छोटी दरौली निवासी खेमचंद गडारी शनिवार की दोपहर को स्वयं के खेत में पाइप लाइन से सिंचाई कर रहा था। तभी सोनू बर्मन 2- 3 बार सिंचाई वाली पाइपलाइन के ऊपर से अपनी मोटरसाइकिल निकाल कर ले गया, जब खेमचंद ने इसका विरोध किया तो सोनू और पंकज गडारी खेमचंद से गालीगलौज कर विवाद करने लगे। विवाद के दौरान ही सोनू बर्मन ने खेमचंद गडारी के गुप्तांग में जोरदार लात मार दी, जिसके बाद खेमचंद गडारी दर्द से कराहते हुए वहीं गिर पड़ा, खेमचंद के जमीन गिरते ही आरोपी सोनू ने खेमचंद के सीने में पिंचीस एवं गर्दन में तार से तेज हमला कर दिया। जिसकी सँभवत: वहीं पर मौत हो चुकी थी।

दोनों आरोपी सोनू बर्मन एवं पंकज गडारी ने पहले तो खेमचंद के साथ बेरहमी से मारपीट की और अनहोनी होनी की शंका में मृतक के शव को लेकर उसका ईलाज कराने मोटर साइकिल से खेमचंद को गाड़ी को लेकर सिहोरा अस्पताल पहुंचे और खेमचंद को भर्ती कराने के बाद वहां से फरार हो गए। अस्पताल में भर्ती खेमचंद की जांच करने पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद खितौला पुलिस ने कायमी करते हुए शव का पोस्टमार्टम करा कर जांच शुरू कर दी है।

कार्तिक पूर्णिमा पर बंजारी माता और रामजानकी मंदिर में किया पूजन

गांधीग्राम, देशबन्धु। गांधीग्राम में कार्तिक मास पवित्र पावन अवसर पर ग्राम की महिलाओं वा कन्याओं ने एक माह तक ब्रह्म मुहूर्त में स्नान कर गांव के प्रारंभ में व मुख्य द्वार में स्थित करदही नदी,व बुढ़ानसागर तालाब में पहुंचकर स्नान कर सूर्योदय पूर्व नंगे पैर चतुर्भुजी मां बंजारी माता की नयनाभिराम प्रतिमा बंजारी माता मंदिर, माता दुर्गा की चतुर्भुजी संगमरमर सुसज्जित प्रतिमा व अष्टधातु की रामजानकी प्रतिमा राम जानकी मन्दिर एवं नौ देवी मंदिर बड़ी मढ़िया में नौ देवी की नौ विविध स्वरूप पाषाण प्रतिमाओं पर जल ढार,व मातारानी के भजन आरती महीने भर प्रति दिवस किया।

उपरोक्त संबंध में पौराणिक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि कार्तिक स्नान का महत्व विशेषकर षष्टम देवी माता कात्यायनी के विधि पूर्वक पूजन अर्चन से जुड़ा हुआ है। कार्तिक माह में अविवाहित कन्याएं प्रात: कालीन बेला में स्नान कर पूरी मां पूजा करती है। मां की कृपा से उन्हें यथेष्ट वर की प्राप्ति होती है,वहीं महिलाएं पति की लंबी आयु परिवार की सुख शांति व समृद्धि के लिए माता रानी के दरबार में महीने भर नित्य प्रति पूजा अर्चना की।कार्तिक पूर्णिमा पर बंजारी माता मंदिर, राम जानकी मंदिर,बड़ी मढ़िया नौ देवी मंदिर में पूजा अर्चना के लिए महिलाओं का कन्याओं की बड़ी संख्या में उपस्थित रहकर संगीतमय भजनों का गायन एवम पूजन किया।

सार-समाचार

नदी में दिखा मगरमच्छ, ग्रामीणों में दहशत

उपरियापान, देशबन्धु। उमरियापान के समीपी ग्राम बिछिया में सिलपरा नदी के पडुआ डेम के आसपास मगरमच्छ दिखने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। बताया जाता है रविवार को नदी से लगे खेतो में जब किसान बोवनी व अन्य कार्य में जुटे थे। इसी दौरान उन्हें डेम के बाहर एक मगरमच्छ दिखा। तत्काल किसानों ने इसकी जानकारी स्थानीय वन विभाग के अधिकारियो को दी। सूचना पर डिप्टी रेंजर मोहम्मद खालिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। लेकिन मगरमच्छ तो नहीं मिला। अलबत्ता मौजूदगी के निशान जरूर मिले। इस दौरान मौके पर ग्रामीणों ने बताया कि हल्की धूप होने पर मगरमच्छ पानी से बाहर निकलता है और धूप सेंकता है। जिसकी कुछ लोगों ने मोबाइल से फोटो भी ली है। वह भी वन विभाग के अधिकारी को दिखाई गई। वन विभाग के मुताबिक डैम में नहर का पानी आता है, जिससे अधिक पानी होने के कारण रेस्क्यू करने में परेशानी हो रही। वन विभाग ने ग्रामीणों को हिदायत दी कि उक्त स्थान के आसपास नहाने न जाये और न ही मवेशियों को नदी के आसपास चरने छोडे। नदी में पानी कम होते ही रेस्क्यू किया जाएगा। इसके अलावा बरगी नहर से लगे सभी ग्रामों को सूचित किया कि नहर से पर्याप्त दूरी बनाए रखे।

महाकौशल विंध्य अधिवक्ता संघ ने मनाया संविधान दिवस

कुण्डम, देशबन्धु। आदर्श सभागार सिल्वर जुबली हाल हाई कोर्ट जबलपुर में महाकौशल विंध्य अधिवक्ता संघ के तत्वावधान में प्रतिवर्षानुसार संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता उमाकांत शर्मा द्वारा संविधान की प्रस्तावना एवं अधिकार तथा मौलिक कर्तव्यो के बारे में प्रकाश डाला,हाई कोर्ट बार के सचिव परितोष त्रिवेदी द्वारा बताया गया कि विधि का विधान ही संविधान है,संघ के अध्यक्ष पं.देवेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा बताया गया कि संविधान एक महान ग्रंथ है जो ऐतिहासिक धरोहर है जिसे बनाने में दो वर्ष 18 दिन लगे थे जिसमें समय समय पर संशोधन भी होते रहे हैं।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि निर्मला नायक, संजय वर्मा, ज्योति राय, राजेश तिवारी, डीके जैन, उमेश वैद्य, लवकुश मिश्रा,पी के मिश्रा, संजीव तिवारी, प्रकाश श्रोती,अमन शर्मा, सतीश सिंह ठाकुर, रविन्द्र कुमार दुबे, सरिता कोष्टी, विजय चंद राय, निधिष पाण्डेय, अमित जैन, आशीष त्रिवेदी, अनिल दुबे,ए के दीक्षित,एस डी गुप्ता मनोज सिंह इत्यादि ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन संघ के महासचिव राजेंद्र प्रताप सिंह, एवं अभार संघ की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मंजू वर्मा ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सुजाता जाट, ममता आत्मा, लक्ष्मी चौरसिया,रानू सिंह, सुजाता जयराज, सपना तिवारी, सुजीत साहू, आत्मा राम, नीलेश अवस्थी, नीतिराज शर्मा,आर,के, सिंह, चंद्र शेखर उपाध्याय,बाबा प्रदीप परसाई,सफीउल्ला उस्मानी,ओर पी अग्निहोत्री, अरविंद मिश्रा,ओर पी पटेल, परमानंद साहू, प्रिया पाठक, यादवेन्द्र द्विवेदी, कपिल गुप्ता, अश्विनी नायक, शांति तिवारी,अंकुर परमार, रविन्द्र झा,सनत कुमार पटेल, अरविंद शर्मा,रामकिशोर पटेल, पुरुषोत्तम सोनी, महेंद्र सिंह, अंकित विश्वकर्मा, अभिषेक तिवारी, जयश्री मुखर्जी,सोमिन मुखर्जी, सविता यादव, निरुपमा मिश्रा, सविता तिवारी, लक्ष्मी सिंह,किरन महता इत्यादि उपस्थित रहे।

वाहन खरीदने के लम्बे समय के बाद भी पंजीयन नम्बर नहीं

बिना नम्बर के दौड़ रहे वाहन

गांधीग्राम, देशबन्धु। वर्तमान समय में राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 फोरलेन सड़क मार्ग के किनारे स्थित गांधीग्राम, रामपुर, कूड़ा-कंजई तिराहा, गोसलपुर सड़क पर बिना नंबर के डम्फर, भारवाहक वाहन तथा दुपहिया वाहन तीव्र गति से बेधड़क प्रतिदिन सड़क पर दौड़ रहे हैं। पुलिस की अनदेखी के चलते बिना पंजीयन वाले वाहनों सड़कों पर रेलमपेल मची हैं। वाहन खरीदे लंबा समय गुजरने के बाद भी कई वाहन मालिकों ने पंजीयन नंबर अंकित कराने की जहमत तक नहीं उठाई है। हालात यह है की कई वाहन धारकों ने वाहनों की नंबर प्लेट पर स्लोगन नाम तथा पदनाम अंकित करा रखा है।

नियम कायदों की कोई परवाह नहीं

नए वाहन खरीदी के कुछ समय बाद आरटीओ द्वारा वाहन के नंबर तो जारी कर दिए जाते हैं, लेकिन वाहन चालकों द्वारा वाहन पर नंबर अंकित करवाए जाते हैं।

एक्सीडेंट होने पर नहीं पकड़ पाते वाहन

देखा गया है कि बीते समय डंपर, ट्रक, ट्रैक्टर आदि से सड़कों पर कई बार एक्सीडेंट हो चुके हैं नंबर प्लेट में नंबर ना होने की वजह से यह वाहन एक्सीडेंट कर भागने में सफल हो जाते हैं। लोग वाहनों को देख तो लेते हैं किंतु नंबर प्लेट ना होने पर उनके नंबर नहीं ले पाते। लोगों का कहना है कि बिना नंबर के मोटर साइकिल पर तीन से चार युवक सवार होते हैं और सड़क में हुड़दंग मचाते हैं, लेकिन प्रशासन का इस ओर ध्यान नहीं है।

रात में एक वाहन पर तीन-चार सवार

वाहन चालकों की लापरवाही इस कदर तक बढ़ चुकी है की वाहन चालक दोपहिया पर नियमों को ताक में रखकर तीन से उससे अधिक सवारियों का सवार कर लेता है।

नाबालिग करते हैं हादसे

स्कूल तथा ट्यूशन वाहनों से जाने वाले नाबालिग वाहन चालक भी आए दिन हादसों को आमंत्रित करते हुए देखे जा सकते हैं। नियमों से अनजान ये नाबालिग भी वाहन पर दो से अधिक सवार होकर नगर में मनमाने अंदाज में वाहन दौड़ाते हैं। डम्फर, ट्रक, दसचक्का, ट्रेक्टरों की इनमें संख्या अपेक्षाकृत अधिक है। पुलिस प्रशासन से इन वाहनों पर अंकुश लगाने की माँग बुध्दिजीवी वर्ग ने की हैं।

देर रात बस स्टैंड की एक दुकान में घुसकर चोर ने व्यापारी को मारा चाकू

रीवा, देशबन्धु। शहर के सिविल लाइन थाना अंतर्गत रेवांचल बस स्टैंड में चोरों ने एक व्यापारी पर चाकू से ताबड़तोड़ प्रहार करके उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया है। घायल व्यापारी धर्मेंद्र गुप्ता को इलाज के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पान मसाले का है व्यापारी-तत्संबंस में हासिल जानकारी के अनुसार धर्मेंद्र गुप्ता पुराने रेपांचल बस स्टैंड में पान मसाले की दुकान संचालित करता है। उसकी दुकान में देर रात चोरी की नीयत से बदमाश पुस गया। चोर को दुकानदार ने पकड़ लिया तो आरोपी ने दुकानदार धर्मद्र गुप्ता पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे व्यापारी घायल हो गया। बस स्टैंड में चाकू बाजी की घटना की सूचना लगते ही सिविल लाइन थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घटना में घायल व्यापारी को इलाज के लिए अस्पताल ले गई। वही पुलिस हमलायर की पहचान करके उसकी तलाश करने में जुटी हुई है।

बस स्टैण्ड में सक्रिय रहते है अराजकतत्व

बताया जाता है कि उस स्टैंड में रात के समय चोर उच्चके एवं नशेड़ी किस्म के लोगों का जमावड़ा लगता है। जहां आए दिन गाली गलौज विवाद एवं मारपीट जैसी घटनाएं हो रही है। बस स्टैण्ड में विवाद के बलते दहशत का माहौल बना रहता है तो यही अराजक तत्वों की सक्रियता से आम जन भयभीत रहता है।

मैरिज गार्डन से बदमाश ने पार कर दिया लाखों रुपये से भरा बैग

सीसीटीवी में कैद हुआ हुई वारदात

रीवा, देशबन्धु। विवाह घरों में आयोजन के दौरान ज्यादातर लोग पैसे आभूषण आदि छोड़कर कार्यक्रम में व्यस्त हो जाते हैं और इसका फायदा उठाकर सक्रिय गिरोह के सदस्य पैसे और आभूषण चोरी कर रहे हैं। ऐसा ही एक मामला रीवा शहर के समान थाना अंतर्गत गुलाब नगर के आशियाना मैरिज गार्डन से सामने आया है। जहां मैरिज गार्डन के अंदर घुसे बदमाश ने 320000 रुपयों से भरा हुआ बैग लेकर चंपत हो गया। पीड़ित परिवार ने पैसे चोरी होने की शिकायत थाने में दर्ज करवाई है।

तिलक का था कार्यक्रम

समान थाना पुलिस के अनुसार ज्ञानेंद्र तिवारी नियासी हरदना थाना अंतरेला का तिलक उत्सव कार्यक्रम रीवा के आशियाना मैरिज गार्डन में आयोजित था। जिसमें खर्च करने के लिए उन्होने 3 लाख 20 हजार रुपए बैंग में रखे हुए थे। ये बैंग को पास में ही रख कर कार्यक्रम की विधि करने लगे इसी बीच बदमाश पैसों से भरा हुआ बैंग लेकर निकल गया। जब से बैग की तलाश करने लगे तो उसका कहीं पता नहीं चल पाया। ऐसे में पीड़ित परिवार के होश उड़ गए और उन्होंने पुलिस को सूचना दिए। आशियाना मैरिज गार्डन में लगे हुए सीसीटीवी कैमरे में रूपए से भरा बैग चोरी होने की पूरी घटना कैद हुई है। जिसमें एक युवक बैंग लेने के बाद बड़े आसानी से विवाह घर के बाहर निकलता हुआ कैद हुआ है। पुलिस सीसीटीवी कैमरे के आधार पर चीनी के आरोपी की पहचान करने के साथ ही उसकी तलाश कर रही है। बताया जा रहा है कि विधाह परों में चोरी करने वाला गिरोह सक्रिय है। यह गिरोह रीवा ही नहीं अपिल अदलपुर आदि शहरों में भी इस तरह की वारदात को अंजाम दे चुका है।

पुलिया से टकराई बाइक, युवक की मौत

सिवनी, देशबन्धु। सिवनी जिले के पुसेरा के समीप रात्रि में एक बाइक बेकाबू होकर पुलिया में जा घुसी। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई। शनिवार रात भविष्य पिता पूनाराम यादव (30) निवासी सरगापुर जा रहे थे और हादसे का शिकार हो गए।

खेत से मक्का लोड लाते समय ट्रैक्टर के नीचे दबकर युवक की मौत

सिवनी, देशबन्धु। सिवनी जिले के आदेगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत दोपहर में एक दर्दनाक हादसा हो गया। जहां ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। खेत से ट्रैक्टर में मक्का लोड करके ला रहा था। जब ग्राम के समीप पहुंचा तो वह असंतुलित होकर चलते ट्रैक्टर से नीचे गिर गया। ट्रैक्टर के नीचे आ गया। इसके कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने पुलिस एवं 108 वाहन में दी।

ब्राह्मण समाज कार्यकारिणी का होगा पुनर्गठन

सिहोरा, देशबन्धु। भगवान परशुराम की पूजा अर्चना के बाद ब्राह्मण समाज सिहोरा की मासिक कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन समाज के भवन में रविवार को किया गया जिसमें आगामी जनवरी माह में संभावित सत्र 2021,22 का मेधावी छात्र छात्रा एंव वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह के संबंध में चर्चा हुई साथ ही ब्राह्मण समाज की कार्यकारिणी का पुर्नगठन करने के संबंध में प्रस्ताव पास किया गया।नवीन कार्यकारिणी की घोषणा दो सप्ताह के अंदर कर दी जायेगी इसके अलावा अनेक समाजिक विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर समाज के संरक्षक अश्वनी कुमार पाठक, अध्यक्ष राकेश पाठक, महामंत्री प्रवीण कुररिया, उपाध्यक्ष प्रवीण गौतम,सुरेन्द्र तिवारी,नरेन्द्र त्रिपाठी, कृष्ण गोपाल पाठक,नारायण तिवारी,आलोक पांडे, अनिरुद्ध द्विवेदी सहित कार्यकारिणी के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

लुटेरी दुल्हन के जाल में फंसे लड़के वाले, फिल्मी अंदाज में की ठगी

रीवा, देशबन्धु। मध्यप्रदेश के रीवा जिले से ठगी का एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया है। यहां के समान थाना अंतर्गत आने वाले एक इलाके में एक लड़की ने फिल्मी अंदाज में दुल्हन बनकर एक लड़के के साथ ठगी की है। बताया जा रहा है कि लड़के और लड़की के बीच फोन से बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ था।

रीवा शहर के समान थाना क्षेत्र से एक सनसनी खेज वारदात सामने आई है। यहां पर एक युवक शादी के नाम पर ठगी का शिकार हुआ है। ठगी का शिकार हुआ दूल्हा थाने पहुंचा और लुटेरी दुल्हन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। बताया गया कि बीते दिनों पीड़ित युवक का विवाह तय हुआ था। शादी से पहले होने वाली ओली की रश्म किराए के मकान में रह रही युवती के यहां संपन्न हुई। इस रश्म में मिले जेवर, रकम साड़ी समेत अन्य समाग्री लेकर लुटेरी दुल्हन अपने मां के साथ चंपत हो गई। दरअसल, जुड़वानी निवासी अशोक तिवारी की शादी समान थाना क्षेत्र में किराए का कमरा लेकर रहने वाली पूजा तिवारी के साथ तय हुई थी। युवती की मां ने उसके गांव के एक व्यक्ति से शादी की चर्चा की थी, उसके कुछ दिनों बाद उस व्यक्ति ने अपने परिचित अशोक तिवारी का पूजा तिवारी और उसकी मां से अशोक का संपर्क कराया, जिसके बाद शादी तय हुई। बीते गुरुवार को शादी से पहले होने वाली रश्म ओली हुई। युवक के परिवार ने शादी के पहले दुल्हन को शगुन की सामग्री जेवर, रकम और अन्य समग्री सौंपी और वहां से चले गए। दूल्हा पहुंचा थाने, दर्ज कराई शिकायत-लेकिन ओली की रश्म होने के चंद घंटों बाद ही लुटेरी दुल्हन पूजा तिवारी अपनी मां के साथ ओली की रश्म में मिली समाग्री लेकर फरार हो गई। घटना की जानकारी जैसे ही पीड़ित परिवार को लगी तो आनन-फानन में पहले तो उन्होंने ठग महिलाओं की तलाश की और जब उनकी कोई जानकारी नहीं मिली तो तत्काल पीड़ित ने इसकी शिकायत समान थाने में दर्ज कराई है।

20 नागरिक अभी हमास के कब्जे में : थाईलैंड

तेल अवीव। थाईलैंड ने शनिवार को कहा कि उसके 20 नागरिक अभी भी हमास के कब्जे में हैं। शुक्रवार को, हमास ने 13 इजरायली बंधकों को रिहा कर दिया, जिनमें 10 थाईलैंड के नागरिक और एक फिलीपीन नागरिक शामिल थे, जबकि इजरायल ने कतर की मध्यस्थता में हमास और इजरायल के बीच हुए समझौते के तहत 39 फिलिस्तीनियों को रिहा किया। थाईलैंड ने कहा कि वह हमास के कब्जे वाले अपने सभी नागरिकों की रिहाई के लिए काम करेगा। ईरान ने 10 थाईलैंड नागरिकों और एक फिलीपीन नागरिक की रिहाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

चीन में फैली बीमारी खतरनाक? बढ़ते मामलों के बीच बड़ी जानकारी

बीजिंग। चीन में बच्चों में बढ़ रही बीमारी को लेकर वहां के स्वास्थ्य मंत्रालय का बयान आया है। इसके मुताबिक फेफडों के इस संक्रामक रोग के पीछे कई रोगजनक जीवाणु हैं। शुरुआत में इसके पीछे किसी वायरस के होने की आशंका जताई गई थी।

इस बात ने चिंता बढ़ा दी थी। चीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता मी फेंग ने रविवार को प्रेस कांफ्रेंस में कहाकि मामलों में इजाफे के पीछे इंफ्लुएंजा एक बड़ा कारण है। इसके अलावा राइनोवायरस, माइकोप्लाज्मा निमोनिया और रेस्पिरेटरी सिंसाइटियल वायरस भी फैल रहे हैं।

परेशान न होने की बात कही– फेंग ने कहाकि देश में मेडिकल सप्लाई की गारंटी होनी चाहिए और मेडिकल ट्रीटमेंट की सुविधाओं में इजाफा भी होना चाहिए। गौरतलब है चीन में बच्चे बड़े पैमाने पर फेफड़े की बीमारी से ग्रसित हो रहे हैं। परेशान लोग अपने बच्चों को डॉक्टर को दिखाने के लिए घंटों लाइन में लगे नजर आ रहे हैं। चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन और बीजिंग चिल्ड्रेन हॉस्पिटल ने गुरुवार को विश्व स्वास्थ्य संगठन को बताया कि अस्पतालों में मरीजों को दिखाने और भर्ती होने के मामले बढ़े हैं। हालांकि बीमारी की वजह को लेकर कोई चिंता की बात नहीं कही गई है।

डब्लूएचओ ने मांगी थी रिपोर्ट– चीन में अनजान निमोनिया की चपेट में आने के बाद बच्चे अस्पताल में भर्ती होने लगे थे। इसके बाद डब्लूएचओ ने इस बीमारी को लेकर वहां से डिटेल रिपोर्ट मांगी थी। डब्लूएचओ ने कहा है कि साल के इस समय के लिए बीमारी का लेवल अधिक है। सदियों के दौरान सांस के रोगों का बढ़ना असामान्य नहीं है। साथ ही लोगों से कहा गया है कि रिस्क कम करने के लिए बेसिक सावधानियां बरती जाएं। इसके अलावा यह भी कहा गया है कि फिलहाल के हालात के आधार पर यात्रा प्रतिबंध की कोई जरूरत नहीं है।

डॉक्टर दे रहे चेतावनी

गौरतलब है कि चीन में डॉक्टर हफ्तों से 'वॉकिंग निमोनिया' के मामलों में संभावित इजाफे को लेकर वॉर्निंग दे रहे हैं। लोकल चीनी मीडिया ने किंडरगार्टन और प्राइमरी स्कूल के बच्चों के बीच माइकोप्लाज्मा से संक्रमण बढ़ने की लगातार सूचना दी है। यह रोगाणु मजबूत इम्यून सिस्टम वाले बड़े बच्चों और वयस्कों में केवल हल्के सर्दी की वजह बनता है। वहीं, छोटे बच्चों में निमोनिया होने का खतरा होता है, जो लक्षणों के साथ हफ्तों तक रहता है।

आज का इतिहास

1001 –गजनी के सुल्तान महमूद के साथ हुई लड़ाई में जयपाल की हार।
1795 –एक बांग्ला नाटक का कलकत्ता के एजरा स्ट्रीट में स्टेज पर पहली बार सार्वजनिक मंचन किया गया।
1815 –पोलैंड साम्राज्य ने संविधान अपनाया।
1895 –अल्फ्रेड नोबेल ने नोबेल पुरस्कार की स्थापना की।
1907 –प्रसिद्ध कवि और लेखक हरिवंश राय बच्चन का जन्म। आज की पीढ़ी उन्हें भले अमिताभ बच्चन के पिता के तौर पर जानती हो, लेकिन हिंदी साहित्य में उनका योगदान सदैव सराहा जाता रहेगा।
1912– अल्बानिया ने राष्ट्रीय ध्वज अपनाया।
1932 –पोलैंड और तत्कालीन सोवियत संघ ने अनाक्रमण समझौते पर हस्ताक्षर किया।
1940 –ब्रूस ली का जन्म। सान फ्रांसिस्को में जन्मे और हांगकांग में पले बढ़े ब्रूस को मार्शल आर्ट में महारत हासिल थी और उन्होंने 70 के दशक में मार्शल आर्ट पर आधारित बहुत सी फिल्मों में काम किया और इस कला का दुनियाभर में प्रसार किया।
1948 –राष्ट्रीय कैडेट कोर ऱ्एनसीसी–की स्थापना।

हैदराबाद एक स्मारक पट्टिका का विमोचन करेंगे मोदी

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1945 में श्री रामचंद्र मिशन की स्थापना करने वाले और बाबूजी के नाम से मशहूर शाहजहांपुर के रामचंद्र जी महाराज की 125वीं जयंती के अवसर पर रविवार को हैदराबद एक स्मारक पट्टिका का विमोचन करेंगे। प्रधानमंत्री का हैदराबाद शहर के बाहरी इलाके में स्थित श्री रामचंद्र मिशन और हार्टफुलनेस का वैश्विक मुख्यालय कान्हा शांति वनम जाने का कार्यक्रम है। वह कान्हा शांति वनम में सुविधा केंद्र का एक निर्देशित दौरा भी करेंगे। पिछले 78 वर्षों से, रामचंद्र मिशन वैश्विक समुदाय को ध्यान की शिक्षा मुफ्त में प्रदान कर रहा है।

मोदी को खुद भी मीठा बोलना चाहिए : भूपेश

नई दिल्ली। राजनीतिक सरगर्मियों और सियासी बयानबाजी के बीच छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मोदी और भाजपा नेताओं के बयानों पर सवाल खड़े किए। राहुल गांधी को निर्वाचन आयोग की तरफ से भेजे गए नोटिस पर एक सवाल के जवाब में कांग्रेस नेता भूपेश बघेल ने कहा कि जब मूर्खों का सरदार जैसे बयान दिए जाते हैं, तो किसी को बुरा नहीं लगता। उन्होंने पीएम मोदी को मीठा बोलने की नसीहत दी और कहा कि जो उन्हें खुद के लिए पसंद नहीं, वैसे शब्दों का इस्तेमाल दूसरों के लिए भी नहीं किया जाना चाहिए।

तेलंगाना में शहीदों की आकांक्षाएं अधूरी : शाह

हैदराबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार के कार्यकाल में राज्य के लोगों की अधूरी आकांक्षाओं पर चिंता व्यक्त की। शाह ने यहां संवाददाताओं से तेलंगाना के लोगों की कड़ी मेहनत के बावजूद प्रदेश के स्वाभिमान एवं सुभिक्षा तेलंगाना के आदर्शों और यहां के शहीदों की आकांक्षाएं अधूरी हैं। उन्होंने युवाओं, दलितों और पिछड़े समुदायों के बीच व्याप्त असंतोष पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने मतदाताओं से 30 नवम्बर को भाजपा को अपना भरपूर समर्थन देने का आह्वान किया। उन्होंने तेलंगाना और राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में मतदाताओं की भूमिका पर जोर दिया तथा सकारात्मक परिवर्तन के लिए उनसे भाजपा को मौका देने के लिए पर विचार करने का आग्रह किया।

तुर्किए ने इराक में पीकेके के ठिकानों पर हवाई हमला किया

अंकारा, (एजेंसियां)। तुर्किए की सेना ने उत्तरी इराक में सीमा पार ऑपरेशन के तहत प्रतिबंधित कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) के 17 ठिकानों पर हवाई हमले किए। तुर्किए रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक ऑपरेशन मेटिना, हाकुर्क, गारा और कंदील क्षेत्रों में चलाया गया, जिसमें 19 गुफाओं, कैश और आश्रयों को निशाना बनाया गया, जहां माना जाता है कि पीकेके के वरिष्ठ सदस्य रहते हैं। बयान में कहा गया कि हवाई हमले में कई आतंकवादी भी मारे गये हैं। बयान में निहित शब्दों में 'निष्प्रभावी' शब्द का उपयोग किया गया है यानी की कथित 'आतंकवादियों' ने या तो आत्मसमर्पण कर दिया है, मारे गए हैं, या पकड़े गए हैं।

27 नवम्बर को गुरुनानक जी के प्रकाश पर्व पर प्रकाशनार्थ

हरमिंदर साहिब, अमृतसर का यात्रा संस्मरण

– मिर्ज़ा जाहिद बेग

दुनिया के सभी धर्म अपने पवित्र ग्रंथों में समस्त मानवता के लिए करुणा और प्रेम का सन्देश देते हैं लेकिन इन धर्म ग्रंथों को आम तौर पर कोई अन्य धर्मावलम्बी नहीं पढ़ता वो इनके अनुयायियों को देखता है और उस धर्म के बारे में, उसके दूतों, अवतारों और पैगंबरों के बारे में अपनी राय क़ायम करता है। मेरा अपना अनुभव और मानना है कि इस मामले में सिख धर्म के अनुयायी अन्य धर्मों के अनुयायियों से अक्सर बेहतर साबितहुए हैं। पंद्रहवीं शताब्दी में गुरु नानक देव जी द्वारा सिखी की स्थापना से ही सिखों ने सम्पूर्ण मानवता की सेवा और राष्ट्रप्रेम के अनुपम प्रतिमान स्थापित किये हैं यद्यपि अपने धर्म की स्थापना से ही उन्होंने अत्याचार का दंश झेला है। शुरुआत में मुगलों ने अपने राजनैतिक मक़सद के लिए उनका दमन किया। विभाजन के समय भी सबसे ज़्यादा हिंसा उन्हीं के ख़िलाफ़ हुई। इंदिरा जी की हत्या से उपजे आक्रोश के फलस्वरूप उन्हें जान और माल का अपूरणीय नुक़सान हुआ पर सलाम इस क़ौम को कि उनके दिल में किसी धर्म के प्रति कटुता स्थायी रूप से जग़ह नहीं बना पाई। व्यक्तिगत तौर पर आप किसी भी सिख से मिलिए उसकी गर्मजोशी और मृदु व्यवहार आपको इस क़ौम का क़ायल बना देगा। अपने गुरुओं की सीख को उन्होंने पूरी तरह आत्मसात किया हुआ है। खालसा एड इंटरनेशनल के सेवा कार्यों के बारे में तो अब लगभग सारी दुनिया जान ही चुकी है। आप दुनिया के किसी भी गुरूद्वारे में चले जाइये वहां का आत्मीय माहौल, सेवा की परम्परा और हर मज़हब के दर्शनार्थियों के लिए निरंतर चलते लंगर आपको अपना मुरीद बना लेंगे। जब तक आप दर्शन कर के बाहर आएंगे सेवादार आपके जूते चमका देंगे, आपको पता भी नहीं चलेगा की आपके जूते चमकाने वाला कौन है? हो सकता है की वह विदेश में रहने वाला कोई अरबपति सिख या आईएएस-आईपीएस हो। मेरा सौभाग्य रहा है कि मुझे हरमिंदर साहिब से लेकर हिन्दी पट्टी के अधिकांश गुरुद्वारों में गुरुग्रंथ साहिब का दर्शन करने और उसका पाठ सुनने का शर्फ़ हासिल हुआ है। मैं जहां भी पर्यटन के लिए गया अगर वहां गुरुद्वारा है तो मेरे क़दम बेखुदी में उस ओर उठ ही गए। यूं कहिये कि गुरूद्वारे मुझे अपनी ओर खींचते हैं। इस बारे में एक व्यक्तिगत अनुभव आपके साथ साझा करना चाहता हूँ। हम सपरिवार जनवरी 2010 में इंदौर से अमृतसर,दिल्ली, आगरा और फतेहपुर सीकरी पर्यटन के लिए निकले। इंदौर से पहला पड़ाव अमृतसर था। लगभग शाम के 5 बजे ट्रेन इंदौर से निकली। हमारे कूपे में सामने वाली बर्थ पर एक छोटा सा सिख परिवार बैठा था – माँ, उनका नौजवान बेटा और एक किशोरवय बेटी। उनके पिता और चाचा पकिस्तान से लरकाना साहिब में मत्था टेक कर 3 दिन बाद आने वाले थे और वे उन्हें लिवाने के लिये अमृतसर जा रहे थे।

नानक नाम चढ़दी कलां-तेरे

जैसा कि अमूमन ट्रेन यात्राओं में होता है परिचय की शुरुआत आप कहाँ जा रहे हैं से हुई। जैसे ही उन्हें पता चला की हम मुस्लिम हैं और हरमिंदर साहिब दर्शन के लिए जा रहे हैं वो इतने प्रसन्न और अभिभूत हुए की उसको बयाँ करना मुश्किल है। पंजाबी अपने खाने/खिलाने के शौक के लिए पूरी दुनिया में मशहूर हैं आप यक़ीन नहीं करेंगे दोस्तों अमृतसर तक लगभग 35 घंटों के सफर में उन्होंने हमें 35 रूपये भी खर्च नहीं करने दिए। इतना सारा और इतनी तरह का खाना ले कर वो चले थे कि पूरे सफर के दौरान हम अपना टिफ़िन निकाल ही नहीं पाए। यही नहीं अपने परिजनों के लिए स्वर्णमंदिर परिसर के बाहर ट्रस्ट की धर्मशाला में आरक्षित एसी कक्ष 24 घंटे के लिए हमें उपलब्ध करा दिया, अपने साथ हरमिंदर साहिब के दर्शन कराये और बाघा सरहद तक लेकर गये।

दूसरे दिन हम स्वर्ण मंदिर परिसर में शाम को टहल रहे थे। मग़रिब की नमाज़ का वक़्त हो गया था, मैं टहलता हुआ बच्चों से थोड़ा दूर आ गया था। बेटे ने मुझ से आ कर कहा–डैडी मम्मी नमाज़ पढ़ने का बोल रही हैं। मैंने कहा–ठीक है परिसर के बाहर चलते हैं। तब तक श्रीमती जी भी वहां आ गईं और कहा कि इतनी भीड़ है बाहर निकलने में और कमरे तक पहुँचने में एक घंटे से ज़्यादा वक़्त लग जायेगा और नमाज़ कज़ा हो जायगी।

अब में सकपकाया मुझे पता था कि उन्होंने किशोरावस्था के बाद अब तक शायद एक नमाज़ भी नहीं छोड़ी थी। वे बोलीं –यहीं कही पढ़ लें। मैं सिखों और मुस्लिमों के रक्त–रंजित इतिहास को जानता था। यद्यपि यह भी जानता था की 1588 में गुरु अर्जन साहिब ने लाहौर के एक मुस्लिम फ़क़ीर(सूफी संत) हजरत मियां मीर जी से हरमिन्दर साहिब की नींव रखवाई थी पर यह भी सत्य है की पिछले 422 सालों में पंजाब की पांचो नदियों में दोनों क़ौमों का बहुत रक्त बह चुका था। घर से लगभग 2000 किलोमीटर दूर हजारों सिखों के बीच उनके सबसे पवित्र धर्म–स्थल पर बीबी–बच्चों को नमाज़ पढ़ने का कहने की मेरी हिम्मत नहीं हुई। शायद पढ़ा–लिखा होना इंसान को पूर्वाग्रही भी बना देता है। हमारी इस उहापोह को वहाँ तैनात एक सेवादार ने भांप लिया और हिन्दी मिश्रित गुरुमुखी में मुझसे कहा –बोलें क्या बात है ?

मेरे कुछ कहने से पहले ही बिटिया ज़ेनिफ़र ने उन्हें सारा माज़रा कह सुनाया। सेवादार महाशय मुस्कराये और बोले– तो इसमें क्या दिक़्क़त है? बस, फिर क्या था पवित्र सरोवर मेरे परिवार के लिए वज़ुख़ाना बन गया। सेवादार ने भीड़ को एक तरफ़ किया। दिशा भ्रम होने के कारण हमें बताया कि मग़रिब (पश्चिम) किस तरफ़ है। अपने उत्तरीय को पवित्र सरोवर में डुबो कर नमाज़ पढ़ने के स्थान को पोंछा, जब तक श्रीमती जी और बच्चे नमाज़ पढ़ते रहे, वे अपनी चिर–परिचित नीले रंग की पोशाक में चार फ़ीट लम्बी तलवार क़मर से लटकाये वहीं खड़े रहकर नमाज़ियों के सामने से लोगों को निकलने से रोके रहे ज़रा तसव्वुर कीजिये मित्रों दुनिया के सबसे पवित्र सिख धर्मस्थल पर हज़ारों सिखों के बीच में मेरा परिवार हरमिंदर साहिब में अपने रब की बारग़ाह में सज़्दा कर रहा था। बेटे के सर पर टोपी के स्थान पर अकाल तख़्त के प्रतीक वाला भगवा सरोपा (रुमाला) बंधा हुआ था।

बिटिया और श्रीमती जी के सर पर हिज़ाब था। उन तीन नमाज़ियों के एहतराम में निहंग सर पर पगड़ी और क़मर में तलवार बांधे खड़ा था। यह एक कल्पनातीत दृश्य था। जिसका चित्रण करना नामुमकिन है। जो संवेदनशील होंगे उन्हें दिख रहा होगा कि इन नमाज़ियों, उस निहंग और वहाँ से ख़ामोशी से गुज़र रहे दर्शनार्थियों पर अल्लाह की रहमत के साथ–साथ तमाम प्रात:स्मरणीय गुरुओं और मियां मीर का आशीर्वाद भी बरस रहा था बच्चों की नमाज़ के बाद मैंने अपनी भीग आई आँखों की कोर को पोंछा और उस मोहब्बत के फ़रिश्ते से मुसाफ़ा(दोनों हाथ मिलाना) कर उसका शुक्रिया अदा किया। सेवादार महाशय कोई गल नी जी, कोई गल नीकहते हुए वापस अपने काम में लग गये। हम भी मोहब्बत और सर्वधर्म समभाव का एक अमिट पाठ अपने हृदय पर अंकित कर वहाँ से विदा हुए।

सुडोकू 6388

				9	8		3	
		7				2		
	8	3						4
	7		1	8	6			
		1		7		3		
			2	3	5		6	
8						6	9	
		6				7		
	2		6	1				

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6388

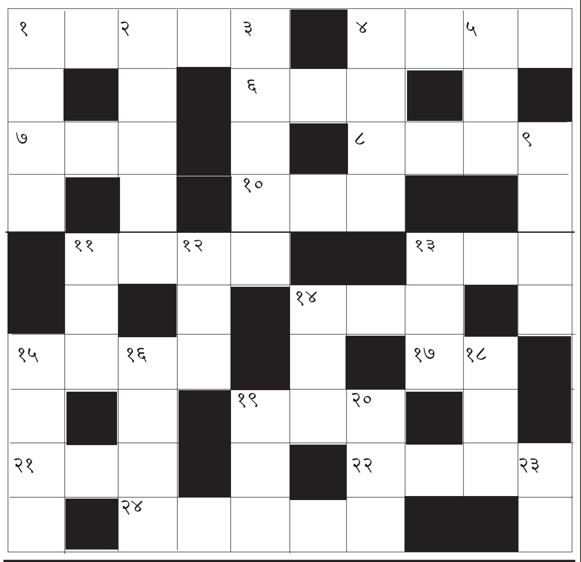

बायें से दायें:–

१. छै माह में होने वाला, छ:माही
४. असंगत, बेमेल, संबंधहीन
६. एक प्रकार का नेत्ररोग, जिसमें रोगी को रात में कुछ दिखाई नहीं देता
७. अपराध, दोष, कसूर (उर्दू)
८. श्रेष्ठ नर्तकत शिव
१०. बिचौलिया, बीच में स्थित
११. डरावना
१३. घृणा उत्पन्न करने वाला, घिनौना साहित्य में प्रयुक्त एक रस
१४. साधुओं का भोज
१५. मधुरध्वनि, पक्षियों के चहचहाने की आवाज
१७. नवीन, नवल
१९. स्वर्ण, धतूरा
२१. वृद्धि होना
२२. चलते–चलते सहसा रुक जाना
२४. छ: माह का समय जिसमें सूर्य, विषुवत रेखा से दक्षिण की ओर रहता है

ऊपर से नीचे:–

१. दोष, ऐब, बुराई
२. बायें हाथ से काम करने वाला
३. कमल जैसे सुंदर हाथ
४. मातहत
५. बधिर
९. किसी के जन्मदिन पर मनाने वाला समारोह
११. नाकाम
१२. कमल
१३. उजाड़, जनशून्य (उर्दू)
१४. भंग करना, तोड़ना, नाश, क्षय
१५. हाथ जोड़ कर या हाथ बांधे हुए
१६. यु द्ध में होने वाली आवाज
१८. मांगने वाला, प्रार्थी
१९. दया, अनुकंपा
२०. मुश्किल
२३. अनेक

वर्ग पहेली–6387

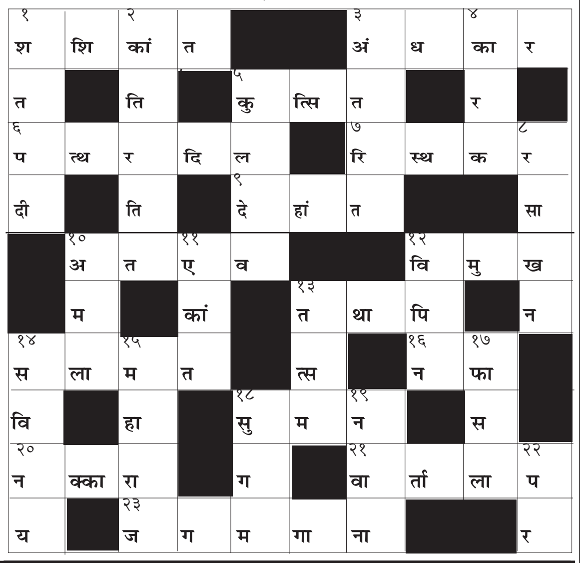

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

सर्वे | राजस्थान विधानसभा चुनाव में ढूंढाड़ रहा सत्ता का केंद्र

ढूंढाड़ ने राज्य को दो मुख्यमंत्रियों के साथ दिए कई बड़े क्षत्रप

जयपुर, (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा चुनाव में ढूंढाड़ को सत्ता का केंद्र माना जाता है। इस क्षेत्र ने राज्य को दो मुख्यमंत्रियों (हीरा लाल शास्त्री और टीका राम पालीवाल) के साथ कई बड़े क्षत्रप भी दिए हैं। ढूंढाड़ में जयपुर, दौसा, टोंक और सवाई माधोपुर जिले आते हैं। इस क्षेत्र में 32 विधानसभा सीटे हैं।

ढूंढाड़ में जातिगत समीकरण भी बहुत ज्यादा प्रभाव रखते हैं। यहां का शहरी इलाका भाजपा का गढ़ रहा है। खास तौर पर जयपुर में आने वाली सीटों पर भाजपा की अच्छी पकड़ बनाई है। हालांकि, पिछले चुनाव में यहां कांग्रेस मजबूत रही। ढूंढाड़ में सामान्य वर्ग के बनिया, राजपूत और ब्राह्मण हमेशा भाजपा के साथ रहे हैं। लेकिन, यहां की कई सीटों पर एससी/एसटी का भी दबदबा है। एसटी वर्ग के बड़े क्षत्रप किरोड़ी लाल मीणा, नमो नारायण मीना, जसकौर मीना जैसे नेता इसी क्षेत्र ने दिए हैं। इस क्षेत्र की कई सीटों पर गुर्जर समुदाय की संख्या भी अच्छी खासी है। राजनीतिक एक्सपर्ट कहते हैं कि 2018 के चुनाव में गुर्जरों ने कांग्रेस को एकतरफा वोट दिया था। यही वजह थी कि कांग्रेस ने इस क्षेत्र में जीत हासिल की। लेकिन, इस बार कांग्रेस की राह यहां आसान नहीं है। क्योंकि, सचिन पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनाए जाने के कारण गुर्जर वोटर कांग्रेस से नाराज बताए जा रहे हैं। इस नाराजगी को दूर करने के लिए गहलोत और पायलट को साथ आना पड़ गया। 2008 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने यहां 11 सीटों पर जीत दर्ज की थी, जबकि कांग्रेस के खाते में 13 सीट आई थी। निर्दलीय उम्मीदवारों ने 5, बहुजन समाज पार्टी ने 2 और लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी ने 1 सीट पर जीत दर्ज की थी। 2013 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने इस क्षेत्र में 28 सीटें जीतीं थी। नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने दो सीटों पर जीत दर्ज की थी, जबकि कांग्रेस और निर्दलीय को एक–एक सीट मिली थी। 2018 में चुनाव में कांग्रेस ने यहां जोरदार वापसी करते हुए 20 सीटों पर कब्जा किया, जबकि भाजपा और स्वतंत्र उम्मीदवारों को 6–6 सीट पर जीत मिली थी। हाड़ौती को भाजपा का सबसे मजबूत किला माना जाता है। ये पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और अशोक गहलोत सरकार के वरिष्ठ मंत्री शांति धारीवाल का इलाका है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी इसी हड़ौती इलाके से आते हैं। हाड़ौती ने राजस्थान को दो मुख्यमंत्री भी दिए है। पूर्व सीएम भैरोसिंह शेखावत और वसुंधरा राजे। वसुंधरा राजे झालावाड़ की झालरापाटन सीट से विधायक और उनके पुत्र दुष्यंत सिंह झालावाड़ सीट से सांसद हैं। भाजपा के पूर्व सीएम भैरोसिंह शेखावत भी बारां से चुनाव लड़ चुके हैं। हाड़ौती की बात करें तो इसमें चार जिले कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ आते हैं। इन जिलों में विधानसभा की 17 सीटें हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने यहां की 10 और कांग्रेस ने सात सीटों पर कब्जा जमाया था।

■ पिछले चुनाव में कांग्रेस ने बदले समीकरण

खेल जगत

सिनर ने जोकोविच डेविस कप जीत का सिलसिला तोड़ा

मलागा, स्पेन इटली के जानिक सिनर ने तीन मैच प्वाइंट बचाकर नोवाक जोकोविच को 6-2, 2-6, 7-5 से हरा दिया। शनिवार को यहां खेले गये डेविस कप सेमीफाइनल में सिनर ने जोकोविच को हराते हुए इटली को सर्बिया के साथ 1-1 की बराबरी पर ला दिया। अब इस मुकाबले का विजेता सिनर आज होने वाले फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के टेनिस खिलाड़ी से मुकाबला करेगा। जोकोविच और सिनर अंतिम युगल मुकाबले में वापसी करेंगे। 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच पर 6-2, 2-6, 7-5 से जीत के बाद सिनर ने कहा, यह एक अविश्वसनीय मैच था, हम इस प्रतियोगिता से बाहर होने से एक अंक दूर थे और हम अभी भी यहां हैं।

ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 236 रनों का लक्ष्य

तिरुवनंतपुरम। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 53 रन, ऋतुराज गायकवाड़ 58 रन और उसके बाद इशान किशन 52 रनों के अर्धशतकों तथा रिकूं के नौ गेंदों में 31 रनों की बेहतरीन पारी की बदौलत भारत ने पांच टी-20 मैचों की श्रृंखला में दूसरे मुकाबले में रविवार को ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 236 रनों का लक्ष्य दिया है।

आज यहां ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। बल्लेबाजी करने उतरी भारत की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 5.5 ओवरों में 77 रन जोड़ कर टीम को जोरदार शुरुआत दी। एलिस ने जम्पा के हाथों कैच कराकर यशस्वी जायसवाल 53 रन को पवेलियन भेज कर भारत को पहला झटका दिया। जायसवाल ने 25 गेंदों में नौ चौके और दो छक्कों की मदद से 53रन बनाये। उसके बाद बल्लेबाजी करने आये इशान किशन ने आक्रामक रूख अख्तियार करते हुए 32 गेंदों में तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से 52 रन ठोक डाले। उन्हें स्टॉयनिस ने एलिस के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दो छक्कों की मदद से 10 गेंदों में 19 रन बनाये। उन्हें एलिस की गेंद पर स्टॉयनिस ने कैच आउट किया। 20 ओवर की दूसरी गेंद पर ऋतुराज गायकवाड़ 58 रन पर चौथे विकेट के रूप में आउट हुये। उन्होंने अपनी पारी में तीन चौके और दो छक्के लगाये। रिंकू सिंह नौ गेदों में 31 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी आतिशी पारी में चार चौके और दो छक्के लगाये। तिलक वर्मा सात रन बनाकर नाबाद रहे।

भारत ने टी-20 मुकाबले के निर्धारित 20 रनों में 235 रनों का ऐतिहासिक स्कोर खड़ा

यशस्वी को फ्री होकर खेलने की भूमिका दी गई है : अभिषेक नायर

तिरुवनंतपुरम। भारत के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी अभिषेक नायर का मानना है कि यशस्वी जयसवाल को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा टी20 सीरीज में सहजता से खेलना जारी रखना चाहिए क्योंकि उन्हें लगता है कि बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज को स्वतंत्रता के साथ खेलने की भूमिका दी गई है। विशाखापत्तनम में शुरुआती टी20 में मैट शॉर्ट का शिकार बनने से पहले यशस्वी जयसवाल ने 262.5 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ आठ गेंदों में दो चौकों और इतने ही छक्कों की मदद से 21 रन बनाए। इस साल अगस्त में अपने डेब्यू के बाद से नौ मैचों के टी20 करियर में जयसवाल ने 166.44 की स्ट्राइक-रेट से 253 रन बनाए हैं। यशस्वी के बारे में बात करते हुए अभिषेक नायर ने जियो सिनेमा पर कहा, यही उसकी ताकत है। वह ऐसा खिलाड़ी नहीं है जिसे जमने में बहुत अधिक समय नहीं लगता है। मुझे लगता है कि उसे स्वतंत्रता के साथ खेलने के लिए भूमिका दी गई है। वह घरेलू क्रिकेट में मुंबई और आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए भी इसी तरह खेलता है। यदि आप एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो सहज रूप से आक्रामक है, तो आपको वैसा ही रहना चाहिए। उसी मैच में स्टैंड-इन कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 42 गेंदों में 80 रनों की तेज पारी खेली। जबकि, विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने 39 गेंदों में 58 रन बनाए और रिंकू सिंह ने 14 गेंदों में नाबाद 22 रन बनाकर भारत को लक्ष्य तक पहुंचाया। 209 का लक्ष्य, इस प्रारूप में उनका अब तक का सबसे बड़ा सफल चेज भी था। भारत के पूर्व लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने सूर्या के बारे में कहा, उन्होंने पहले टी20 मैच में कप्तानी पारी खेली। उन्होंने अपनी ताकत के अनुसार खेला और अपने दृष्टिकोण में कोई बदलाव नहीं किया। जब भारत गेंदबाजी कर रहा था तो कप्तानी का दबाव दिख रहा था।

राजस्थान और पंजाब का मौजूदा स्क्वॉड घोषित

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर और ओबेड मैककॉय की जोड़ी को राजस्थान रॉयल्स ने रिलीज कर दिया है। जबकि, श्रीलंका के बाएं हाथ के बल्लेबाज भानुका राजपक्षे और भारत के अनकैप्ड ऑलराउंडर शाहरुख खान को पंजाब किंग्स ने रिलीज कर दिया है। राजस्थान ने 12 भारतीयों और पांच विदेशी खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। इस सप्ताह की शुरुआत में घोषणा की थी कि शीर्ष क्रम के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल को लखनऊ सुपर जाइंट्स ने ट्रेड किया है, जिसके बदले में तेज गेंदबाज अवेश खान फ्रेंचाइजी में शामिल हुए थे।

कप्तान संजू सैमसन, रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्र चहल की भारतीय स्पिन जोड़ी, इंग्लैंड के सफेद गेंद के कप्तान जोस बटलर, न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट, एडम ज़म्पा, वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शिम्रोन हेटमेयर और कैप्ड भारतीय खिलाड़ी प्रसिद्ध कृष्णा, नवदीप सैनी, यशस्वी जयसवाल, संदीप शर्मा और कुलदीप सेन को फ्रेंचाइजी ने बरकरार रखा है। टीम ने युवा ऑलराउंडर रियान पराग के साथ-साथ दक्षिण अफ्रीका के डोनोवन फरेरा, उत्तर प्रदेश के ध्रुव जुरेल और राजस्थान के कुणाल सिंह राठौड़ की विकेटकीपर-बल्लेबाज तिकड़ी को भी जारी रखा है। होल्डर के अलावा, मैककॉय, जो रूट (पहले बाहर हो गए), अब्दुल बासिथ, आकाश वशिष्ठ, कुलदीप यादव, एम अश्विन, केसी करियप्पा और केएम आसिफ अन्य रिलीज किए गए खिलाड़ी हैं। राजस्थान के पास अब 14.5 करोड़ रुपये का पर्स है, जबकि पंजाब का शेष पर्स 24.1 करोड़ रुपये है।

आरआर के क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा ने कहा, हर साल, यह एक कठिन समय होता है क्योंकि आपको कुछ ऐसे खिलाड़ियों को छोड़ना पड़ता है जिन्होंने टीम और उसके माहौल में बहुत योगदान दिया है। हम इस अवसर पर

उनकी हर चीज के लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहते हैं। राजस्थान ने 10 खिलाड़ियों को रिलीज किया। जो रूट, अब्दुल बासिथ, जेसन होल्डर, आकाश वशीष्ठ, कुलदीप यादव, ओबेड मैकॉय, मुरुगन अश्विन, केसी करियप्पा, केएम आसिफ के नाम शामिल हैं। 10वें खिलाड़ी देवदत्त पडिक्कल हैं, जिन्हें लखनऊ को ट्रेड किया है। उनकी जगह आवेश खान को शामिल किया गया है।

राजस्थान रॉयल्स का मौजूदा स्क्वॉड : संजू सैमसन, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, कुणाल सिंह राठौड़, डोनावोन फरेरा, ध्रुव जुरेल, जोस बटलर, रियान पराग, रविचंद्रन अश्विन, युजवेंद्र चहल, कुलदीप सेन, प्रसिद्ध कृष्णा, नवदीप सैनी, ट्रेंट बोल्ट, एडम जाम्पा, आवेश खान।

पीबीकेएस के सीईओ सतीश मेनन ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, यह तय करना बहुत मुश्किल था कि किसे रिलीज किया जाए और किसे नहीं। आखिरकार, ऐसी स्थिति आ गई जहां हमें कुछ खिलाड़ियों को रिलीज करना पड़ा क्योंकि हमारे पास रिलीज करने के लिए कुछ स्लॉट थे।

पंजाब किंग्स का मौजूदा स्क्वॉड : शिखर धवन (कप्तान), जॉनी बेयरस्टो, प्रभसिमरन सिंह, हरप्रीत भाटिया, जितेश शर्मा, शिवम सिंह, अथर्व ताइदे, सिकंदर रजा, ऋषि धवन, हरप्रीत बराड़, लियम लिविंगस्टोन, सैम करन, कगिसो रबाडा, राहुल चाहर, अर्शदीप सिंह, नाथन एलिस, विद्धवत कवेरप्पा।

राहुल का आउट होना भारत के लिए सबसे बड़ा झटका था : इरफान पठान

नई दिल्ली। भारत के बाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप फाइनल में विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल

राहुल के आउट होने का मतलब था कि मेजबान टीम आगे नहीं बढ़ पाएगी। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 92,453 की भीड़ के सामने राहुल ने सर्वाधिक 66 रन बनाए। लेकिन, उन्होंने 107 गेंदें खेलीं और केवल एक बार बाउंड्री लगाने में सफल रहे क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने उन पर और विराट कोहली पर कड़ी पकड़ बनाए रखी।

इसका नतीजा रहा कि यह जोड़ी कभी भी गति नहीं पकड़ पाई और भारत ने मात्र 240 रन बनाए। जिसे ऑस्ट्रेलिया ने ट्रैविस हेड के 137 और मार्नस लाबुशेन के नाबाद 58 रनों की बदौलत 43 ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने अपना छठा विश्व कप खिताब जीता।

इरफान पठान ने कहा, यह कठिन था क्योंकि भारतीय टीम पीछे की ओर देख रही थी। वो जडेजा और सूर्यकुमार यादव से अंतिम ओवरों में उम्मीद लगा रही थी। जब केएल राहुल आउट हुए तो मुझे लगता है कि यही वह समय था जब भारत स्कोर

> **यह कठिन था क्योंकि भारतीय टीम पीछे की ओर देख रही थी। वो जडेजा और सूर्यकुमार यादव से अंतिम ओवरों में उम्मीद लगा रही थी। जब केएल राहुल आउट हुए तो मुझे लगता है कि यही वह समय था जब भारत स्कोर में ज्यादा आगे नहीं बढ़ सकता था: इशान किशन**

में ज्यादा आगे नहीं बढ़ सकता था। पठान ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, जब उन्हें पता चला कि कोई कवर नहीं है, कोई मिड-ऑफ नहीं है। वे अपने पैरों का थोड़ा और इस्तेमाल कर सकते थे और स्ट्राइक रोटेट करने की कोशिश कर सकते थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को मौका दिया। यहां तक कि ट्रेविस हेड और मार्श ने भी गेंदबाजी की और भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाया। ऑस्ट्रेलिया ने ऐसी पिच और स्थान पर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था जहां शाम को ओस आएगी, जिससे लक्ष्य का पीछा करना आसान हो जाएगा। उनके पास बेहतरीन फील्डर हैं जिन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। कमिंस भारतीय बल्लेबाजों को नियंत्रण में रखने के लिए कई विविधताएं ला रहे थे, जिससे पठान को विश्वास हो गया कि उनकी अच्छी तरह से बनाई गई योजनाओं के कारण ऑस्ट्रेलिया मैच में हमेशा आगे रहा।

पठान ने कहा, मुझे लगता है कि भारत एक बेहतर योजनाबद्ध खेल में हार गया। ऑस्ट्रेलिया एक बेहतर योजनाबद्ध टीम थी। टॉस से लेकर जिस तरह से उन्होंने योजना बनाई, मुझे नहीं लगता कि कोई अन्य टीम उस तरह की योजना के करीब पहुंच सकती है।

पंत, वार्नर, शॉ और अक्षर को दिल्ली ने किया रिटेन

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने रविवार को आईपीएल 2024 रिटेंशन डे पर ऋषभ पंत, डेविड वार्नर, पृथ्वी शॉ, अक्षर पटेल और मिचेल मार्श को रिटेन किया है। जबकि, फ्रेंचाइजी ने रोवमैन पॉवेल, सरफराज खान और मुस्तफिजुर रहमान समेत 11 खिलाड़ियों को रिलीज कर दिया है।

आईपीएल 2023 में बल्ले से खराब प्रदर्शन के बाद पृथ्वी शॉ को दिल्ली कैपिटल्स रिटेन करेगी या नहीं, इस पर कुछ अटकलें थीं। लेकिन फ्रेंचाइजी ने उन्हें बरकरार रखा है। जबकि मनीष पांडे, सरफराज खान, चेतन सकारिया, रिपल पटेल, कमलेश नागरकोटी और अमन खान को रिलीज कर दिया गया है। डीसी द्वारा जारी किए गए हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों में पॉवेल का नाम रहमान और रिले रोसौव के साथ सबसे ऊपर है। अगले महीने दुबई में होने वाली आईपीएल नीलामी से पहले, डीसी के पास अब 28.95 करोड़ रुपये का पर्स है। उनके पास टीम में नौ स्थान शेष हैं, जिनमें से पांच विदेशी हैं।

रिटेन किए गए खिलाड़ी : ऋषभ पंत, प्रवीण दुबे, डेविड वार्नर, विक्की ओस्टवाल, पृथ्वी शॉ, एनरिक नॉर्टजे, अभिषेक पोरेल, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, लुंगी एनगिडी, ललित यादव, खलील अहमद, मिचेल मार्श, ईशांत शर्मा, यश ढुल और मुकेश कुमार।

रिलीज किए गए खिलाड़ी : रोवमैन पॉवेल, रिले रोसौव, मनीष पांडे, सरफराज खान, फिल साल्ट, मुस्तफिजुर रहमान, कमलेश नागरकोटी, रिपल पटेल, अमन खान, प्रियम गर्ग और चेतन सकारिया।

मुंबई इंडियंस में जाने की अटकलों के बीच गुजरात टाइटंस ने हार्दिक को किया रिटेन

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस ने अपने कप्तान हार्दिक पांड्या को बरकरार रखा है। जिससे उनके मुंबई इंडियंस में वापस जाने की अटकलों पर विराम लग गया है। हार्दिक सहित 18 खिलाड़ियों को रिटेन करने के अलावा। जीटी ने आठ खिलाड़ियों को रिलीज़ किया है। जिनमें शिवम मावी और अल्जारी जोसेफ का नाम भी शामिल है।

पिछले कुछ दिनों से हार्दिक के मुंबई वापस जाने की अटकलें तेज हो गई थीं। हार्दिक और मुंबई इंडियंस के बीच एक खास रिस्ता है। ये वही टीम है जहां उन्होंने 2015 में अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी। हार्दिक एक अनकैप्ड खिलाड़ी से एक तेज गेंदबाज के रूप में मुंबई के महत्वपूर्ण सदस्य बन गए। इतना ही नहीं, वह 2015, 2017, 2019 और 2020 में टीम के लिए आईपीएल खिताब जीतने वाले खिलाड़ी हैं। हालांकि, आईपीएल 2022 की मेगा नीलामी से पहले मुंबई ने उन्हें रिलीज़ कर दिया।

फिर, गुजरात टाइटंस ने उनका हाथ थामा और उन्हें टीम की कप्तानी भी सौंपी। हार्दिक ने भी इस मौके का पूरा फायदा उठाते हुए दमदार प्रदर्शन किया और ट्रॉफी परकब्जा जमाया। पहले ही सीजन में ट्रॉफी जीतने के बाद हार्दिक अगले सीजन में उप-विजेता रहे। हार्दिक अभी गुजरात के साथ हैं। लेकिन, आईपीएल ट्रेड विंडो अभी भी 12 दिसंबर तक खुली है।

जीटी रिटेन खिलाड़ी : डेविड मिलर, शुभमन गिल, मैथ्यू वेड, ऋद्धिमान साहा, केन विलियमसन, हार्दिक पांड्या, अभिनव मनोहर, बी. साई सुदर्शन, दर्शन नालकांडे, विजय शंकर, जयंत यादव, राहुल तेवतिया, मोहम्मद शमी, नूर अहमद, आर साई किशोर, राशिद खान, जोश लिटिल और मोहित शर्मा।

जीटी रिलीज खिलाड़ी : यश दयाल, केएस भरत, शिवम मावी, उर्विल पटेल, प्रदीप सांगवान, ओडियन स्मिथ, अल्ज़ारी जोसेफ और दासुन शनाका।

सार संक्षेप

फिर शुरू हुआ इजरायल फुटबॉल प्रीमियर लीग

जेरूसलम। हमास और इजरायल के बीच छिड़ी जंग के बाद इजरायल फुटबॉल प्रीमियर लीग 7 अक्टूबर को निलंबित होने के बाद फिर से शुरू हो गया है। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, लीग पहले दौर के मैच के साथ लौटा जिसमें मौजूदा चैंपियन मकाबी हाइफा ने उत्तरी शहर हाइफा के सैमी ओफर स्टेडियम में हापोएल पेटाह टिकवा को 2-1 से हराया। सुरक्षा कारणों से दर्शकों की एंट्री मैच में बैन है, जो मूल रूप से 26 अगस्त के लिए निर्धारित था। यूईएफए चैंपियंस लीग में हाइफ़ा के क्वालीफाइंग मैचों के कारण इसे स्थगित कर दिया गया और युद्ध के कारण फिर से पुनर्निर्धारित किया गया। पांचवें दौर के बाद संघर्ष ने लीग को रोक दिया और छठे दौर के मैचों को 2 और 3 दिसंबर के लिए पुनर्निर्धारित किया गया है। इज़राइल बास्केटबॉल सुपर लीग, जिसे पहले दौर के केवल एक गेम के बाद निलंबित कर दिया गया था, 28 नवंबर को फिर से शुरू होने वाला है।

रश्मिका ने जीता अपना पहला आईटीएफ खिताब

बेंगलुरु। राष्ट्रीय चैम्पियन रश्मिका भामीदिपति ने रविवार को महिला विश्व टेनिस टूर के फाइनल में जील देसाई को हराकर अपना पहला आईटीएफ खिताब जीता। आज यहां बॉरिंग इंस्टीट्यूट कोर्ट में भारतीय खिलाड़ियों के बीच हुए फाइनल मुकाबले में रश्मिका ने 6-0, 4-6, 6-3 की जीत दर्ज करते हुए 3935 डॉलर की पुरस्कार राशि और 50 डब्ल्यूटीए अंक अपने नाम किये। देसाई को 2107 अमेरिकी डॉलर और 30 डब्ल्यूटीए अंक प्राप्त हुए। रश्मिका ने देसाई पहला सेट आसानी से 6-0 से जीत लिया। लेकिन सेट में देसाई ने वापसी करते हुए प्रतिद्वंद्वी की सर्विस तोड़ दी। इसके बाद रश्मिका ने चौथे और पांचवें गेम में सर्विस रखते हुए 3-2 से बढ़त बना ली। देसाई ने फिर वापसी करते हुए लगातार तीन गेम जीतकर सेट 6-4 से हासिल किया।

वेस्टइंडिज के आलराउंडर डैरेन ब्रावो ने इंटरनेशनल क्रिकेट को कहा अलविदा

पोर्ट ऑफ स्पेन। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से पहले वेस्टइंडीज टीम में नजरअंदाज किए जाने के बाद बल्लेबाज डैरेन ब्रावो ने घोषणा की है कि वह कैरेबियाई क्रिकेट से दूर हो जाएंगे।

ब्रावो 2023 सुपर50 कप में अग्रणी रन-स्कोरर थे, जहां उन्होंने त्रिनिदाद और टोबैगो की कप्तानी करते हुए खिताब जीता था।

नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए ब्रावो ने टूर्नामेंट में 83.20 की औसत और 92.03 की स्ट्राइक रेट से 416 रन बनाए।

ब्रावो ने इंस्टाग्राम पर अपने बयान में लिखा, मैंने इस पर विचार करने के लिए काफी समय लिया है कि एक क्रिकेटर के रूप में आगे बढ़ने के लिए मेरा अगला कदम क्या होगा। मेरे करियर के इस मोड़ पर यह आसान नहीं है या मुझे कहना चाहिए कि ऊर्जा, जुनून, प्रतिबद्धता और तलाश जारी रखने के लिए बहुत कुछ करना पड़ता है।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखते हुए साफ बताया कि उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट से किनारा कर लिया है

ताकि युवा खिलाड़ियों के लिए टीम में जगह बन सके, उन्हें मौके मिल सके। डैरेन ब्रावो ने ये भी लिखा की उन्हें बिना किसी बातचीत के अंधकार में रखा गया।

2012 पुरुष टी20 विश्व कप जीतने वाली वेस्टइंडीज टीम के सदस्य ब्रावो, सुपर50 कप के पिछले सीज़न में त्रिनिदाद और टोबैगो के लिए अग्रणी रन-गेटर भी थे। लेकिन अच्छा प्रदर्शन वेस्टइंडीज टीम में जगह पाने के लिए पर्याप्त नहीं था। अगले महीने से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाले वनडे मैचों में उन्हें जगह नहीं मिली।

डैरेन ब्रावो ने कहा, अभी के समय में तीनों फॉर्मेट्स में अलग अलग खिलाड़ी देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। करीब 40-45 खिलाड़ी हैं। रन बनाने के बावजूद मैं किसी टीम में नहीं हूं। मैंने हार नहीं मानी है। बस मैंने इससे हटने का फैसला किया है। सभी को भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

डैरेन ने 2009 से 2022 तक वेस्टइंडीज के लिए 122 वनडे, 56 टेस्ट और 26 टी20 मैच खेले हैं। उनके बाहर होने के कारण उनके भाई, महान तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो ने भी सेलेक्टर्स पर हमला बोला है। खासकर मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेन्स के खिलाफ, क्योंकि घरेलू सर्किट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद डैरेन ब्रावो को नजरअंदाज किया जा रहा है।

रोहित के लिए बुरा लग रहा है, वह वर्ल्ड कप का हकदार था : मिचेल मैक्लेघन

देहरादून। चार बार के आईपीएल विजेता और मुंबई इंडियंस के पूर्व गेंदबाज मिचेल मैक्लेघन ने कहा है कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा बड़े मैच या टूर्नामेंट से पहले काफी तैयारी करते हैं और वह वनडे विश्व कप ट्रॉफी के हकदार हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खचाखच भरी भीड़ के सामने भारत को हराकर छठा पुरुष क्रिकेट विश्व कप जीता। रोहित शर्मा, जो हाल ही में संपन्न मार्की इवेंट के दौरान शानदार फॉर्म में थे, वो फाइनल में मिली हार के बाद भावुक नजर आए। मैक्लेनाघन छह साल तक मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी चक्र के प्रमुख सदस्य रहे। उन्हें भारत के विश्व कप हारने के बाद रोहित शर्मा लिए बहुत बुरा लग रहा है। हालांकि, कीवी पेसर ने यह भी बताया कि ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल मुकाबला कैसे जीता। लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) में मणिपाल टाइगर्स के लिए खेल रहे हैं मैकक्लेनाघन ने मीडिया से कहा, आपको ऑस्ट्रेलिया को श्रेय देना होगा, क्योंकि टूर्नामेंट में उनकी शुरुआत बहुत खराब रही और कई लोगों ने उनकी आलोचना की। लेकिन, उन्होंने भारत में काफी खेला है और पिछले साल भी वे अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहे थे, जिसका फायदा उन्हें फाइनल में मिला। फाइनल या कोई भी बड़ा मैच टीम को उसके गेंदबाज जिताते हैं, क्योंकि बल्लेबाजों पर काफी प्रेशर होता है। आईपीएल 2024 रिटेंशन डे से पहले, न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ने मुंबई इंडियंस के सेट-अप में फिर से शामिल होने की इच्छा व्यक्त की, लेकिन एक अलग भूमिका में। उन्होंने कोचिंग पहलू की अपनी समझ को बढ़ाने के लिए कोचिंग पाठ्यक्रमों से गुजरने का उल्लेख किया। मौजूदा लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) 2023 में मैक्लेनाघन दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज जैक्स कैलिस के खिलाफ खेलने का अपना सपना भी पूरा कर रहे हैं।

सुडोकू 6388 का हल

2	6	4	7	9	8	5	3	1
5	9	7	3	4	1	2	8	6
1	8	3	5	6	2	9	7	4
3	7	2	1	8	6	4	5	9
6	5	1	9	7	4	3	2	8
9	4	8	2	3	5	1	6	7
8	1	5	4	2	7	6	9	3
4	3	6	8	5	9	7	1	2
7	2	9	6	1	3	8	4	5

कृषि जगत

गुलाब की खेती कैसे करे

गुलाब का पौधा आकार में 4 से 5 फिट तक लम्बा होता है, इसके फूल वाले भाग को छोड़ दे तो बाकी सभी जगह टहनी और तना दोनों पर ही कांटे लगे होते है । गुलाब की खेती को देश में लगभग सभी जगह उगाया जा सकता है । कुछ लोग इसे मुनाफे के लिए उगाते है, तो कुछ लोग इसे सुंदरता के लिए अपने घरो, बागो बगीचों, सरकारी या निजी इमारतों तथा ऑफिस एरिया जैसी जगहों पर भी उगाते है । व्यापारिक नजरिये से इसे खेतो और पॉलीहाउस में उगाते है, जिससे वह इससे अच्छी कमाई कर सके ।

गुलाब की खेती के लिए उपयुक्त मिट्टी– गुलाब की खेती में सही भूमि का होना बहुत आवश्यक होता है । इसके लिए हमें ऐसी जगह का चुनाव करना चाहिए जहा पानी की सुविधा पूर्ण रूप से हो, तथा भूमि को चुनते समय इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि बारिश के मौसम में किसी तरह का जल–भराव न हो । जलभराव अधिक होने से पौधों के ख़राब होने की सम्भावना बढ़ जाती है । छायादार जगह का भी ध्यान रखना चाहिए क्योकि छाया का प्रभाव इसकी खेती को प्रभावित करता है । जिससे सूर्य का प्रकाश सीधे पौधों पर पड़ सके और वह अच्छे से विकास कर सके गुलाब की खेती को किसी भी तरह की मिट्टी में किया जा सकता है, किन्तु कुछ ऐसी भी मिट्टियां होती है जिनमे इसकी खेती को करना सम्भव नहीं है, लेकिन पोलीहाउस के उपयोग ने इन समस्याओं का भी समाधान कर दिया है । वर्तमान समय में पोलीहाउस का इस्तेमाल कर गुलाब की खेती को देश के अधिकतर हिस्सों में किया जाने लगा है । पोलीहाउस का प्रयोग कर काफी तरह की फसलो को उगा कर अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है । यदि आप पालीहाउस का प्रयोग नहीं कर रहे है तो आपको गुलाब की खेती के लिए दोमट मिट्टी की आवश्यकता होती है । इसके अतिरिक्त काली मिट्टी में भी इसकी फसल को कर सकते है । गुलाब की खेती में भूमि का क्ष॥. मान 5.5 से 6.5 के मध्य होना चाहिए ।

गुलाब की खेती में उपयुक्त जलवायु और तापमान– गुलाब की खेती में अधिकतम तापमान 30 डिग्री तथा न्यूनतम 15 डिग्री तक का होना चाहिए । कश्मीर जैसे अत्यधिक ठन्डे प्रदेशों में इसकी खेती को नहीं किया जा सकता है । क्योकि इसकी खेती में सामान्य तापमान वाली जगह की आवश्यकता होती है । किन्तु भारत के उत्तरी क्षेत्रों के कुछ प्रदेशो में इसकी खेती को सर्दियों के मौसम में भी किया जा सकता है । क्योकि गर्मियों के समय यहां का तापमान काफी अधिक हो जाता है और तेज गर्म हवाए भी चलती है । जो कि गुलाब के फूल के लिए काफी हानिकारक होती है । इसलिए यहां इसकी खेती को सर्दियों के मौसम में किया जाता है । यदि तापमान का ठीक से ध्यान रखा जाये तो इसे राजस्थान जैसे शुष्क इलाको में भी उगाया जा सकता है ।

खेती के लिए भूमि को कैसे तैयार करे– गुलाब की खेती करने से पहले खेत की अच्छी तरह से जुताई कर पुरानी फसल के बचे हुए सभी अवशेषों को साफ कर दे । इसके बाद खेत को अच्छे से जोत कर कुछ दिन के लिए ऐसे ही छोड़ दे । इससे सूर्य की गर्मी भूमि के अन्दर तक अवशोषित हो जाती है, इसके लिए खेत को 3 से 4 बार तक और जोत दे । इसके बाद गोबर की पुरानी खाद को खेत में डालकर जुताई कर अच्छे से मिला दे । सुपर फास्फेट का खेत में छिडकाव करे और दीमक से बचाव के लिए फालीडाल पाउडर या कार्बोफ्यूरान 3 प्रतिशत का छिड़काव करे । इसके बाद खेत में एक बार फिर से जुताई कर दे जुताई के बाद खेत में क्यारियों को तैयार कर ले फिर उनमे पानी भर दे । इसके बाद खेत में पौधों के निकलने का इंतजार करे ।

गुलाब की उन्नत किस्में – किसी भी फसल को बोने से पहले उसकी उन्नत किस्म का चयन कर लेना चाहिए । अलग – अलग जगहों के हिसाब से गुलाब की भिन्न–भिन्न किस्मे पायी जाती है । जिसका चयन हमे खेती करते समय करना होता है । पहले के समय में भारत में इसकी केवल एक परंपरागत किस्म को उगाया जाता था, किन्तु आज संकरण के जरिये इसकी कई किस्मो को तैयार कर लिया गया है । गुलाब की अलग – अलग किस्मो को दुनिया के कई देशो जैसे – इंग्लैंड, अमेरिका, आयरलैंड, जर्मनी, जापान, फ्रांस, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया आदि से मंगाया जाता है । गुलाब की देशी किस्मो में रंग के आधार पर कई किस्म मौजूद है, जिसका लोग अधिक मात्रा में उत्पादन भी करते है । सफ़ेद फूल में पायी जाने वाली देशी किस्मे होमी भाभा, पूसा सोनिया, विरंगों, डिवाइन लाइट मौजूद है । वही लाल रंग की देशी किस्मो की बात करे तो इसमें पापामिलाड, हेपिनेस, क्रीमसन, ग्लोरी, रक्त गंधा, भीम, अनुपमा और ग्लेडिएटर आदि किस्में मौजूद है, तथा पीले देशी रंग के फूलो में चितवन, लिंडोस, पूर्णिमा जैसी किस्में मौजूद है फूलो की इन सभी किस्मो को एक खास तरह की श्रेणी में रखा गया है ।

पपीते की खेती की जानकारी

पपीता, विश्व के उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में उगाया जाने वाला महत्वपूर्ण फल है। केला के पश्चात प्रति ईकाई अधिकतम उत्पादन देने वाली एवं औषधीय गुणों से भरपूर फलदार पौधा है। पपीता को भारत में लाने का श्रेय डच यात्री लिन्सकाटेन को जाता है जिनके द्वारा पपीता के पौधे वेस्टइंडीज से सन् 1575 में मलेशिया लाया फिर वहां से भारत आया। बड़वानी में भी लगभग 958 हे. क्षेत्रफल में पपीते की व्यावसायिक खेती की जा रही है। बड़वानी जिले की लाल तथा पीली किस्में प्रसिद्ध हैं पपीते के फलों से पपेन तैयार किया जाता है। जिसका प्रसंस्कृत उत्पाद हेतु उपयोग किया जाता है। पपीता प्यूरी का भी बड़ा निर्यातक है।

जलवायु और मृदा

पपीता एक उष्ण कटिबंधीय जलवायु वाली फसल है जिसको मध्यम उपोष्ण जलवायु जहां तापमान 10–26 डिग्री सेल्सियस तक रहता है तथा पाले की संभावना न हो, इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है। पपीता के बीजों के अंकुरण हेतु 35 डिग्री सेल्सियस तापमान सर्वोत्तम होता है। ठंड में रात्रि का तापमान 12 डिग्री सेल्सियस से कम होने पर पौधों की वृद्धि तथा फलोत्पादन पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। पपीता की खेती के लिए 6.5–7.5 पी. एच मान वाली हल्की दोमट या दोमट मिट्टी जिसमें जल निकास अच्छा हो सर्वाधिक उपयुक्त होती है

पपीते की महत्वपूर्ण किस्में

पपीते की किस्मों का चुनाव खेती के उद्देश्य के अनुसार किया जाना चाहिए जैसे कि औद्योगिक रूप से महत्व की किस्में जिनके कच्चे फलों से पपेन निकाला जाता है, पपेन किस्में कहलाती हैं इस वर्ग में महत्वपूर्ण किस्में सीओ– 2, सीओ–5 एवं सीओ–7 है। इसके साथ दूसरा महत्वपूर्ण वर्ग है टेबिल वैरायटी या जिनको पकी अवस्था में काटकर खाया जाता है। इस वर्ग को पुन: दो भागों में बांटा गया है ।

पारंपरिक पपीते की किस्में– पारंपरिक पपीते की किस्मों के अंतर्गत बड़वानी लाल, पीला, वाशिंगटन, मधुबिन्दु, हनीड्यू, कुर्ग हनीड्यू , को 1 एवं 3 किस्में आती हैं। नई संकर किस्में उन्नत गाइनोडायोसियस/ उभयलिंगी किस्म इसके अंतर्गत निम्न महत्वपूर्ण किस्में आती है:– पूसा नन्हा, पूसा डेलिशियस, सीओ–7 पूसा मैजेस्टी, सूर्या।

पपीते में एकीकृत रोग प्रबंधन तकनीकी

तना गलन (तने तथा जड़ के गलने की बीमारी) –

डम्पिंग ऑफ (आर्द्र गलन) –

प्रबंधन– रोग से बचने के लिए पपीते के बीजों का उपचार बुवाई पूर्व सेरेसान या एग्रोसान जीएन से उपचारित करें तथा नर्सरी को फार्मेल्डिहाइड के 2.5 प्रतिशत घोल से ड्रेंचिंग करें या उपचारित करें।

रिंग स्पॉट वायरस – इस रोग का कारण विषाणु है जो कि माहू द्वारा फैलता है। इस रोग के गंभीर आक्रमण की स्थिति में 50–60 प्रतिशत तक हानि हो जाती है। जिस कारण पत्तियों पर क्लोरोसिस दिखाई देता है पत्तियां कटी – कटी दिखाई देती हैं तथा पौधे की वृद्धि रूक जाती है।

लीफकर्ल – यह भी विषाणु जनित रोग है जो कि सफेद मक्खी के द्वारा फैलता है जिस कारण पत्तियां मुड़ जाती है इस रोग से 70–80 प्रतिशत तक नुकसान हो जाता है।

नियंत्रण – स्वस्थ पौधों का रोपण करें। रोगी पौधों को उखाड़कर खेत से दूर गड्ढे में दबाकर नष्ट करें। सफेद मक्खी के नियंत्रण हेतु अनुसंशित कीटनाशक का प्रयोग करें।

पपीते की पौध तैयार करने की तकनीक तथा बीज की मात्रा

पपीते के 1 हेक्टेयर के लिए आवश्यक पौधों की संख्या तैयार करने के लिए परंपरागत किस्मों का 500 ग्राम बीज एवं उन्नत किस्मों का 300 ग्राम बीज की मात्रा की आवश्यकता होती है। पपीते की पौध क्यारियों एवं पालीथिन की थैलियों में तैयार की जा सकती है। क्यारियों में पौध तैयार करने हेतु क्यारी की लंबाई 3 मीटर, चैड़ाई 1 मीटर एवं ऊंचाई 20 सेमी रखें। प्लास्टिक की थैलियों में पौध तैयार करने के लिए 200 गेज मोटी 20 गुना 15 सेमी आकर की थैलियां (जिनमें चारों तरफ एवं नीचे छेद किए गए हो) में वर्मीकंपोस्ट, रेत, गोबर खाद तथा मिट्टी के 1:1:1:1 अनुपात का मिश्रण भरकर प्रत्येक थैली में 1 या 2 बीज बोएं।

खेत की तैयारी तथा रोपण तकनीक

पौध रोपण पूर्व खेत की तैयारी मिट्टी पलटने वाले हल से जुताई कर 2–3 बार कल्टीवेटर या हैरो से जुताई करें तथा समतल कर लें। पूर्ण रूप से तैयार खेत में 45345345 सेमी आकार के गड्ढे 232 मीटर (पंक्ति – पंक्ति एवं पौध से पौध) की दूरी पर तैयार करें।

पोषक तत्व प्रबंधन तकनीक

200 ग्राम नत्रजन, 250 ग्राम फास्फोरस और 250 ग्राम पोटाश प्रति पौधा प्रतिवर्ष 3–4 बराबर भागों में बांटकर दें।

सिंचाई एवं खरपतवार प्रबंधन तकनीक

पपीता के पौधों की अच्छी वृद्धि तथा अच्छी गुणवत्तायुक्त फलोत्पादन हेतु मिट्टी में सही नमी स्तर बनाए रखना बहुत जरूरी होता है। नमी की अत्याधिक कमी का पौधों की वृद्धि फलों की उपज पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। सामान्यत: शरद ऋतु में 10–15 दिन के अंतर से तथा ग्रीष्म ऋतु में 5–7 दिनों के अंतराल पर आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। सिंचाई की आधुनिक विधि ड्रिप तकनीकी अपनाएं।

अंतरवर्तीय फसलें

पपीते बाग में अंतरवर्तीय फसलों के रूप में दलहनी फसलों जैसे मटर, मैथी, चना, फ्रेंचबीन व सोयाबीन आदि ली जा सकती। मिर्च, टमाटर, बैंगन, भिण्डी आदि फसलों को पपीते पौधों के बीच अंतरवर्तीय फसलों के रूप में न उगायें।

फलों की तुड़ाई तथा पैकिंग

पपीत के पूर्ण रूप से परिपक्व फलों को जबकि फल के शीर्ष भाग में पीलापन शुरू हो जाए तब डंठल सहित तुड़ाई करें। तुड़ाई के पश्चात् स्वस्थ, एक से आकार के फलों को अलग कर लें तथा सड़े–गले फलों को अलग हटा दें।

पपीते में पौध संरक्षण

एफिड – प्रबंधन तकनीक – मिथाइल डेमेटान या डायमिथिएट की 2 मिली मात्रा/ ली. पानी में मिलाकर पौध रोपण पश्चात् आवश्यकतानुसार 15 दिन के अंतर से पत्तियों पर छिड़काव करें।

लाल मकड़ी – प्रबंधन – पौधे पर आक्रमण दिखते ही प्रभावित पत्तियों को तोड़कर दूर गड्ढे में दबाएं। वेटेबल सल्फर 2.5 ग्राम/ ली. या डाइकोफॉल 18.5 ईसी की 2.5 मिली या ओमाइट 1.5 मिली मात्रा/ ली. पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

पपीते की उत्पादकता बढ़ाने के उपाय

1 पपीते की व्यावसायिक खेती में उभयलिंगी किस्मों जैसे सूर्या (भारतीय बागवानी अनु. सं. बैंगलोर) सनराइज सोलो, रेडी लेडी –786 के साथ किचिन गार्डन के लिए पूसा नन्हा, कुर्ग हनीड्यू, पूसा ड्वार्फ, पंत पपीता 1, 2 एवं 3 के चयन को प्राथमिकता दें।

रसचूसक कीटों के प्रभाव वाले क्षेत्रों में पपीते को अक्टूबर में रोपण करें तथा पौधों की नर्सरी कीट अवरोधी नेट हाउस के भीतर तैयार करें।

खाद व उर्वरक की संतुलित मात्रा 250 ग्राम नत्रजन, 250 ग्राम स्फुर तथा 250 –500 ग्राम पोटाश प्रति पौधा/वर्ष प्रयोग करें। सिंचाई के लिए ड्रिप सिंचाई पद्धति अपनाएं।

फसल में रसचूसक कीटों के नियंत्रण हेतु फेरोमेन ट्रेप, प्रकाश प्रपंच का प्रयोग करें तथा नीम सत्व 4 प्रतिशत का छिड़काव करें।

पपीते के पौधों को 30 सेमी उठी मेड़ पर 2 गुणा 2 मीटर की दूरी पर रोपाई करें। तथा अंतरवर्तीय फसल के रूप में मिर्च, टमाटर, बैंगन न लगाएं।

पपीते के फल एवं उपज

अच्छी तरह वैज्ञानिक प्रबंधन करने पर प्रति पौधा 40–50 किलो उपज प्राप्त हो जाती है। पपीते की प्रति हेक्टेयर राष्ट्रीय स्तर पर उत्पादकता 317 क्विं/हे. है।

पपीते के बगीचे में फर्टीगेशन

पपीते के पौधों जिनको फरवरी में उठी हुई क्यारी पर लगाया गया हो ड्रिप सिंचाई व्यवस्था का उपयोग करें तथा जल विलेय उर्वरकों जैसे 19:19:19 को सिंचाई जल के साथ ड्रिप में देने से उर्वरक की बचत के साथ–साथ उसकी उपयोग क्षमता में भी वृद्धि होती है तथा पौधों को आवश्यकतानुसार एवं शीघ्र पोषक तत्व उपलब्ध होने से उपज तथा गुणवत्ता दोनों में वृद्धि होती है।

पपीते की मार्केटिंग

पपीते के पूर्ण विकसित फलों को न्यूज़ पेपर के टुकड़ों में लपेटकर उचित तरीके से सामान आकार के फलों को कैरेट में पैक कर स्थानीय एवं सुदूर बाजार में भेजा जाता है।

चमेली की खेती की जानकारी

रोग एवं रोकथाम

डैमपिंग आफ– यह बीमारी राइजोकटोनिया सोलेनाई कवक का प्रकोप होने पर नर्सरी में होती हैं। इस बीमारी का प्रकोप होने पर नर्सरी में ही पौधों की मृत्यु हो जाती हैं। अधिकतर यह बीमारी नर्सरी में पौधों को बहुत अधिक पानी देने के कारण होती है।

रोकथाम– इसकी रोकथाम के लिए क्यारीयों में बीज की बुवाई करने से पहले क्यारी में किसी भी कापर कवकनाशी (कैप्टान) का घोल (2.2 प्रतिशत सान्द्रता) का ड्रेच करना चाहिए या मिट्टी को फार्मल्डीहाइड नामक रसायन के घोल (2 प्रतिशत सान्दता) से संक्रमित कर देना चाहिए। इस बीमारी का प्रकोप होने के बाद निदान करना बहुत ही कठिन है।

फ्लावर बड़–रॉट– यह बीमारी अधिक आर्द्रता वाले क्षेत्रों में देखी गई है। इस बीमारी से गेंदा फसल की कलियों पर ब्राउन धब्बे पड़ जाते हैं। इस प्रकार की कलियाँ पूर्ण रूप से खिल नहीं पाती हैं।

रोकथाम– इसकी रोकथाम के लिए डाइथेन एम– 45 का.2.2 प्रतिशत सान्द्रता के घोल का छिड़काव करना चाहिए।

कालर रॉट, फूट रॉट एवं रूट रॉट– यह बीमारियों राइजोकटोनिया सोलेनाई , फाइटोप्थोरा स्पेशीज, पीथियम स्पेशीज़, इत्यादि कवकों के कारण होती है। कालर राट गेंदा फसल में किसी अवस्था में देखा जा सकता है। फूट रॉट एवं रूट रॉट अधिक आर्द्रता वाले क्षेत्र में तथा क्यारी में अधिक पानी होने के कारण भी होता है।

रोकथाम– इसकी रोकथाम के लिए नर्सरी की मिट्टी को बीज की बुवाई से पहले फार्मल्डीहाइड की घोल से संक्रमित करें, रोग रहित बीज का प्रयोग करें, रोगग्रसित पौधों को उखाड़ दें, बहुत घना नर्सरी या पौध रोपण न करें तथा बुवाई से पहले कैप्टान से बीज को उपचारित करें।

टिंडा की खेती की जानकारी

टिंडा की खेती हमारे देश में समय से की जाती है । परम्परागत टिंडे की खेती की तुलना में टिंडा की वैज्ञानिक तकनीक से खेती करने पर अधिक उपज मिलती है । साथियों आज हम जिस सब्ज़ी के बारे में बात करने जा रहे हैं वह सिर्फ़ अपने स्वाद के लिए नही बल्कि अपने औषधीय गुणों के लिए भी जानी है। यह उत्तर भारत में ख़रीफ़ व गरमी के मौसम में उगायी जाती है । टिंडा की खेती के लिए गर्म व शुष्क जलवायु अच्छी मानी जाती है किंतु गर्म व मृदु जलवायु में भी इसकी खेती आसानी से की जा सकती है। इससे निम्न जलवायु पर इसके बीजों का अंकुरण नही होता है। अंकुरण के लिए 27 से 30 डिग्री सेंटीग्रेट तापमान उपयुक्त होता है।

भूमि की जानकारी व भूमि का चयन –

वैसे तो टिंडा की खेती विभिन्न तरह की मृदाओं में उगाया जा सकता है। अधिक पैदावार व लाभ लेने के लिए इसके लिए जीवाश्म युक्त, रेतीली, व दोमट मृदा सर्वाधिक उपयुक्त होती है। नदी तटों की मिट्टी में भी टिंडे की खेती से लाभ लिया जा सकता है। भूमि का पी0एच0 6–7 बढ़िया माना जाता है।

खाद व उर्वरक – टिंडा की खेती से अधिक पैदावार लेने के लिए रासायनिक उर्वरकों के साथ – साथ कार्बनिक व जैविक रसायनों के उपयोग की आवश्यकता होती है। कार्बनिक उर्वरक के रूप में गोबर की खाद 20–25 टन प्रति हेक्टेयर व 100 किलो ग्राम नाइट्रोजन, 100 किलो ग्राम फ़ोस्फोरस व 50 किलो ग्राम पोटाश की मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें।

खाद व उर्वकों के प्रयोग की विधि –

सबसे पहले गोबर की खाद की पूरी मात्रा को भूमि की तैयारी से पूर्व खेत में मिला दें। इसके बाद नाइट्रोजन की आधी व फ़ोस्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा भूमि में डालकर जुताई कर दें। बची हुई नाइट्रोजन की आधी मात्रा को खड़ी फ़सल में टॉप ड्रेसिंग करें।

बुवाई का समय – टिन्डा की खेती से अधितम लाभ लेने के लिए समय से बुवाई करना बहुत आवश्यक है। देश के उत्तरी मैदानी भागों में टिंडे की खेती साल में दो बार की जाती है। टिंडे की पहली बुवाई फ़रवरी से अप्रैल माह में करें तथा दूसरी खेती के लिए जून – जुलाई में बुवाई करें।

बीज की मात्रा – टिंडा की खेती के लिए उच्च गुणवत्ता वाला, सुडौल, स्वस्थ अच्छी प्रजाति के 4–5 किलो ग्राम बीज की मात्रा पर्याप्त होती है।

बुवाई की विधि –

टिंडे की बुवाई थालों में की जानी चाहिए। लाइन से लाइन की दूरी 2 से 2.5 मीटर व थालों से थालों की आपस की दूरी 1 से 1.5 मीटर रखते हैं। हर थाले में 4–5 बीज की बुवाई करनी चाहिए। बीजों के अंकुरण के बाद, केवल दो स्वस्थ पौधों को छोड़कर बाक़ी के पौधे उखाड़ देने चाहिए। पर्याप्त सघनता होने पर पौधों की बढ़वार अच्छी होती है।

सिंचाई व खरपतवार नियंत्रण –

सिंचाई की संख्या भूमि की क़िस्म व स्थानीय जलवायु पर निर्भर करती है। किसान साथियों टिंडा एक उथली जड़ वाली फ़सल है। इसमें सिंचाई की आवश्यकता अधिक होती है। टिंडे की फ़सल पर पहली सिंचाई अंकुरण के 5 से 8 दिन के अंदर करनी चाहिए। टिंडे में बौछारी विधि से सिंचाई करने पर 28 से 30 प्रतिशत उपज बढ़ायी जा सकती है। साथ ही में विधि से सिंचाई करने पर हम पानी के दुरुपयोग को भी रोक सकते हैं। जल हाई जीवन है। इस बात को हमें हमेशा ध्यान रखना चाहिए। टिंडे की फ़सल पर पहली निराई–गुड़ाई बुवाई के दो सप्ताह बाद करनी चाहिए। निराई के दौरान अवांछित खर पतवारों को उखाड़ दें । साथ ही पौधों की जड़ों में मिट्टी चढ़ा दें। अधिक खरपतवार की दशा में एनाक्लोर रसायन की 1.25 लीटर मात्रा को प्रति हेक्टेयर मात्रा का छिड़काव करना चाहिए। टिंड़े के फल बनने के एक सप्ताह के अंदर तुड़ाई के लिए तैयार हो जाते है। पौधे छोटे व कोमल हों तुड़ाई कर लेनी चाहिए। अन्यथा कड़े फल हो जाने पर फल सब्ज़ी बनाने लायक नही रहते हैं। बाज़ार में उसका उचित मूल्य नही मिलता।

आलू फसल में खाद का प्रबंधन कैसे करें..

आलू उत्पादन में मुख्य पोषक तत्व एनपीके की मात्रा कई बातों पर निर्भर करती है जैसे कि मृदा का प्रकार, उसकी पोषक तत्व धारण करने की क्षमता आलू की किस्म व पोषक तत्व हम किस माध्यम से दे रहे हैं। अनुसंधान व प्रयोगों के आधार पर निष्कर्ष निकाला गया है कि सतपुड़ा पठार क्षेत्रों एनपीके (120,100,100 किग्रा) मात्रा उपयुक्त पाई।

आलू उत्पादन में नाइट्रोजन के लिए सबसे उपयुक्त उर्वरक अमोनिया सल्फेट व अमोनिया नाइट्रेट है इसके बाद कैल्शियम अमोनिया नाइट्रेट, अमोनिया क्लोराइड व यूरिया है। नाइट्रोजन उर्वरक की क्षमता मृदा प्रकार, केटायन एक्सचेंज क्षमता व पीएच द्वारा प्रभावित होती है। जैसे कि यूरिया का उपयोग हम मध्यम अम्लीय मृदा में कैल्शियम अमोनिया नाइट्रेट का उपयोग अम्लीय मृदा में कर सकते हैं। इसके विपरीत क्षारीय मृदाओं में इनका उपयोग नहीं करते।

आलू की फसल पोषक तत्वों के प्रति अधिक सहनशील होती है क्योंकि ये उथली व फैली जड़ों वाली फसल है आलू बहुत अधिक मात्रा में पोषक तत्व ग्रहण करता है अत: पौधे बढ़वार एवं अधिक उत्पादन के लिए इसका उपयुक्त खाद प्रबंधन बहुत ही आवश्यक है नाइट्रोजन, फास्फोरस व पोटेशियम तीन प्रमुख पोषक तत्व है जो आलू उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। नाइट्रोजन के उपायों से पौधों की बढ़वार में महत्वपूर्ण भूमिका के साथ–साथ कंदों की वृद्धि व कंदों के बनने की प्रक्रिया में सहायक होती है जिसके फलस्वरूप अधिक उत्पादन प्राप्त होता है। फास्फोरस पौधे की आंतरिक संरचना के एवं कंदों का आकार एवं संख्या बढ़ाने में सहायक होता है। पोटेशियम कंद का आकार, शुष्क पदार्थ में वृद्धि रोग व कीट के प्रतिरोधक क्षमता उत्पन्न करता है। भारत में आलू का औसत उत्पादन 19 टन/हे. है इसका मुख्य कारण उचित मात्रा में खाद व उर्वरक का उपयोग न करना है।

यूरिया का उपयोग

आलू लगाते समय यूरिया को 50 किग्रा तक नत्रजन यूरिया के द्वारा दे सकते हैं। बाकी का बचा हुआ नत्रजन प्रति हे. मिश्रित खाद द्वारा दें। इससे अधिक नत्रजन यूरिया से देने पर आलू के अंकुरण पर विपरीत प्रभाव होता है। आलू की फसल 30 दिनों की होने पर 20 किग्रा नत्रजन प्रति हे. यूरिया के द्वारा दें एवं मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें। यूरिया का 1.5 प्रतिशत घोल बनाकर 40–45 दिन की फसल पर छिड़काव करने से उपज में वृद्धि होती है।

फास्फोरस की उपलब्धता के लिए उर्वरक व उनका उपयोग

फास्फोरस दूसरा आलू उत्पादन में सीमित पोषक इसकी कमी से पौधों की बढ़वार रूक जाती है मुख्यत: पौधे की प्रारंभिक अवस्था में पौधे गहरे हरे रंग के ही हो जाते हैं व पत्तियां गिरने लगती हैं। फास्फोरस के उपयोग से जड़ के विकास में सहायता मिलती है। फास्फोरस की मात्रा मृदा में उपलब्धता व मृदा स्थिरीकरण की क्षमता निर्भर करता है। आलू उत्पादन में फास्फोरस की मात्रा 80–180 किग्रा/हे. उपयोग की जाती है। और यह मात्रा जगह पर निर्भर करती है। जैसे पंजाब, उत्तरप्रदेश व बिहार की एल्यूवियल मृदा में इसकी 50–150 किग्रा/हे. की मात्रा उपयोग की जाती है। वहीं तराई मृदाओं जैसे रांची आदि में 190 किग्रा/हे. फास्फोरस लगता है।

सतपुड़ा पठारी क्षेत्रों में फास्फोरस 100 किग्रा/हे. दर से आलू कंद लगाने के पूर्व डाला जाता है। फास्फोरस की उपलब्धता के लिए पानी में घुलनशील फास्फोरस उर्वरक जैसे सुपर फास्फेट और डाई अमोनिया फास्फेट (डीएपी) का उपयोग अधिक प्रभावी होता है। आलू कंद को 1.5 प्रतिशत सुपर फास्फेट + 0.5 यूरिया + 0.2 प्रतिशत मेंकोजेब घोल में उपचारित करने से फास्फोरस की आवश्यकता में 50 प्रतिशत तक की कमी आती है।

पोटेशियम

पोटेशियम तत्व की कमी से कंद की गुणवत्ता के साथ उसकी रसायनिक संरचना पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। पोटेशियम का उपयोग दो बार 50 प्रतिशत आलू लगाते समय व बाकी का 50 प्रतिशत मिट्टी चढ़ाते समय डालें इसके कंद की संख्या व उपज दोनों में वृद्धि होती है। पोटेशियम के उपयोग का प्रभाव आलू की ठंड की फसल में अधिक दिखाई देता है।

आलू में सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग

आलू के पौधे को एन.पी.के. के अलावा द्वितीय पोषक तत्व जैसे कैल्शियम, मेग्निशियम, सल्फर व सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे आयरन, जिंक, मैगनीज, कॉपर, बोरान व माल्बिडेनम की आवश्यकता भी होती है। एन्डीसॉल्स प्रकार की मृदा में अगर हम आलू की खेती करते हैं उसमें सूक्ष्म पोषक तत्व की मात्रा बहुत कमी होती है जिसमें जिंक सबसे कम इसके बाद आयरन, कॉपर, मैंगनीज, बोरान व माल्बिडेनम की कमी पायी जाती है सूक्ष्म पोषक तत्वों के उपयोग से आलू की उपज व कंदों की गुणवत्ता दोनों में ही वृद्धि होती है।

प्रकाशक–गिरिराज चाचा, मुद्रक–मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक–अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय–4006577 व्यवस्था – 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक–एसएसपी जबलपुर /04/2020–2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

प्रदेश के पांच जिलों में बारिश, 14 जिलों में भारी बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी

आने वाले दिनों में पड़ेगी कड़ाके की ठण्ड

जबलपुर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में रविवार को मौसम बदल गया। पांच शहरों में बारिश हुई। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में प्रदेश के 14 जिलों में भारी बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है। इसके लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

उत्तर भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का असर अब प्रदेश के कई शहरों में दिखने लगा है। ठंडी हवाओं के चलने से अब रात में पारा पारा गिरने लगा है। आने वाले दिनों में प्रदेश के कई शहरों में सर्दी बढ़ने का अनुमान लगाया जा रहा है। मौसम विभाग ने रविवार को जानकारी दी कि उत्तर भारत में बने पश्चिमी विक्षोभ के कारण प्रदेश के पांच शहरों में बारिश दर्ज की गई। सोमवार को 14 शहरों में भारी बारिश और ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो इस गतिविधि के कारण अभी दिन के तापमान में गिरावट आएगी। हालांकि हवाओं के साथ नमी आने से रात में तापमान में ज्यादा गिरावट नहीं होगी। 30 नवंबर के बाद एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। ऐसे में दिसंबर के पहले सप्ताह में कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना नहीं है। प्रदेश में सबसे ठंडा उमरिया रहा। यहां न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

खरगोन में सबसे ज्यादा बारिश

रविवार को प्रदेश के पांच शहर खरगोन, रतलाम, इंदौर, धार, उज्जैन में बारिश हुई। इस दौरान खरगोन में 24 मिलीमीटर, रतलाम में 18, इंदौर में 7, धार में 7 और उज्जैन में 3 मिमी बारिश दर्ज की गई। अगले 24 घंटे में खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, उज्जैन और देवास में भारी बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की गई है। इसके अलावा बुरहानपुर, खंडवा, मंदसौर, रतलाम, सीहोर और हरदा में गरज चमक के साथ बारिश होने का अनुमान जताया गया है। इसके अलावा भोपाल, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, गुना, राजगढ़, जबलपुर, बैतूल, नीमच, सिवनी, मदमोह, सागर, विदिशा, रायसेन में गरज चमक के साथ बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है।

मतगणना का दिन शुष्क दिवस घोषित

जबलपुर, देशबन्धु। जिला दण्डाधिकारी एवं कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन ने जिले में कानून व्यवस्था बनाये रखने विधानसभा चुनाव के मतगणना के दिन 3 दिसंबर को शुष्क दिवस घोषित किया है। मतगणना के दिन शराब की बिक्री, वितरण और परिवहन पर पूरी तरह से रोक रहेगी। होटल, रेस्टॉरेंट, बार तथा क्लबों में भी मदिरा परोसी नहीं जा सकेगी।

मतगणना स्थल पर धूम्रपान प्रतिबंधित

जबलपुर, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव की मतगणना के लिये नियत स्थल पर मोबाईल एवं धूम्रपान का उपयोग वर्जित रहेगा। मतगणना स्थल पर मोबाईल का उपयोग करने वाले एवं धूम्रपान करने वालों को बाहर कर दिया जायेगा। उम्मीदवारों के मतगणना एजेंटों एवं शासकीय गणना कार्य के लिए नियुक्त शासकीय सेवक गणना स्थल पर मोबाइल, केलकुलेटर, खाने-पीने की सामग्री आदि लेकर नहीं जा सकेंगे। मतगणना अभिकर्ताओं को केवल एक पेन एवं दो कागज ही ले जाने दिया जाएगा। मतगणना स्थल पर मतगणना कार्य में संलग्न सभी अधिकारी-कर्मचारी, अभ्यर्थी, अभ्यर्थी के निर्वाचन अभिकर्ता एवं गणना अभिकर्ताओं को मतगणना स्थल पर मोबाईल, धूम्रपान संबंधी वस्तुएं जैसे जर्दा, पान, सुपारी, पाउच, बीड़ी, सिगरेट आदि प्रतिबंधित रहेगा।

शहडोल में मानवता को शर्मसार करने वाली तस्वीर

दादा के शव को मोटर सायकिल से गांव ले गया पोता

शहडोल, देशबन्धु। शहडोल जिला अस्पताल से मानवता को शर्मशार करने वाला मामला सामने आया है। जिला अस्पताल में रविवार की सुबह धुरवार निवासी ललुईया बैगा (56) की मौत हो गई थी। यहां परिजनों को शव ले जाने के लिए कोई वाहन नहीं मिला। इस कारण पोता बाइक से ही अपने दादा का शव लेकर जिला मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर अपने गांव रवाना हो गया। इस घटना के बाद जिला अस्पताल प्रबंधन और प्रशासन एक फिर कटघरे में हैं। बाइक से जिस तरह वृद्ध के शव को ले जाया गया, उसके मद्देनजर अस्पताल प्रबंधन की बड़ी लापरवाही सामने आई है।जानकारी के मुताबिक, जिला अस्पताल परिसर में ही बुजुर्ग के शव को जब बाइक पर रखा जा रहा था, तब उसके पैर को फुट्रेस्ट में जमाया गया। उसके बाद बाइक पर एक-एक कर चालक और शव समेत चार लोग सवार हो गए। फिर अस्पताल परिसर से धुरवार गांव के लिए रवाना हो गए। परिजनों ने आरोप लगाया कि शनिवार की सुबह 11 बजे के लगभग ब्लड प्रेशर की शिकायत के बाद बुजुर्ग को जिला अस्पताल के मेडिकल वार्ड में भर्ती किया गया था। उसके बाद वार्ड में उनके इलाज के लिए किसी डॉक्टर ने सुध नहीं ली। परिजनों ने बताया कि डॉक्टर पोस्टमार्टम करने के लिए चले गए थे। परिजनों ने बताया कि उन्होंने जिला अस्पताल प्रबंधन से शव वाहन की मांग की। लेकिन रविवार की वजह से छुट्टी है, कहकर उसकी बात को अनसुना कर दिया। इसके बाद परिजनों ने बुजुर्ग के शव को बाइक पर ही बैठाया और धुरवार के लिए रवाना हो गए। मानवता को शर्मशार करने वाली इस घटना के बाद जिला अस्पताल प्रबंधन अपने बचाव में जुट गया है।

कानपुर के किसान सुसाइड प्रकरण में फरार आरोपियों की सतना -जबलपुर में तलाश !

जबलपुर,देशबन्धु। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ अपने राज्य में गुंडा और भू माफियों पर अंकुश लगाए जाने के लिए हर जगह ख्याति प्राप्त कर चुके हैं।

इसी कड़ी में विगत दिवस कानपुर के किसान द्वारा सुसाइड किए जाने से प्रदेश के अलावा पूरे देश में चर्चा बनी हुई है।

मुख्यमंत्री ने आशु दिवाकर जो कि भाजपा की टिकट से पूर्व में चुनाव में परास्त हो चुके हैं उनके साथ और अन्य फरार लोगों की तलाश तेजी से शुरु कर दी है। इन आरोपियों को कानपुर लखनऊ नोएडा के अलावा चित्रकूट, सतना में तलाश शुरु की गई है। परंतु पुलिस को इन फरार आरोपियों को गिरफ्तार किये जाने पर अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है। इन आरोपियों पर उत्तरप्रदेश शासन द्वारा लाखों रूपयों का इनाम भी घोषित किया गया है।

सूत्रों का कहना है कि विगत दिवस उत्तरप्रदेश पुलिस की टीम चित्रकूट और सतना पहुंची थी। परंतु पुलिस को सफलता नहीं मिली है।

जानकारों का कहना है कि इन आरोपियों में से एक आरोपी के नजदीकी रिश्तेदार पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल में प्रथम श्रेणी राजपत्रिता अधिकारी है।

उत्तरप्रदेश की सीमा से सटा हुआ क्षेत्र चित्रकूट, सतना, रीवा का क्षेत्र आता है यहां पर जांच दल के हाथ खाली ही थे। ऐसी संभावना जतायी जा रही है कि यदि उल्लेखित शहरों में पुलिस को असफलता हाथ लगी है तो जबलपुर में भी पुलिस अपना दायरा बढ़ाते हुए जांच कर सकती है। इन आरोपियों से संबंधित वीडिओ वॉट्सएप में वायरल हो रहा है।

यहां इस बात का उल्लेख करना आवश्यक है कि जब आरोपियों को पकड़ा जाएगा और जांच के बाद जो साक्ष्य पाए जाएंगे उसके आधार पर ही प्रकरण का पर्दाफाश होने की संभावना है।

पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल से लेकर जोन कार्यालय तक तरह-तरह की चर्चाएं जारी है। जिससे विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। रेलवे के कर्मचारियों में भी अधिकारी के संबंध में चर्चाएं व्याप्त हैं।

ट्रेन का गेट नहीं खुलने पर स्टेशन पर पथराव, महिला समेत बच्चा घायल

छतरपुर, देशबन्धु। छतरपुर जिले में ईशानगर रेलवे स्टेशन पर बीती रात खजुराहो से कुरूक्षेत्र चलने वाली ट्रेन में पथराव होने की घटना सामने आई है। पथराव होने से दिल्ली जा रही एक महिला और एक बच्चा घायल हुए हैं। इस घटना के बाद यात्रियों की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, बीती रात ईशानगर रेलवे स्टेशन पर शाम लगभग साढ़े सात बजे खजुराहो से कुरुक्षेत्र जाने वाली ट्रेन जैसे ही ईशानगर स्टेशन पर पहुंची। ट्रेन के गेट अंदर से बंद थे। नीचे खड़ी सवारियों द्वारा गेट खुलवाने के बहुत प्रयास किए गए। मगर अंदर से ट्रेन के गेट नहीं खोले गए। झांसी, ग्वालियर, मथुरा सहित दिल्ली के यात्रियों को नीचे से अंदर नहीं आने दिया गया। तभी कुछ अज्ञात यात्रियों द्वारा ट्रेन पर पथराव कर दिया गया।

इस घटना में दिल्ली जाने वाली श्रीदेवी अहिरवार पति दिनेश अहिरवार और दस वर्षीय पुत्र पथराव में घायल हो गए। जब तक स्टेशन मास्टर को अवगत कराया गया, तब तक पथराव करने वाले यात्री अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए।

वहीं, स्टेशन मास्टर आशीष यादव से जब इस संबंध में बात की गई। तब उन्होंने बताया कि दो मिनट का स्टापेज है। गाड़ी को पांच मिनट तक यात्रियों के कहने पर रोका गया, मगर ट्रेन के गेट नहीं खुले। किन्हीं अज्ञात यात्रियों ने पथराव किया है। हम टिकट काउंटर पर टिकट दे रहे थे, स्टाफ की कमी है। यात्रियों पर हुए पथराव के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराएंगे और यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी बोला जाएगा।

भोपाल इंदौर रूट की कई ट्रेनें निरस्त

जबलपुर, देशबन्धु। बरांझ स्टेशन पर प्री नॉन नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य किया जाना है। इसके कारण ट्रेनों को निरस्त किया गया है। करीब आधा ट्रेनें ऐसी हैं जिन्हें दिसंबर में निरस्त किया है। बरांझ स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते निर्धारित तिथियों में गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा। जबलपुर मंडल के बरांझ स्टेशन पर प्री नॉन नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य किया जाना है। कार्य के दौरान कुछ गाड़ियों को निर्धारित तिथियों में प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। यात्रियों को असुविधा से बचाने के लिए रेल विभाग ने गाड़ियों के नाम जारी किए हैं।

निरस्त की जाने वाली गाड़ियां

1- गाड़ी संख्या 06619/06620 इटारसी-कटनी-इटारसी मेमू स्पेशल 2 से 11 दिसंबर तक निरस्त रहेगी।

2- गाड़ी संख्या 19013 भुसावल-कटनी एक्सप्रेस 1 से 11 दिसंबर तक तथा गाड़ी संख्या 19014 कटनी-भुसावल एक्सप्रेस 2 से 12 दिसंबर तक निरस्त रहेगी।

3- गाड़ी संख्या 18234 बिलासपुर-इंदौर नर्मदा एक्सप्रेस 5 से 11 दिसंबर तक तथा गाड़ी संख्या 18233 इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस 6 से 12 दिसंबर तक निरस्त रहेगी।

4- गाड़ी संख्या 11272 भोपाल-इटारसी विंध्याचल एक्सप्रेस 1 से 10 दिसंबर तक तथा गाड़ी संख्या 11271 इटारसी-भोपाल विंध्याचल एक्सप्रेस 2 से 11 दिसंबर तक निरस्त रहेगी।

5- गाड़ी संख्या 11273 इटारसी-प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस 2 से 11 दिसंबर तक तथा गाड़ी संख्या 11274 प्रयागराज छिवकी-इटारसी एक्सप्रेस 3 से 12 दिसंबर तक निरस्त रहेगी।

दमोह में डेंगू मरीजों का टूटा रिकॉर्ड, 216 मरीज करा रहे इलाज

निजी अस्पतालों में रोजाना पहुंच रहे पांच से 10 लोग

दमोह, देशबन्धु। दमोह जिला इस समय डेंगू का हॉट स्पॉट बन गया है। जिले में एक अगस्त 2023 से लेकर अब तक डेंगू के 216 मरीज मिल चुके हैं। जबकि जिले की निजी अस्पतालों में रोजाना पांच से 10 डेंगू के मरीज पहुंच रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग और निजी अस्पतालों के बीच तालमेल नहीं होने के कारण डेंगू के मरीजों की सही जानकारी विभाग तक नहीं पहुंच रही है। इसके चलते जिले में डेंगू का खतरा बढ़ता जा रहा है। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि निजी अस्पतालों को पत्र भेजा गया है कि डेंगू का मरीज आने पर उसकी तुरंत जानकारी दी जाए। ताकि संबंधित क्षेत्र में डेंगू फैलने से रोका जा सके। लेकिन विभाग के तमाम प्रयासों के बाद भी जिले में तेजी से डेंगू फैल रहा है। यदि समय पर काबू नहीं पाया गया तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। डेंगू को लेकर सीएमएचओ डॉ सरोजनी बैक ने बताया जिले में डेंगू न फैले और संबंधित विभाग तक सही जानकारी पहुंचे। इसको लेकर निजी अस्पताल संचालकों की बैठक लेकर समझाइश दी जाएगी। इसके बाद भी यदि जानकारी नहीं दी जाती है तो कार्रवाई की जाएगी। मलेरिया अधिकारियों को भी निगरानी के निर्देश दिए हैं।

जिला मलेरिया कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, जिले में एक अगस्त 2023 से लेकर अब तक 216 मरीज मिले हैं। जो पिछले वर्षों की तुलना में तीन गुना अधिक है। जिले में प्रतिदिन ही औसतन दो से तीन मरीज मिल रहे हैं। यदि नवंबर महीने में ही देख लिया जाए तो अभी तक डेंगू के 65 मरीज मिल चुके हैं। जबकि पिछली वर्ष 2022 के आंकड़ों को देखा जाए तो 71 मरीज ही रिकॉर्ड में दर्ज किए गए थे। जबकि इस वर्ष डेंगू के मरीजों का आंकड़ा तीन गुना हो गया है।

नगर पालिका नहीं करा रही फॉगिंग

डेंगू के बढ़ते प्रकोप को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग निष्क्रिय नजर आ रहा है। वहीं, मच्छरों की रोकथाम को लेकर नगर पालिका द्वारा भी किसी भी प्रकार के प्रयास नहीं किये जा रहे हैं और न ही शहर के वार्डों में जाकर रात के समय फागिंग कर रहे हैं। नगर पालिका परिषद में सीएमओ के न रहने के चलते एसडीएम को प्रभार सौंपा गया है, लेकिन एसडीएम द्वारा निर्वाचन कार्य में व्यस्तता के चलते उनके पास दिए गए प्रभार वाले विभागों की ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नहीं होने के चलते नगर पालिका निष्क्रिय हो गई है। यही कारण है कि दमोह शहर में डेंगू के मरीजों की संख्या लगातार ही बढ़ रही है।

दूषित पानी पीने को मजबूर नागरिक

सीधी, देशबन्धु। नगर में नगर पालिका परिषद के जलदाय विभाग की ओर से नगरवासियों को जल सप्लाई में दूषित पानी परोसा जा रहा है, जिसके कारण लोगों के घरों में गंदे और बदबूदार पानी की आपूर्ति हो रही है। परिणाम स्वरूप नगरवासी काफी परेशान हैं। लोगों को पेयजल के लिए शुद्ध पानी भी नहीं मिल रहा है, जिसके चलते नगरवासी अपनी प्यास बुझाने के लिए प्राइवेट कंपनियों के पानी के कैंपर खरीदने को मजबूर है। नगर वासियों का कहना है कि नलों से इतना गंदा पानी आ रहा है कि पानी से भयंकर बदबू आ रही है और पानी का कलर देखने में इतना गंदा है कि वह फ्टिकरी डालने पर भी साफ नहीं हो रहा। ऐसे में इसे इस्तेमाल ही नहीं किया जा सकता। गोपालदास मार्ग में निवासरत सैकड़ो परिवारो की शिकायत है कि नपा द्वारा दूषित पानी देने में भी घोर अनियमितता बरती जा रही है। कभी नल से पानी की बूंदे भी नही आती हैं तो कभी प्रदंह से बीस मिनट में ही पानी बंद हो जाता है।

नगर पालिका परिषद क्षेत्र में गंदे और बदबूदार पानी की के चलते घरों में बीमारियां पनपने का खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय जनो की माने तो नपा क्षेत्र में एक माह में महज पंद्रह दिवस ही नलों से पानी आता हैं और उसमें भी अगर इतना गंदा पानी आता है कि दैनिक कार्य करना भी संभव नही हो पाता है। गौरतलब है कि पिछले कई महीनो से पानी सप्लाई की पाइप टूटी हुई है जिसके चलते गंदे नाले का पानी भी इस पाइप के माध्यम से लोगों के घरो तक पहुँच रहा है। जिसके चलते लोगों को काफी असुविधा हो रही है और लोग निजी टैंकरों से पानी खरीदने को मजबूर हैं। साथ ही नलों से आ रहे बदबूदार पानी के कारण बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। नगर परिषद की इस लापरवाही के कारण लोगों में नगर परिषद के प्रति आक्रोश बढता ही जा रहा है।

इनका कहना है

नगर पालिका क्षेत्र में जल प्रदाय को लेकर आ रही समस्याओं का जल्द ही निराकरण कर लिया जायेगा।

मिनी अग्रवाल
सीएमओ नपा सीधी।

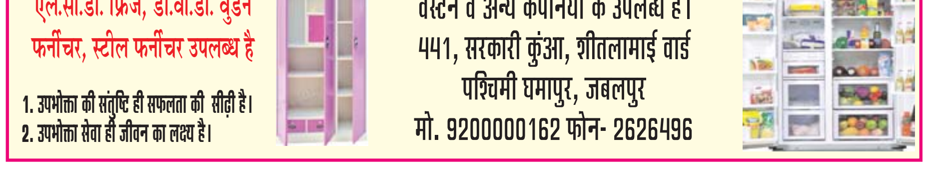

सोनू पोल्ट्री

बड़ा ब्रॉयलर - रु. 82
मीडियम ब्रॉयलर - रु. 100
छोटा ब्रॉयलर - रु. 110

मोबाइल नं. 9300692405

J.B.F.A.

जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन

मुर्गा छोटा - रु. 114
मुर्गा मीडियम - रु. 104
मुर्गा बड़ा - रु. 86
मुर्गा जम्बो - रु. 74

मो.-9039925000, 9425800409